हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

29 मार्च 1934

खण्ड 1, अंक 14

अधिकृत विवरण

विषय

सूची वीरवार, 29 मार्च, 1984

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तरकृ	(14) 1
शोक प्रस्ताव	(14) 28
विभिन्न विषयों का उठाया जाना	(14) 29
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–	
जिला रोहतक के बेरी टाऊन में गंदे पानी की	(14) 31
सप्लाई सम्बन्धी	
कमेटीज की रिपोर्ट पेश करना–	
(1) पब्लिक अकाउंट्स कमेटी की 21 वीं रिपोर्ट	(14) 31
(2) एस्टीमेट्स कमेटी की 16 वीं रिपोर्ट	(14) 31
(3) पब्लिक अंडरटेकिंग्ज कमेटी को 12वीं, 13 वीं, 14वीं, 15वीं तथा 16वीं रिपोर्ट	(14) 31
(4) कमेटी आन दी वैल्फेयर आफ शडयूल्ड कास्ट्स एंड	(14) 32

शडयूल्ड ट्राइब्ज की 9वीं रिपोर्ट	
(5) कमेटी आन गवर्नमैंट अश्योरैंस की 15वीं रिपोर्ट	(14) 32.
वैयक्तिक स्पष्टीकरण–	
स्वास्थ्य मन्त्री द्वारा	(14) 32
गैर–सरकारी प्रस्ताव एस ० वाई ० एल ० नहर के निर्माण सम्बन्धी–	(14) 34
वैयक्तिक स्पष्टीकरण–	
श्री हीरा नन्द आर्य द्वारा	(14) 61
गैर–सरकारी प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(14) 61

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 29 मार्च, 1984

हरियाणा विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ में प्रातः 9.30 बजे हुई ।

अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या 528

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्या, श्रीमती चन्द्रावती, सदन में उपस्थित नही थीं ।

Cases of Rape Registered in the State

***533. Prof. Sampat Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the districtwise and monthwise number of cases of rape registred in the State during the period from July, 1979 to-date;

(b) the names, and addresses and age of the rape victims and those of rapists; and

(c) the number of cases, out of those referred to in part (a) above, in which culprits have been punished togetherwith the number of cases which remained untraced ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क) राज्य में 1 जुलाई, 1979 से 31 सितम्बर, 1 983 तक दर्ज हुई बलात्कार के मुकदमों की जिलावार व माहवार सूचना 1 सदन के, पटल पर रखी जाती है ।

(ख) बलात्कार करने वालों के नाम तथा जिन औरतों पर बलात्कार हुये, के नाम, पते, व आयु देने में जितना समय व परिश्रम लगेगा उससे सम्भावित लाभ की प्राप्ति बहुत कम– होगी ।

(ग) उपरोक्त भाग (क) में दर्शाए गये मुकदमों में से उन मुकदमों की जिलावार संख्या जिनमें दोषियों को सजा हुई और अदमपता मुकदमों की सूचना II सदन के पटल पर रखी जाती है ।

STATMENT—I

(a) District wise/Month wise case of rape registered from 1st July, 79 to 31 Dec., 1983.

1979							
Distt.	July	August	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Total
Ambala	-	1	1	3	1	—	6
Kurukshetra	—	1	—	1	—	—	2
Karnal	2	4	—	—	—	—	6
Jind		1	2	—	—	--	3
Hissar		1	1	1	—	—	3
Narnaul	1		_	—	_	—	1
Bhiwani	1	—	—		—	—	1
Sirsa	—		1	1	—	—	2

Gurgaon	_	—	1	—	1	1	3
Faridabad	--	—	—	—	—	—	—
Rohtak	---	1	1	—	1	1	4
Sonepat	—	1	_	—	_		1
Total	4	10	7	6	3	2	32

STATEMENT I -(contd.)

1980													
Distt.	Jan.	Feb.	March	April	May	June	July	Aug.	Sep.	Oct.	Nov.	Dec.	Total
Ambala	1	—	1	1	—	2	1	—	—3	1	1	2	13
Kurukshetra	—	—	—	2	1	1	1	4	—	1	1	2	13
Karnal	1	3	2	1	1	1	—	1	3	—	1	—	14
Jind	—	—	—	—	I	—	—	1	—	—	—	—	2
Hissar	—	1	2	2	3	—	—	1	1	2	—	—	12
Narnaul	—	—	—	—	1	—	1	3	1	1	—	—	7
Bhiwani	—	—	—	—	—	1	1						3
Sirsa	1	—	3	1	1	2	1	—	3	—	—	1	13
Gurgaon	—	—	2	1	—	—	—						4

Faridabad	—	—	—	1	—	—	—	1	—	—	2	2	6
Rohtak	—	1	2	—	—							1	4
Sonepat	—	—	1	—	1	2	—	1	2	1	—	—	8
Total	3	5	13	9	9	9	5	13	14	6	5	8	99

STATEMENT 3—(contd.)

					1981								
Distt.	Jan.	Feb.	March	April	May	June	July	Aug.	Sep.	Oct.	Nov.	Dec.	Total
Ambala	--	2	1	—	—	1	1	1	—	1	2	—	9
Kurukshetra	1	2	3	1	1	1	1	1	2	1	2	—	15
Kama!	—	—	—	1	1	—	1	1	1	—	—	—	5
Jind	—	—	1						—	—	—	—	3
Hissar	—	—		—	—	1	--	1	—	—	1	—	3
Narnaul	1	1	—	1	—	—	—	2	—	—	—	1	6
Bhiwani	__	1	__	I	—	—	—	1	—	—	1	—	4
Sirsa		—	3						—	1	—	—	7
Gurgaon	2	—	1	—	2	—	—	—		—	—	1	6

Faridabad	2	2	1	1	2	3	2	1	1	1	—	1	17
Rohtak	—	1	—	2	—	—	—	—	1	—	—	—	4
Sonepat							1	I			_	_ .	3
Total	6	9	10	7	6	6	6	14	5	5	5	3	82

STATEMENT 4—(contd.)

1982													
Distt.	Jan.	Feb.	March	April	May	June	July	Aug.	Sep.	Oct.	Nov.	Dec.	Total
Ambala	2	-	1	-	-	4	2	1	1	2	1	2	16
Kurukshetra	1	1	-	2	2	-	2	2	2	2	2	1	17
Kama!	1	1	1	-	1	-	2	1	3	-	--	1	11
Jind	1	1						2	-	1	-	1	7
Hissar								-	-	1	-	-	4
Narnaul		-		1	1	-	1	-	1	-	-	-	4
Bhiwani		-		-	1	1	-	-	1	-	2	-	5
Sirsa	-	1	1	1	1	-	-	1	1	-	-	-	6
Gurgaon	1	-	1	-	1	1	-						4
Faridabad	1	1	-	-	5	1	2	-	4	1	1	-	16

Rohtak	-	1							-	-	2	-	4
Sonepat	-	1							1	-	1	1	6
Total	7	9	5	4	12	7	11	9	14	7	9	6	100

STATEMENT 5—(contd.)

1983													
Distt.	Jan.	Feb.	March	April	May	June	July	Aug.	Sep.	Oct.	Nov.	Dec.	Total
Ambala	1	-	2	1	-	1	1	3	-	-	1	-	10
Kurukshetra	2	1	2	2	-	1	1	1	-	1	-	-	11
Kama!	-	1	-	1	-	-	-	2	-	1	--	-	5
Jind	1	2	2	2		--	-	1	1	-	1	-	10
Hissar	2	1	1	-	1	-	1	1	-	-	1	3	11
Narnaul	1	-	1	-	-	1	-	-	1	-	1	1	6
Bhiwani	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1
Sirsa	-	-	-	1			-	1	-	-	-	1	3
Gurgaon	-	-	-	-	-	-	1	-	1	1	1	-	4
Faridabad	-	1	2	2	3	-	1	1	-	-	1	1	12

Rohtak	1								-	1	-	-	4
Sonepat	2	1	1	-	1	-	1		-	1		1	8
Total	11	9	11	9	5	3	6	10	3	5	6	7	85

STATEMENT—If

(C)	No. of cases, out of those referred to in part (a) above in which culprits have been punished.					No. of cases, out of those referred to in part (a) above which have remained untraced.				
Distt.	79	80	81	82	83	79	80	81	82	83
Ambala	—	7	3	6	1					
Kurukshetra	2	4	5	1	—	—	—	—	—	—
Kamal	2	1	2	4	—	1	—	—	—	—
Jind	1	—	1	—	2	—	—		—	—
Hissar		2	—	1	—	1		1	—	--
Narnaud	—	2	4	1	1	—	1	—	—	—
Bhiwani	1	2	2	2	—	—	—	—	—	—
Sirsa	1	5	3	2	—	—	—	—	—	—

Gurgaon	2	1	2	2		—	—		--	—
Faridabad	—	2	7	2			—	--	—	—
Rohtak	2	---	1	—	1	_	—	—.	—	___.
Sonepat	1	3	1	2	1	—		—	—	-
Total	12	29	31	23	7					—

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर साहव, मैंने इस सयाल के पार्ट (वी) में पूछा था कि बलात्कार करने वालों व उनसे हुए पीड़ितों के नाम, पते और उम्र बताई बार लेकिन मुख्य मंत्री जी ने उसका जबाब दिया कि इस इन्फर्मेशन को देने में जितना समय व परिश्रम लगेगा उससे सम्भावित लाभ कि प्राप्ति वहुत कम होगी । स्पीकर साहब, मैंने अपना यह सवाल दे महीने पहले आपकी सेवा में भेजा था, इसलिए इस बारे में सारी इन्फर्शेन आनी चाहिए थी ताकि उन लोगों का पता लग जाता जो हीनियस क्राइम करने में हार्डन्ड और हैबीच्यूअल हो गए हैं । यदि बइ सारी इन्फर्मेशन देने में इनको एक–दों दिन का और टाइम चाहिए तो आप इनको एक दो दिन का टाइम और दे दें लेकिन इस बारे में पूरी इन्मफर्शेन सदन के सामने आनी चाहिए । ताकि उन लोगों का सारा रिकार्ड यहां पर –आए और हमें उन के बारे में पूरी जानकारी मिल सके । स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी, ने पार्ट (ए) के जवाब में वह बताया है कि इस तरह के लगभग 400 केस रजिस्टर हुए हैं । में इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या इन केसिज में ऐसे केसिज भी हैं जो 1979 तथा 1980 के पैंडिग हैं और उन बारे में आज तक कोई कार्यवाही न होने का क्या कारण है?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यहां कहा कि जो लोग हीनिमस क्राइम करने में हार्डनड और हैवीच्यूअल हो गए हैं उनके नाम और एडैरस देने चाहिए थे । माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि भारत सरकार ने क्रिमनल ला में अमैंडमेंट कर दी है । अव इस तरह के केसिज के लिए राह कानून बना दिशा है कि यदि

इस तरह का कोई केस होता है तो उसके बारे में अखबार के अन्दर खबर न छापें क्योंकि जिस औरत के साथ बलात्कार का केस हो जाता है उसकी प्रैसटिज को बड़ा धक्का लगता है । इसके अलावा यह भी कानून बना दिया गया है कि बलात्कार के केसिज की कोर्ट में जो भी कार्यवाही की जाती हए वह इन–कैमरा होनी चाहिए, ताकि कोई दूसरा आदमी कोर्ट में न बैंठ सके क्योंकि बहुत सी ऐसी बातें होती हैं जो उस औरत से पूछी जाती हैं । जिनको बताने में वह शर्म महसूस करती है जिसके कारण कुछ बातें वह खुले में नहीं कह सकती । चूकि भारत सरकार ने क्रिमीनल ला में अमैंडमेंट कर दी है इसलिए उनके नाम व पते देना कोई जरूरी नही है । जहां तक इन्होंने यह पूछा है कि कुछ केसिज 1979 तथा 1980 के पैडिग हैं । आप सभी जानते हैं कि ऐसे केसिज में सरकार की तरफ से पूरी कोशिश होती है कि उन पर जल्दी से जल्दी कार्यवाही की जाए । दोषियों की जल्दी से जल्दी गिरफ्तारी की जाए और उनको ज्यादा से ज्यादा सजा दी जाए । इसके अलावा आप यह भी जानते हैं कि बहुत सी बातें इन मामलों में साबित नहीं होती हैं, कुछ गवाह ऐसे होते हैं जो बाद में बैठ जाते हे, गवाही नहीं देते । कई बार लेडी जिसके साथ बलात्कार का केस होता है वह भी यह कह देती है कि यह वह आदमी नहीं था । इस तरह की कई दिक्कतें आ जाती हैं जिनके कारण केस में मुल्जिम छूट जाते हैं सरकार की तरफ से ऐसे आदमियों को प्रोटेक्शन देने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता । सरकार की यह पूरी पूरी कोशिश रहती है कि प्रान्त में बलात्कार के केसिज न हों और बलात्कार करने वालों को ज्यादा से ज्यादा सजा मिले ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने इस सवाल के बारे में जो इन्फर्मेशन आन दि टेबल आफ दि हाउस पर रखी है उससे साफ जाहिर होता है कि 1979 में सारे हरियाणा प्रान्त में बलात्कार के 32 केस रजिस्टर हुए, 1980 में 99 केस, 1981 में 82 केस, 1982 में 100 केस और 1983 में 85 केस रजिस्टर किए गए । स्पीकर साहब, हर साल ये फिगर्ज बढ्ती चली गई । दूसरी तरफ मुख्य मती जी इस सदन में रोजाना यह कहते हैं कि ला एंड आर्डर के हिसाब से हरियाणा स्टेट एक आदर्श स्टेट है लेकिन इनके मुख्य मंत्री पद की बागडोर सम्भालने के बाद रेप केसिज का नम्बर बढ्ता ही जा रहा है लगभग तीन गुणा नम्बर बढ़ा है । मैं आपके द्वारा इनसे यह जानना चाहता हूं कि सरकार ऐसे कौन से स्टेप्स उठा रही है जिनसे हरियाणा प्रान्त में हींनियस क्राइमज पूरी तरह से काबू किये जा सकें?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो मेन सवाल पूछा है वह जुलाई 1979 से आज तक के बारे में है और हमने साढ़े चार साल के आंकड़े सदन की पटल पर रख दिए हैं । सरकार की यह पूरी कोशिश रहती है कि इस प्रकार के केसिज स्टेट में न् हों ।

श्री फूल चन्दः स्पीकर साहब, जितने रेप के केसिज होते हैं उनमें से ज्यादातर विक्टिमंज हरिजन महिलाएं होती हैं । मैं आपके द्वारा मुख्य मती जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या यह बात सत्य हे, यदि सत्य है तो क्या' उस कमजोरी को दूर करने का प्रयत्न करेंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, किसी जाति विशेष के बारे में देस जवाब में कोई बात नहीं लिखी हुई है । यह हो सकता है कि हरिजन महिलाओं के साथ बलात्कार कुछ ज्यादा हो जाते होंगे क्योंकि हरिजन भाई गरीब होते हैं उनकी लेडीज को खेतों में काम करने के लिए जाना पड़ता है, लकड़ी वगैरह तोड़ने के लिए भी जाना पड़ता है, उस समय कोई बदमाश आदमी उनके साथ ऐसी हरकत कर देते होंगे । इस बारे में मैं इनको यह भी बताना चाहूंगा कि जिस किसी हरिजन औरत के साथ ऐसा केस होता है और उस बारे में ज्यों ही केस दर्ज होता है तो वहां पर पुलिस का क्लास बन आफिसर फौरन पहुंचता है और उसको सबसे पहले डील किया जाता है ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मैली जी से यह जानना चाहूंगा कि इस प्रकार के केस जब हरि–जन लोग कोर्ट में लड़ते हैं तो क्या सरकार की तरफ से उनको लीगल ऐड दी जाती है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कोर्ट में केस लड़ने के लिए हरिजन भाग्यों को 500 रुपए लीगल एड देने का प्रावधान किया हुआ है । इसके अलावा कोर्टस में वकील साहेबान ने भी अपनी एक कमेटी बनाई हुई है वे भी हरिजनों और गरीव लोगो को की लीगल एड देते है ।

मास्टर राम सिंह : स्पीकर साहब, मैं मुख्य मती जी से जानना चाहूंगा कि इस प्रकार के केसों की खबर अखबारों में हरिजनों

के बारे में ही ज्यादा आती हैं, दूसरी जातियों के बारे में खबर क्यों नहीं आती?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय इस बारे में मैं क्या कह सकता हूं । सरकार की वह पूरी कोशिश रहती है कि इस प्रकार के केस प्रान्त में नहीं होने चाहिएं ।

मास्टर शिव प्रसादः स्पीकर साहब, पिछले साल अक्तूबर के महीने में सढौरा में रामलीला हो रही थी उस समय वहां से बाल्मिकियों की 9– 10 साल की लड़की को अगवाह किया गया और उसके साथ बलात्कार किया गया उसके बाद उसको कुंबे में डाल दिया गया और कुंबे से उसकी लाश 4 दिन के बाद मिली । मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इन्होंने जो अम्बाला किले के केसों की इन्फर्मेशन दी हे क्या उसमें यह केस भी शामिल हे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय । प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने मैन सवाल में यह पूछा है कि जुलाई 1979 से आज तक हरियाणा के अन्दर जितने बलात्कार के केस हुए हैं उनकी जिलावार और माहवार संख्या कितनी है । आज तक का मतलब आज से नहीं है । हमने यह इन्फर्मेशन दिसम्बर, 1983 तक की दी हए, यह केस भी इसमें शामिल हो सकता है ।

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पिछले दिनों पार्लियामैंट में मिनिस्टर आफ स्टेट फार होम अफेयर जवाब दे रहे थे उस समय उन्होंने डाबरी डैथस का हवाला देते हुए कहा कि सारे देश में हरियाणा

नम्बर एक पर है जहां पर डाबरी डैथस सबसे ज्यादा हुई हैं । स्पीकर साहब, यह बात बड़ी अनफार्चूनेट है । (शोर)

श्री अध्यक्ष : प्रोफेसर साहब, यह सवाल डावरी डैथस के बारे में नही है । आप का जो मेन सवाल है उसी के बारे में सप्लीमैंटरी पूछें ।

प्रो सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैं उसी से संबंधित सप्लीमेंटरी पूछ रहा हूं । हें यह जानना चाहता हूं कि आल इंडिया में जो हीनियस क्राइमज होते है उनको रोकने के लिए केन्द्रीय सरकार क्या तरीका एडाप्ट करती है, ताकि इस तरह के केस कम से कम हों? और क्या उस तरह का कोई तरीका हरियाणा सरकार भी एडाप्ट कर ग्ही है? क्योंकि हरियाणा में हर साल इस तेरह के केसिज का नम्बर बढ़ता जा रहा है ।

(इस प्रश्न का उत्तर नही दिया गया)

Installation of Deep Tubewells

***565. Chaudhri Phool Chand** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to install Deep Tubewells for providing irrigation facilities in Muliana Constituency; and

(b) if so, the number of Tubewells likely to be installed together-with the period within which such Tubewells are likely to be installed ?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : (a) & (b) To date there is no scheme but action is likely to be taken after the receipt of the report of computer study.

चौधरी फूल चन्द : स्पीकर सर, मंत्री जी ने मेरे सवाल के (ए) पार्ट में जबाब दिया है कि ''नो'' । मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि मुलाना क्षेत्र में गहरे टयूबवैल्ज लगाने की कोई स्कीम है? मली जी जानते हैं कि वहां पर कोई नहर नही है और न ही कोई और सिंचाई का साधन है । मंत्री जी ने तो ऐसा जवाब दिया है कि जैसे कोई स्कीम सरकार के जेरे गौर नही है और सरकार किसानों की सहायता नहीं करना चाहती । मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार मुलाना क्षेत्र को किसानों की सहायता करने पर विचार करेगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब सरकार किसानो की पूरी सहायता कर रही है और करने का पूरा विचार भी रखती है । मुलाना क्षेत्र में पहले ही 159 गहरे टयूबवैल्ज लगे हुए हैं जबकि मुलाना से व डार्क एरिया में फाल करता है । जिस एरिया में ग्राउन्ड वाटर 80 प्रतिशत से ज्यादा एक्सप्लायट हो जाये ते—। की एरिया डार्क एरिया में फाल करता है । यदि ऐसे एरिये में टयूबवैल्ज लगाने की कोई स्कीम बनानी हो तो पहले स्टेट गवर्नमेंट को ग्राउन्ड वाटर बोर्ड से कलिय—रेस लेनी होती है । ग्राउन्ड वाटर बोर्ड छ ० प्रतिशत से ज्यादा पानी के एक्सप्लायटेशन की परमिशन नही देता जिस कारण ' 'नेबार्ड'' से लोन नही मिल सकता क्योंकि ''नेबार्ड'' स्टेट ग्राउन्ड वाटर बोर्ड की रिकमन्डेशन पर ही लोन देने के लिए तैयार होता है । 'नेबार्ड' भी 8० प्रतिशत से ज्यादा एक्सप्लायटे शन वाले

एरिया के लिए कोई पैसा नही दे रहा, इसलिए ऐसे एरिये में और टयूबवैल्ज नही लगाये गए । 4–5 महीने पहले मैंने इनके सुझाव पर एम ० आई० टी ० सी० के आफिसर्ज की एक मीटिंग अपने कमरे में की थी । उस मीटिंग में माननीय सदस्य भी थे । उस समय यह बात भी हमारे सामने आई थी कि पिछले कई सालों से वाटर टेबल का बैलंस 20 प्रतिशत खत्म नही हो रहा बल्कि वह थोडा बहुत स्टेबलाईज हुआ है इसलिए इसको भी एक्सप्लायट किया जा सकता हुँ । इसके लिए कम्प्यूटर स्टैडी कराने का फैसला लिया गया है । कम्प्यूटर स्टैडी की अभी रिपोर्ट नहीं आयी है । जब भी कम्प्यूटर स्टैडी की रिपोर्ट आयेगी तो हम पूरी कोशिश करेंगे कि इस एरिये में और टयूबवैल्ज लगाये जाएं ।

श्री ए० सी० चौधरीः स्पीकर साहब, मुलाना क्षेत्र को डार्क एरिया डिकलेयर कर दिया गया है, क्योंकि वहां पर 80 प्रतिशत एक्सप्लायटेशन हो चुका है । अब वहां पर कोई भी स्कीम सिंचाई के लिए फिजिबल नहीं है । ऐसी स्थिति में क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि मुलाना क्षेत्र के लिए कोई नहर निकाल कर या किसी और तरीके से, वहां के लोगो को सरकार राहत देगी ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : सिचाई के साधनों के बारे में मैं पहले भी दो–तीन बार कह चुका हूं कि हम दादुपुर से एक 600 क्यूसिक्स को नहर निकाल रहे हैं । यह नहर बाकी क्षेत्रों के अलावा मुलाना क्षेत्र को मी कवर करेगी ।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या मुलाना क्षेत्र डार्क एरिया में आने का पता पिछले 10 महीने से लगा है या पहले से ही पता लग गया था ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, केवल मुलाना क्षेत्र ही डार्क एरिया में नहीं आता बल्कि और भी कई क्षेत्र डार्क एरिया में आते हैं । जो क्षेत्र डार्क एरिया में आते है उनके नाम इस प्रकार हैं बराडा, जगाधरी, फिरोजपुर–झिरका, पटौदी, असंध, करनाल, नीलोखेडी, पानीपत, सम्भालखा, गुहला, लाडवा, पुण्डरी, शाहबाद, थानेसर, जाटुसाना, कनीना और खरखोदा । इन सभी क्षेत्रों में 80 प्रतिशत से ज्यादा ग्राउन्ड वाटर एक्सप्लायट हो चुका हैं ।

चौधरी फूल चन्द : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने कम्प्यूटर स्टडी करवाने का आश्वासन दिलाया है, इसके लिए मैं इनका धन्यावाद करता हू । इसके साथ ही मैं यह भी बताना चाहूंगा कि कुछेक टय्बवैल्ज अबन्डन कर दिए गए हैं और कुछ में खराबी आ गई हैजिस कारण वे दुबारा चालू नही हो सकते । मैं पूछना चाहता हूं कि क्या उनकी जगह हर नए टयूबवैल्ज लगाने की कोशिश करेगे?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजवाला : मुलाना क्षेत्र में 12 टयूबवैल्ज अबन्डन किए गए हैं । इन 12 टयूबवैल्ज में से 3 तो फिर से लगाप्रदिए गए हैं और 2 पर अभी काम शुरू होना है । बाकी टयूबवैल्ज पर भी काम शुरू करना है । जिस–जिस एरिया में टयूबवैल्ज अबन्डन

हुए है, उनके नाम हैं दुलियाना, शाह, दुलियानी, कंगल, गोला, गोकुलगढ खानपुर, कराना, लगन, नगला, होली और कुऊलपूर ।

मास्टर शिव प्रशाद : अध्यक्ष महोदय, अभी बराडा का नाम लिया गया है । लेकिन मुलाना का हलका तो बहुत बड़ा हल्का है । में जानना चाहता हूं कि क्या बराडा क्षेत्र को छोड़ कर ऐसी सुविधा देने के लिए बाकी हल्कों के बारे में विचार किया जायेगा?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : मुलाना कांस्टीच्युंशी बाई एण्ड लार्ज बरांडा तक लगती है ।

श्री भलेराम : अध्यक्ष महोदय, मेरा गोहाना का एरिया है, जिसमे नहर तो है लेकिन कुछ एरिया ऐसे हे जो रेतीले है और जहां पर पानी नही पहुंच सकता । मेरे गाँव जागती के अन्दर भी ऐसी ही स्थिति है । मैं जानना चाहता हू कि क्या ऐसी जगहों पर कोई सर्वे करके वहां कोई टयूबवैल्ज लगाने का इन्तजाम किया जायेगा?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जहां पर कैनाल वाटर अवलेबल है वहां पर गहरे टयूबवैल्ज लगाने की योजना नही है, क्योंकि ऐसे टयूबवैल्ज बहुत महंगे होते हैं और इनकी मेन्टीनैसं पर भी बहुत ज्यादा खर्च आता है । अध्यक्ष महोदय, मैं यह बताना चाहूंगा कि सरकार करोड़ो रुपये का नुकसान करके ये टयूबवैल्ज किसानों को लगाकर देती है । फिर भी यदि ऐसा कोई एरिया हे जिसमें कैनाल वाटर नही पहुंचता और ग्राउन्ड वाटर अवेलेबल है तो सरकार जरूर वहां पर डी० आई ० टीज० लगाने पर विचार करेगी ।

Starred Question No. 690

This qestion was not asked as the hon. Member, Shri Hira Nand Arya, was not present in the House.

Starred Qestion No. 672

This question was not asked as the hon. Member, Chaudhri Om Parkash, was not present in the House.

Starred Question No. 573

This question was not asked as the hon. Member, Dr. Bhim Singh Dahiya, was not present in the House.

Starred Question No. 623

This question was not asked as the hon. Member, Shri Mangal Sein, was not present in the House.

Starred Question No. 626

This question was not asked as the hon. Member, Shri Ram Bilas Sharma, was not present in the House.

Starred Question No. 709

This question was not asked as the hon. Member, Shri Kitab Singh, was not present in the House.

Starred Question No. 720

This question was not asked as the hon. Member, Shri Manphool Singh, was not present in the House.

Prevention of Blindness Project

***701. Master Shiv Parshad :** Will the Minister for Health be pleased to state —

(a) whether any grant for the prevention of blindness in the State is being received from the Central Government; if so, the amount so received during 1983-84 ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to appoint eye specialists in all the rural Primary Health Centres in the State ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी) :

(क) जी हां । राज्य को 11.42 लाख रुपए की धनराशि एलोकेट की गई है ।

(ख) जी नहीं ।

मास्टर शिव प्रसादः अध्यक्ष महोदय, जब मनुष्य के पास आंख ही नही रहेंगे तो वह इस संसार में कुछ नहीं कर पाता । इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि सरकार की ऐसी क्या मजबूरी, है जिस के कारण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पूर नेत्र विशेषज्ञ डाक्टर्ज नहीं लगाए जा रहे?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, हर जिला हैड क्वार्टर पर तो नेत्र विशेषज्ञ एम ० बी ० बी ० एस ० डाक्टर लगाए हुए हैं । प्राईमरी हैल्थ सैन्टरों के लिए 50 सहायक नेल विशेषज्ञ के पद स्वीकृत हैं । ये सारे पद अभी तक भरे नही गए है क्योंकि इनकी पहले क्वालिफेकेशन कुछ ज्यादा थी । प्री–मैडिकल में 50 परसैंट से ज्यादा नम्बर वालों के लिए 2 साल का कोर्स इस पद के लिए था । इसलिए

इस कोर्स के लिए बहुत कम लोग आते थे । अब भारतं सरकार इस बारे में विचार कर रही है कि प्री–मैडिकल में 50 परसैन्ट नम्बर की बजाए 40 परसैन्ट नम्बर हो जाएं । जब भी ऐसा हो जाएगा तो हम दो साल में इस कभी को पूरा कर देगें ।

सेठ रामदास धमीजा : अध्यक्ष महोदय, जवाब में बताया है कि 11 लाख 42 हजार की राशि केन्द्रीय सरकार से एलोकेट हुई है । मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या इसका जिला वाईज कोई हिसाब–किताब है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मौबायल यूनिट्स के लिए 1 लाख 50 हजार, प्राईमरी स्वास्थ्य केन्द्र के लिए 1 लाख 30 हजार, डिस्ट्रिक्ट होस्पिटल्ज के लिए 1 लाख 59 हजार.

एक आवाज : यह फिगर डिस्ट्रिक्टवाईज तो नही है, आप डिस्ट्रिक्टवाईज बताए ।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः जिलावार' इन्फर्मेशन मेरे पास नहीं है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : क्या मन्त्री महोदया बताएंगी कि स्टेट में ऐसे कितने हैल्थ सैन्टर्ज हैं जहां पर आई स्पैशलिस्ट्स की सुविधा उपलब्ध नहीं है, और इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार क्या प्रबन्ध कर रही है? क्या सरकार ने कोई टार्गेट फिक्स किया है कि इतने सालों के अन्दर–अन्दर हर हैल्थ सैन्टर में आई स्पैशलिस्ट एप्वायंट कर दिया जाएगा?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, हमारे पास आई स्पैशलिस्ट्स की ट्रेनिंग देने के लिए पहले 15 सीटें थी, लेकिन अब इनको बडा दिया गया है । इस कोर्स में एडमीशन देने के लिए जो क्वालिफिकेशन रखी है, इसको हम कम करने की कोशिक्ष कर रहे है । जहां एडमीशन के लिए प्री मैडिकल में 50 परसैटं मार्क्स की जरूरत है हम 40 परसैंट मार्क्स करने जा रहे हैं । मुझे उम्मीद है कि अगले दो सालों में नेत्र सहायकों की कमी दूर हो जाएगी । नेत सहायक की पोस्ट एम ० दी ० बी ० एस ० डाक्टर के बराबर नही होती । प्राईमरी हैल्थ सैन्टर में तीन डाक्टर्ज होते हैं, ज्यादा नही रखे जा सकते । क्योंकि सब बीमारियों के स्पैशलिस्ट्स एक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर में नहीं रखे जा सकते । आंखों के मरीजों को देखने के लिए मैडिकल कालेज से और डिस्ट्रिक्ट होस्पिटल्ज से प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज में आई स्पैशलिस्टस जाते रहते हैं । इसमें कोई समस्या नहीं है, जरूरत के मुताबिक स्पैशलिस्ट्स सब जगहों पर जाते रहते हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मन्त्री महोदया ने बनाया कि वे क्वालिफिकेशन कम कर रहे हैं । क्या मन्त्री महोदया बतायेगी कि एम ० वी ० बीं ० एस० से नीचे का भी कोई कोर्स इस वक्त चल रहा है या ये चालू करना चाहते हैं, अगर ऐसा है तो यह कोर्स कितने सालों का है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : नेल सहायक की पोस्ट अलग होती है और एम० यी० बी ० एस० डाक्टर की अलग होती है । सहायक विशेषज्ञ पेन के कोर्स में दाखिला मन के लिए प्री–मैडिकल में 50

परसैट नम्बर होने चाहिएं और इसकी क्लासिज मैडिकल कालेज रोहतक में चल रही हैं । बहु कोर्स दो साल का है । इस कोर्स के लिए 8 महीने के बाद दाखिला होता है । पहले 15 सीटें थीं, अब हुमने बढाकर 30 सीटें कर दी हैं । मुझे पूर्ण आशा है कि जितने प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज हैं, उन सब भे दो साल के अन्दर–अन्दर इन पदों को भरा जाएगा ।

श्री ए ० सी ० चौधरी : अध्यक्ष महोदय, एक कहावत है कि जिसकी आंख चली गई उसकी दुनियां चली गई और आंख की बीमारी यानी अंधापन खुराक की कमी की वजह से होता है । दूसरा कारण है 'एयर पोल्युशन' जिसकी वजह से अन्धापन तेजी से पनपता है । 'एयर पोल्युशन' वहां होता है जहां इंडस्ट्रीज बहुत ज्यादा होंगी । फरीदाबाद हरियाणा में सबसे बड़ी इंडस्ट्रियल एस्टेट है । फरीदाबाद टाउनशिप के बाहर जो एडज्वायनिंग विलिजिज हैं, वहां आपने आम तौर पर देखा होगा कि इन इंडस्ट्रीज का प्रौसैस्ड वैस्ट इन विलेजिज की तरफ फैंका जाता है । उन गांवों में लोगों को दिन छिपते ही दिखना बन्द हो जाता है क्योंकि 'एयर पोल्युशन' से आंखों की बीमारियां हो गई हैं । इन लोगों को अन्धेपन से बचाने के लिए सरकार को जैनरप्रली पैसा कंट्रिव्यूट करना लाजमी हो गया है । मैं मत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि क्या कोई ऐसी प्रपोकल सरकार के विचाराधीन है! यदि नही तो क्या सरकार इमिजिएटली कोई प्रपोजल रेज करेगी ताकि इस इलाके के लोगों को मैडिकल एड जल्दी दी जाए और इनको अन्धेपन से बचाया जा सके ।

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, जहां से इस किस्म की शिकायतें आती हैं, सरकार उनकी तरफ पूरा ध्यान देती है और' इलाज करने की पूरी कोशिश करती है । इसके इलावा प्राईवेट संस्थायें भी इस दिशा मे बहुत मदद करती हैं और इसके अतिरिक्त गांवों में कैम्प लगाकर बच्चों की तथा बड़ों की आंखें चौक करती हैं । पिछले दिनों 'स्कूल हेल्थ स्कीम' के तहत 18 लाख से अधिक बच्चों को चौक–अप किया गया जहां और बीमारियों की देखभाल होती हैं वहां आंखों की बीमरियों की भी देखभाल हो जाती है । इसके इलावा हम स्टेट में मैडिकल कैम्प गांव गांव में लगाने की कोशिश करते हैं और काफी जगहों पर ये कैम्प लगते रहे हैं । आंखों की बीमारी की रोकथाम के लिए भारत सरकार ने 20 सूत्री प्रोग्राम में इस प्वायंट को पहले नम्बर पर रखा है ।

श्रीमती शारदा रानी : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदया ने बताया है कि भारत सरकार ने 20 सूत्री प्रोग्राम में आंखों की बीमारियों को चौक करने का प्वायंट प्रायरिटी नं० 1 पर रखा है । क्या मन्त्री महोदया बतायेंगी कि स्वास्थ्य विभाग हरियाणा ने किस चीज को प्रायरिटी पर रखा है? इसके इलावा, जैसा कि मन्त्री महोदया ने बताया कि प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्ज के लिए सहायक नेल विशेषज्ञों की 50 पोस्टें रखी हैं । मैं मंत्री महोदया से जानना चाहती हूँ कि इन्होंने 50 ही पोस्टें क्यों रखी हैं, जबकि इन के मुकाबले में प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज बहुत ज्यादा हैं? सरकार ट्रेनिंग देती है लेकिन इसके बावजूद भी सहायक नेत्र विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होते । आप ज्यादा लोगों, को

ट्रेनिंग क्यों नहीं देते ताकि हर एक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर में एक एक सहायक नेत्र विशेषज्ञ हो जाए? स्पीकर साहब, इसके इलावा मैं बताना चाहूंगी कि आंखों के डाक्टर काफी तादाद में हैं लेकिन वे मैडिकल का काम करते हैं, उनसे आंखों का काम क्यों नहीं लिया जाता? क्या मस्ती महोदया बतायेंगी कि इन आंखों के डाक्टर्ज को प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज में एप्यायंट किया जाएगा ताकि हर एक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर में एक एक आंखों का डाक्टर हो जाए?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, बहन जी के पास स्वास्थ्य दिमाग रहा है, वे इस बारे में सब कुछ जानती हैं । मैंने पहले कहा है कि 50 पोस्टें स्वीकृत है, बाकी की स्वीकृति के लिए केस गया हु आ है, मुझे उम्मीद है कि वे मन्जूर हो जायेंगी । जहां तक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज में आंखों के डाक्टर एप्वायंट करने का ताल्लुक है, एक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर में तीन ही पोस्टें होती हैं, एक क्लास वन की और दो क्लास टू की । इन हालात में आंखों का डाक्टर सब जगह नहीं रखा जा सकता । हर डिस्ट्रिक्ट लैवल पर, सब–डिबीजन लैवल पर एक आंखों का एम०बी० बी० एस ० डाक्टर रखा जाता है । जैसा मैंने पहले बताया कि अगले दो सालों में सब प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज में और सब बड़े होस्पिटल्ज में, एक एक नेल विशेषज्ञ, चाहे छोटे लैवल का हो, चाहे बड़े लैवल का हो, एप्वायंट कर दिया जाएगा । इसके इलावा, रोहतक मैडिकल कालेज में आंखो के लिए काफी अच्छा इन्तजाम है । अगर कोई समस्या होती है तो वह वहां पर हल हो जाती है । रोहतक मैडिकल कालेज वाले अपने कैम्प गांवों भी लगाते रहते हैं ।

श्री नेकी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका बड़ा शुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे सवाल पूछने का मौका दिया है । यह क्वैश्चन बड़ा वजनदार है. । (हंसी) स्पीकर साहब, मैं ऐसा सवाल पूछूंगा कि आप सब हंसेगे । क्या मन्त्री महोदया बतायेंगी कि अन्धापन दूर करने के क्या उपाय हैं? इससे पहले मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इस बीमारी के कारण क्या हैं? क्या बचपन सैं अन्धे होते हैं, गर्भ में अन्धे होते हैं, गर्भ से बाहर आने के बाद अन्धे होते हैं या बड़ा होने के बाद अन्धे होते हैं? यह बीमारी क्या है? (व्यवधान) स्पीकर साहब, मनुष्य के शरीर में 10 इन्द्रियां हैं, 5 कामेन्द्रिया हैं और 5 ज्ञानेन्द्रियां हैं । यह जो 5 ज्ञानेन्द्रिया हैं इन में एक चक्षू है । (हंसी) स्पीकर साहब, मुझे बड़ी खुशी है कि. मेरे सब अजीज दोस्त बड़े खुश हैं । मुझे खुशी– दोस्तों की तरफ से भी हे और चेयर– की तरफ से भी है । इन पांच ज्ञानेन्द्रियों में से चक्षु प्रधान है रू क्योंकि चक्षु मनुष्य को चलते फिरने में सबसे ज्यादा 60 प्रतिशत सहायता करता है । अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदया से जानना चाहता हूं कि अगर सारी ज्ञानेन्द्रियां 100 प्रतिशत का काम करती हों तो 9 इन्द्रियां तो 40 प्रतिशत कार्य करती है और अकेला चक्षु कितने नम्बर का काम करेगा?

10.00 बजे

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, इस बारें में चू कि आपको हैल्थ मिनिस्टर से भी ज्ञान ज्यादा है, इसलिए इस कवैश्चन के जवाब की जरूरत नहीं पड़ेगी ।

श्री नेकी रामः वैसे तो हें आपके हुक्म का पाबन्द हूं लेकिन अगर मत्री महोदया इस अंधेपन के कारणों के बारे में बता दें तो ठीक रहेगा ।

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, जैसा मैंने अभी निवेदन किया था, कि सरकार और दूसरे प्रदेशों के बारे में तो मैं जानती नही परन्तु हरियाणा सरकार के स्वास्थय विभाग ने अपने लैवल पर पिछले साल, सारे प्रदेश के स्कूलों के कितने भी बच्चे थे उनका मैडिकल चौक अप करवाया था इस बात को ध्यान में रखते हुए कि बहुत सी बीमारियां ऐसी होती है जो बच्चों को बचपन में ही लग जाती है । (विघ्न) बहुत से बच्चे ऐसे पाए गए जिन्हे चश्मे लगाने पड़े और '' कुछेक केसिज में तो आपरेशन की नौबत भी आई । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह १ बात ठीक है कि कुछ बीमारियां मां के गर्भ में भी बच्चे को लग जाती हैं । इसी बात को ध्यान में रखते हुए आजकल गर्भवती माताओं को कई दवाईवां और । टैटनैस आदि के इंजेशक्न दिए जाते हैं । कई बीमारियां वच्चों को पैदा होने के बाद लगती हैं । उसके लिए भी उपयुक्त दवाइयां दी जाती हैं । आज के युग में इस ' बात की कोशिश है कि किसी को बीमारी की वजह से मरने न दिया जाए और न ही किसी की आंख खराब होने दी जाए ।

श्री नेकी राम : स्पीकर साहब, आपका ओहदा हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट के जज से भी बड़ा है । मेरी आपसे प्रार्थना है कि मेरे सवाल का सही जवाब दिलवाया जाए ।

श्री अध्यक्ष : इसका जवाब आ गया है ।

श्रीमती प्रसन्नी देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं इनके सवाल का जबाब दे देती हूं आंखें कई कारणों से खराब होती है । ये बचपन में भी खराब होती है और बाद में भी खराब हो जाती हैं । कई बार आंखें विटामिन की कमी की वजह से खराब होती है । कई बार कुकरे होने से खराब होती है । अगर मा बच्चे की आंख साफ न रख सके तो भी आंखें खराब हो जाती है । हमारे गांवों में अन– पढ़ता ज्यादा है । माताओं को यह पती नहीं होता कि बच्चों की आंखें कैसे साफ रखी जाएं । सारांश यह है कि कई बातें हैं जिनकी वजह से आंखें खराब हो जाती हे ।

श्री ए ० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, मैंने अर्ज किया था कि 'एयर पोल्यूशन' की वजह से खासकर इंडस्ट्रियल एरियाज में, आंखों पर काफी असर पड़ता है । कौमन– वैल्थ कंटरीज की 'प्रिवैन्शन औफ बलाइन्डनैस' पर सोसाइटी बनी हुई है । उसके माध्यम से मैंने अपने लैवल पर फरीदाबाद एरिया में जिसमें बहलभगढ, मेवला–महराजपुर और फरीदाबाद कांस्टिचुएंसीज आती हैं, चौक अप करवाया था और वहां 30 परसैंट ब्लाइन्डनैस मिती । यह बड़ी अलारामग फिगर है । इस ब्लाइन्डनैस को रोकने के लिए 11 लाख के करीब तो वह सोसाइटी दे सकती है और बाकी का पैसा हमारे सी०एम० साहब जो काफी लिबरल हैं, दे देंगे अगर मांग सही तरीके से रखी जाए । स्पीकर साहब, अगर तीस परसैट कलाइन्डनैस की डिटैक्शन हो और उसकी रोकथाम' के लिए कोई काम इसलिए न किया जाए कि हमाररे पास पैसा नहीं है वह

कोई अच्छी बात नहीं है । स्पीकर साहब, वहां एक दानी 'न्यूकम पलास्टिक' फैक्टरी है जिसने एक लाख रुपया इस मिशन को दिया है । मैं मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि अगर इनके पास अभी इस काम के लिए कोई प्रोजैक्ट नहीं है तो क्या वौलैन्टरी आर्गेनाइजेशन्ज को लिबरल फंड्ज देकर इस काम को करने में उन्हें सहयोग दिया जाएगा?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, फरीदाबाद में दो बहुत बड़े हस्पताल हैं । एक ई० एस ० आई ० हस्पताल है और दूसरा जनरल हस्पताल है । दोनों हस्पतालों में सब प्रकार के डाक्टर्ज हैं । फिर भी माननीय सदस्य ने जिस बात की तरफ सरकार का ध्यान दिलाया है उसे हम ऐग्जामिन करवा लेगे । जहां तक अंनुदान देने वाली बात का सम्बन्ध है, जो भी संस्था डिप्टी कमिश्नर की इजाजत लेकर कैम्प लगाती है उसे 60 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से अनुदान की शक्ल में मदद दी जाती है । (विघ्न)

श्री ए सी. चौधरी : वह तो आपरेशन के लिए दिए जाते है ।

श्रीमती प्रसन्नी देवी : आपरेशन उसी का करते हैं जिसको जरूरत हो । सनका आपरेशन नहीं होता । बहस सारे व्यक्ति दवाइयों से ही ठीक हो जाते हैं।

सेठ राम दास धमीजाः अध्यक्ष महोदय, अन्धापन तीन किस्म का होता है । एक तो पैदायशी अन्धापन होता है । दूसरा अन्धापन वह होता है जो जन्म लेने के बाद किसी समय भी हो जाता है । तीसरे

अन्धेपन का नाम अन्ध–रात है । इसमें मनुष्य को दिन में दिखाई देता है लेकिन रात को दिखाई नहीं देता । पहले अन्धेपन का तो कोई इलाज नहीं है लेकिन दूसरे का सस्ता और बढ़िया इलाज आयुर्वेदिक में है । उससे आदमी बिल्कूल ठीक हो सकता है । अन्धरात की बीमारी ज्यादातर पूर्वी देश में होती है और यह विटामिन की कमी की वजह से होती है । क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि इन तीनों की हरियाणा में अलग–अलग क्या परसैटेज है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, हमारे मैडिकल कालेज में आंखों का एक बहुत बडा विंग है । इसके अलावा हमारे यहां मोबाइल यूनिट्स भी है जो गांव में जाकर के 10– 15 दिन के लिए कैम्प लगाते है । माननीय सदस्य इस सम्बन्ध में अगर कोई और अच्छा सुझाव देगे तो उसको भी हम मानेगे ।

श्री इन्द्र सिंह नैन : स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने अभी बताया कि आंखों से अंधे के लिए तौ सरकार ने इलाज का काफी प्रावधान किया है । क्या वे बताएंगी कि अक्ल से अंधे के लिए भी कोई प्रावधान है या नही?

श्री अध्यक्ष : यह कोई सवाल नही है ।

डा ० ओम प्रकाश शर्मा : स्पीकर साहब, चूकि मरा भी इस लाईन से ताल्लुक है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि अंधेपन के कुछ कौजिज ऐसे भी हैं जिनका खाली डाक्टर के जाने और सर्वे करने से पता नही चल सकता । कोई दीप सीडिड बीमारी भी हो सकती है जैसे

कई बार औपटिकल नर्व सूखना शुरू हो जाती है । कई बार अन्धापन इनहैरिटैन्स से होता है । ऐसे अन्धेपन का इलाज नहीं होता । (विघ्न) इस बात का पता लगाने के लिए कि कौन लोग अन्धे हो सकते हैं, सारी स्टेट का एक जनरल सर्वे करवाया जाना चाहिए । यह काम 6 महीने के बाद किसी मोबाइल टीम के जाने से नहीं होगा । स्पीकर साहब, इस काम के लिए जो राशि दी जा रही है वह भी बहुत कम है । जितनी राशि सैन्ट्रल गवर्नमैंट देती है उतनी ही राशि हमारी स्टेट गवर्नमैंट को देनी चाहिए । (विघ्न)

श्रीमती प्रसन्नी देवी: स्पीकर सहिब, इसमें राशि की कोई बात नही है । राशि तो जितनी जरुरत पड़े सरकार दे देती है । इसके अलावा अर्ज यह है कि जो मैडिकल कैम्प लगाए जाते हैं उनमें सभी बीमरियों का चौक अप हो जाता है । उसमें आंख भी आ जाती । है । स्कूल के बच्चों की आबादी सारी आबादी का वन फोर्थ या वन फिफथ बन जाती है । उन सबको हमने चौक अप करवाया है । वैसे भी कई टीम्ज सर्वे' करने के लिए लगी रहती हैं लेकिन आप जानते हैं कि वे एक–एक आदमी के पास एक दिन में नही जा सकते । इसमें कुछ समय लगता है । मैं माननीय सदस्यों को यह बता देना चाहती हूं कि जैसे ही कोई बीमारी हमारे नोटिस में आती है उसका हम इलाज करने की कोशिश करते हैं ।

डा ० ओम प्रकाश शर्मा : क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि हमारे प्रदेश के अन्दर ट्राइकोमा की क्या परसैटेज है? (विघ्न)

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, ये आंकड़े इस समय मेरे पास नहीं है क्योंकि सवाल में यह बात नहीं पूछी गई थी । लेकिन मैं माननीय सदस्यों को बता देना चाहती हूं कि चूकि यह जन हित की बात है इसलिए सरकार इसकी तरफ और ज्यादा ध्यान देगी ।

डा ० ओम प्रकाश शर्मा : स्पीकर साहब, 90 परसैन्ट लोगों की आंखों में ट्राइकोमा । है और वे इस बीमारी से सफर कर रहे हैं । उनका इलाज करने के बारे में सरकार ने क्या । कदम उठाये हैं ?

श्री अध्यक्ष : इसका जवाब आ गया है ।

चौधरी कुन्दन लाल : स्पीकर साहब, मेरे हल्के सफीदों में 30 बैड्ज का हास्पिटल बननें जा रहा है । क्या सरकार वहां आंखों का डाक्टर देगी?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : जरूर देंगे ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब परमात्मा की बड़ी कृपा है कि हमारे यहां हरियाणा असैम्बली में वकील, डाक्टर, हकीम और चौधरी भजन लाल जी जैसे उच्चकोटि के बिशन भी है । जैसा कि मंत्री महोदया ने बताया कि आई स्पैशलिस्ट्स की कमी है क्या मन्त्री महोदया डाक्टर ओम प्रकाश और सेठ राम दास धमीजा को सारे हरियाणा में भेजेंगे ताकि वे जगह–जगह घूम कर लोगों का इलाज कर सकें क्योंकि विधान सभा का सैशन तो छः महीने के बाद लगता है ओर बाकी दिनों में तो ये फारिग रहते हैं । (हंसी)

मास्टर शिव प्रशाद : जैसा कि अभी मंत्री महोदया ने बताया कि स्कूल के बच्चों का आंखों का मुयाना किया गया । मैं मंडी महोदया से जानना चाहता हूं कि गांवों के बच्चों की कितनी परसैन्टेज है और शहर के बच्चो की कितनी परसैन्टेज है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब इस सवाल में यह बात पूछी नही गई थी अगर माननीय सदस्य अलग से पूछेगे तो जवाब दे दिया जायेगा । फिर भी इन्हें. बताना चाहूंगी कि जहां–जहां भी बच्चों में आंखों की बीमारी मिली है वहीं पर हमने इलाज किया है । अब मुझे तादाद तो पता नहीं लेकिन चार सौ, पांच सौ गा दौ सौ जो भी बच्चे इस बीमारी के मिले हैं उनका इलाज किया है । दूसरे हमने बच्चों को चश्मे भी लगाये हैं और अगर वे किसी और किस्म की बीमारी से म्उबतला थे तो उनका भी इलाज किया है ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, पहले गांवों में हवे की कालश उतरि कर बच्चों की आंखों में डालते थे जिससे उनकी आंखें ठीक रहती थीं । यह सभी लोगों का तजुर्बा है । यह बड़ी अच्छी होती है और यह भी विश्वास किया जाता था कि उससे कभी आंखे खराब नही होती और आंख की बिनाई बनी रहती है । क्या बहन जी इस तवे की कालश को हास्पिटल्ज में रखवायेगीं?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : जिस समय चिकित्सा के पूरे साधन नही होते थे उस समय ऐसा किया जाता होगा और हो सक्ता है कि वह किसी–किसी को फिट बैठ जाती हो और किसी को नही लेकिन

आजकल तो बहुत ही आधुनिक तरीके खोज निकाले है इसलिए इस स्याही की कोई आवश्यकता नही है ।

चौधरी फूल चन्द : स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने सवाल के ''ख'' भाग के जवाब में कहा है कि ''जी नही'' लेकिन सवाल यह पूछा गया था कि क्या राज्य में सभी ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नेव विशेषज्ञों को नियुक्त करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है? मंत्री महोदया ने अभी जवाब में यह भी माना था कि यह आंखों की बीमारी कितनी खतरनाक है । हरियाणा की 80 परसैन्ट जनता गांव में रहती है और वहां पर डिस्पैसरिज में अमैनिटिज की कमी है, न वहां पर एक्सरे प्लान्टस है और न ही दूसरी खतरनाक बीमारियों के लिए कोई इलाज का प्रबन्ध है । इसलिए मैं मिनिस्टर महोदया से जानना चाहूंगा कि क्या देहात की डिस्पैसंरिज में औई स्पैशलिस्टस लगायेंगी?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, एम. बी बी. एस डाक्टर्ज को आंखों. की बीमारी का भी नालेज होता है । सहायक नेत्र विशेषज्ञ पी एच. सीज में भी लगाने का मामला विचाराधीन है । इस साल सभी प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्ज में स्पैशलिस्ट गांवों में जाते रहे हैं । वैसे तो प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्ज में तीन डा क्टर होते है लेकिन स्पैशलिस्टस भी जाते रहे है । वहां अब इस प्रकार की कोई ऐसी समस्या नही है ।

श्री अमर सिंह : क्या मंत्री महौदय ने काले मोतिया और सफेद मातिया के बारे में सर्वे करवाया है कि सफेद मोतिया और काले

मोतिया से कितने परसैन्ट लोगों की आंखें खराब हुई है क्योंकि मोतिया उतर आने से काफी लोगो की आंख खराब हो जाती है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : इस समय मेरे पास इस बारे में अलग से आंकड़े नही है । अगर माननीय सदस्य इस बारे में अलग से सवाल पूछें तो जवाब दे दिया जायेगा ।

चौधरी हुकम सिंह फोगट : मंत्री महोदया ने जवाब में बताया है कि आई स्पैशलिस्टस बड़े–बड़े शहरों के हास्पिटल्ज में हैं । मैं मन्ती महोदया के नोटिस में यह लाना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ़, दादरी और झज्जर जैसे शहरों के हास्पिटल्ज में कोई आई स्पैशलिस्टस नही है क्या वहां पर भी इन्हें भिजवायेगी?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : हम पचास बिस्तरों वाले हास्पिटल को बडा मान लेते हैं । छोटे हस्पताल में स्टाफ कम होता है इसी लए वहां पर हर किस्म का विशेषज्ञ नही दिया जा सकता लेकिन ध्यान सभी किस्म के डाक्टरों का रखा जाता है ।

मास्टर शिव प्रशादः मंत्री महोदया ने बताया है कि प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्ज में तीन डाक्टर्ज होते हैं । क्या वहां तीन को बजाए चार डाक्टर लगाने के बारे में विचार करेंगी और उनमें एक आई स्पैशलिस्ट भी हो?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : जो वहां पर क्लास वन डाक्टर होता है वह आंखों के बारे में भी जानता है । हम वहां पर सहायक नेत्र विशेषज्ञ की पोस्ट भी प्रदान करने जा रहे है ।

Insurance of Haryana Roadways Passengers

***714. Chaudhri Kundan Lal :** Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide insurance covers to the passengers travelling in Horyana Roadways buses against accidents ?

Transport Minister (Col. Rao Ram Singh) : No, Sir.

चौधरी कुन्दन लाल : स्पीकर साहब, मेरे हल्के का एक गरीब आदमी जिसका कोई भी सहारा नहीं है, बस दुर्घटना की वजह से मारा गया । क्या डिपार्टमैंट उस आदमी के परिवार को कुछ पैसा देगा?

कर्नल रावराम सिंहः जहां तक इन्शोरैन्स स्कीम का सवाल है हरियाणा गवर्नमैंट ने हरियाणा पैसेन्जर इन्शोरैन्स स्कीम एर विचार किया था और गवर्नमैंट ने सहमति दे दी थी लेकिन उसके लिए जो फन्डज चाहिए थे उनका इन्तजाम नहीं हो सका । यह स्कीम हिमाचल प्रदेश पेसैन्जर इन्शोरेन्स स्कीम के अनुसार बनाई गई थी । हिमाचल गवर्नमैंट ने बस फेअर पर सरचार्ज लगा कर फन्डज इकट्ठे किये थे । हिमाचल प्रदेश में पैसेन्जर टैक्स 18 परसैन्ट है । हमने भी इसको एग्जामिन किया था लेकिन हमारे यहां पैसेन्जर टैक्स आलरेड्डी 60 परसैन्ट है । पैसेन्जर टैक्स एक्ट के मुताबिक 60 परसैन्ट से ज्यादा टैक्स हम नहीं लगा सकते (शोर) हरियाणा रोडवेज सारे हिन्दुस्तान में अव्वल दर्जे की है । (तालियां) स्पीकर साहब, बस फेअर के कम्पोनेन्ट से ही इस स्कीम को चला सकते हैं लेकिन ऊंची कीमतों की वजह से

तथा एडीशनल डी.ए. की इन्स्टालमेंट्स आदि बढ़ने की वजह से इस बात पर विचार नहीं हो सका ।

स्पीकर साहब, जहां तक श्री कुन्दन लाल जी के सवाल का सम्बन्ध है, गवर्नमैंट आफ इंडिया ने एक सोलेशियम फन्ड क्रिएट किया है । उसके तहत कोई ''पैडेस्ट्रीयन, यानि कि चलता फिरता आदमी या कोई साइकलिस्ट मारा जाये और मार कर ब्हक्ति ड्राइवर भाग जाये, तो .उसके वारिसों को 5,000 रुपया मिलेगा । यह पैसा केवल उन्हीं केसिज में मिलेगा बन केसिज में ''हिट एन्ड रन'' हो और यह पता ही न चले कि कौन सी गाड़ी आदमी को मार कर भाग गई हए । जहां तक दूसरे मुसाफिरों का सवाल है या केसिज का सम्बन्ध है जहां पर यह पता चल जाये कि गाड़ी कौन सी मार गयी है (तसके लिये अगर उसके वारिस मोटर एक्सीडैंट्स क्लेम ट्रिब्यूनल के सामने क्लेम फाइल करे तो 15,000 रुपया तो इम्मीजीयेटली क्लेम फाईल करते ही मिलें जायेगा बाकी का पैसा उस केन वो फैसले पर मिल जायेगा । अगर रोडवेज की बस से कोई आदमी मरा है तो वे क्लेम फाईल करें, उनको क्लेम फाईल करते ही 15,000 रुपया मिल जायेगा और जब फैसला होगा तो ट्रिब्यूनल जितना भी पैसा डिसाईड करेगा, 15,000 उसमें से एडजस्ट होकर बाकी का मित्र जायेगा ।

श्री ए०सी० चौधरी : स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने यह बताया है कि हालांकि गवर्नमैंट की प्रोपाजल थी कि मुसाफिरों की इन्शौयरैस की जाये लेकिन फाइनै– शीयल लिमिटेशन्ज की वजह से वे उसको इम्पलीमैंट नहीं कर सकते । जैसे हवाई जहाज में सफर करने

वाले लोग इंशोयरंन्स करवा कर बैठते हैं, मैं सरकार से यह पूछना चाहता हुं कि क्या सरकार कोई पैसेन्जर्ज इंशोयरैन्स के नाम से टैक्स लगाकर उस स्कीम को इम्पलीमैंट करने की कोशिश करेगी?

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, इसका जवाब तो पहरने ही आ चुका है ।

श्री ए० सी० चौधरी : मैं यह कहता हूं कि अगर पब्लिक ही पे करे तब तो यह स्कीम लागु कर देनी चाहिये ।

कर्नल राव राम सिंह : स्पीकर साहब, जहां तक एयर ट्रैवल से पहले इन्शोयरैन्स करवाने का सम्बन्ध है, उसके बारे में कानून बना हुआ है कि कोई भी मुसाफिर सफर करने से पहले एक लाख दो लाख या 20–30 हजार जितने का भी इन्शोयरैन्स करवाना चाहे, करवा सकता है । उसमें एयर लाईन्ज का कोई ताल्लुक नहीं है सीमीलरली, हरियाणा रोडवेज का भी इस बात से कोई ताल्लुक नही है अगर कोई, मुसाफिर सफर करने से पहले इन्शोयरैन्स करवाकर बैठता है तो वह करवा सकता है । जहां तक टिकट के रेट्स बढ़ाने का सवाल है, मैं पहले ही बता चुका हूं कि हमारा टैक्स कम्पोनैन्ट इतना ज्यादा है कि उसको और बढ़ाना नामुमकिन है । जहां तक फेअर कम्पोनैन्ट को बढ़ाने का सवाल है, अभी हाल ही में हमने 13 प्रतिशत किराया बढाया है जिसकी वजह से हमारा किराया 10 पैसे प्रति किलोमीटर है । इस वक्त किराया बहाना सरकार उचित नहीं समझती ।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, आनरेबल मंत्री महोदय ने यह फरमाया है कि मोटर एक्सीडेट्स क्लेम ट्रिब्यूनल के सामने क्लेम फाईल करते ही 15,00० रुपया मिल जाता है । मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि पहली सितम्बर, 1988 को फील्ड़ डियूटी पर एक नायब तहसीलदार शैलेन्द्र राजय की बस से सफर करते हुए डैथ हो गयी थी, उसके गरीब वारिसों ने क्लेम भी फाईल किया हुआ है लेकिन उसको अभी तक 15,000 रुपये भी नहीं मिले हे । वह इसलिये नहीं मिले हैं क्योंकि ट्रांस्पोर्ट डिपार्टमेंट की तरफ से अभी तक कोई पेश नही हुआ है । क्या वे ऐसे केसिज को स्पीड–अप कराने के लिए तैयार हैं और महकमे को हिदायत देंगे कि ऐसे केसिज में जल्दी पैसे दिलावें ।

श्री अध्यक्ष : आप खुद एडवोकेट हैं । जो कोर्टस का प्रोसैस है, उसमें कुछ न कुछ तो टाईम लगता ही है । हो सकता है समन देरी से गये हों, या उनकी तामील न हुई हो । इस बारे में आप ही बतायें कि मिनिस्टर साहब क्या जवाब दे सकते हैं ।

श्री अमर सिंह : सर समनज की तामील हो चुकी है ।

कर्नल राव राम सिंह : मैं तो वकील नहीं हूं । लेकिन मैं यह महसूस करता हूं कि जैसे दूसरे केसिज में एक्स–पार्टी डिसीजन हो सकता है, ऐसे केसिज में भी अगर कोई पेश नहीं होता तो मोटर एक्सीडैंट्स क्लेम ट्रिब्यूनल एक्स–पार्टी डिसीजन दे सकता है । अगर विभाग के किसी आदमी की हाजरी से उसको कुछ मिल सकता है तो इं वह हाजरी भी' इन्शोयर करवा दू गा ।

सेठ राम दास धमीजा : स्पीकर साहब, मैं भी मंत्री महोदय से एक बात पूछना चाहता हूं । अम्बाला कैट में एक गांव है मच्छौंदा, वहां पर एक आदमी दो बसों की दौड़ से होने वाली टक्कर में मारा गया था । उसके परिवार को आज तक कुछ नहीं मिला है हालांकि इस एक्सीडैट को हुए भी 6 महीने के करीब हो गए हैं । क्या इस मामले से कुछ करने के बारे में विचार करेंगे?

श्री अध्यक्षः धमीजा साहब, इंडीवीजुअल केसिज का यहां पर सवाल पूछने का कोई प्रोसीजर नहीं है । आप मिनिस्टर साहब से इसके लिए खुद मिल सकते हो ।

सेठ राम दास धमीजाः मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या कोई नयी बसें लेने या कोई नया बस–डिपो खोलने का विचार है?

कर्नल राव राम सिंह : धमीजा साहब, यह तो इन्शोयरैन्स का सवाल है, डिपो का तो इससे कोई सम्बन्ध ही नहीं है । अगर आप मुझे अलग से मिल लेंगे तो मैं डिपोज के बारे में पूरी जानकारी दे दूंगा ।

मास्टर शिव प्रशाद : स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने यह बताया है कि 15,000 रुपया क्लेम फाईल करते ही मिल जाता है । मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहुंगा हूं कि अगर ट्रिव्यूनल फैसला किसी आदमी के हक में न दे, तो क्या बह 15,000 रुपया उससे वापिस ले लिया जाता है?

कर्नल राव राम सिंह : यह बात तो गवर्नमैंट आफ इंडिया ने एक्सैप्ट कर ली है कि गलती चाहे किसी की भी हो, चाहे जो आदमी मरा है उसकी भी गलती क्यों न हो, गाड़ी के मालिक को 15, 000 रुपया तो पहले देना ही पड़ेगा ।

श्री नेकी राम : स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह बताया है कि अगर किसी की मोटर एक्सीडैट में मौत हो जाती है तो उसके वारिंसों को 15,000 रुपया क्लेम फाईल करते ही मिल जाएगा । कई केसिज ऐसे होते हैं जिनमें व्हीकल का पता ही नहीं चलता कि कौन मार कर भाग गया है और उनके वारिसों के पास पैसा ही न हो वकील करने का और केस की पैरवी करने का । तो क्या उन हालात में भी सरकार मदद करती है?

श्री अध्यक्ष : उसका भी जवाब आ गया हूं ।

कर्नल राव राम सिंह : स्पीकर साहब, मैं इस बात को थोडा सा क्लैरीफाई कर दूं । अगर कोई ऐसा केस इनके नोटिस में हो तो ये मुख्य मन्त्री जी के नोटिस में लायें । मुख्य मन्त्री जी उस को अपनी डिस क्रिशनरी ग्रान्ट में से 5,000 रुपया तक देने की अनाउन्समैंट कर सकते हैं ।

श्री अमीर चन्द मक्कड : स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि यह 15,000 रुपया क्लेम फाईल करते ही देने की योजना कब से लागू हुई है और क्या इसका लाभ उन लोगों को भी मिलेगा जिनके केसिज पुराने हैं?

कर्नल राब राम सिंह : स्पीकर साहब, मोटर व्हीकल्ज एक्ट, 1939 की सैक्शन 109 (सी) में अमैंडमैंट की गयी हए और उसमें 92 (ए) एक सैक्शन एड हुआ है–– vide which the owner of the Motor Vehicle is liable to pay immediately the compensation of Rs, 15,000/- in case of death and Rs. 7,500/- in case of permanent disablement without determining the liability of fault. यह अमैंडमैंट पिछले साल ही की गयी है । अमैंडमैंट की एग्जैक्ट तारीख मुझे याद नही मेरा ख्याल है कि मोटर एर्क्साडैट्स क्लेम ट्रिब्यूनल इस बात का फैसला करेगा कि इसका फायदा पहले वाले केसिज को भी मिल सकता है या नहीं ।

Mr. Speaker : Hon- Members. Question hour is over.

शोक प्रस्ताव

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब मैं आपकी इजाजत से एक शोक प्रस्ताव रखना चाहता हूं ।

अध्यक्ष महोदय, यह सदन श्री हरबन्स सिंह मनचन्दा, प्रधान दिल्ली गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी, तथा उप–प्रधान अकाली दल मास्टर तारा सिंह ग्रुप की निर्मम हत्या तथा दुखःद निधन पर गहरा शोकु प्रकट करता है । श्री मनचन्दा ने अपना जीवन गुरुद्वारों के सुधार एवं सेवा, तथा गुरु –भक्तिं में लगाया । बड़े अफसोस की बात है कि ऐसा धार्मिक व्यक्ति हिंसा की राजनीति का शिकार बना । यह सदन इस तरह की शर्मनाक हिंसा की घोर निन्दा करता है तथा श्री मनचन्दा के शोकग्रस्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौद) : स्पीकर साहब, लीडर आफ दि हाउस ने जो शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है मैं उसका समर्थन करता हूं । बड़े दुख की बात है किं हमारे देश में ऐसा वातावरण पैदा होता जा रहा है कि किसी भी आदमी की रजाईफ सिक्योर नहीं रह गई है । कोई भी आदमी नही सोच सकता कि वह अपने घर से निकल कर अपनी मन्जिल तक पहुंच भी पाएगा या नही पाएगा । निर्दोष लोगों की हत्या की जा रही है । श्री मनचंदा जी की बडी दर्दनाक मौत हुई है । वे किसी फंक्शन को अटैन्ड करके कहीं जा रहे थे और चौराहे पर लाल वली हुई और उन्हें कार मजबूरन रोकनी पड़ी सभी दो आदमियों ने अचानक उन पर गोलियों की बौछार कर दी । उनके साथ जो दूसरे लोग कार में बैठे छुए थे वे भी सीरियसली 'इंजर्ड' हुए हैं । स्पीकर साहब वायलैसं का जो यह एटमौसफियर दिन प्रतिदिन इस देश में बढ़ता जा रहा है यह बहुत ही निन्दनीय है और हम सभी लोगों को, सभी वर्ग के लोगों को और सभी राजनैतिक पार्टियों को मिल–बैठकर सोचना पड़ेगा किं किस प्रकार इस वृत्ति को दूर किया जाए और जो लोग शांति से रहना चाहते हैं उन्हें ये मुटठी भर लोग शातिं से नही रहने दे रहे हैं, उनक। कैसे प्रबन्ध किया जाए । स्पीकर साहब, मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से, श्री मनचंदा के लि. जो शोक प्रस्ताव आया है, श्रद्धान्जलि अर्पित करता हू ।

मास्टर शिव प्रशाद (अम्बाला शहर) : अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता ने श्री मनचन्दा के जिस प्रकार से इस संसार से उठ जाने पर जो लोक, प्रस्ताव पेश किया है मैं उसेका समर्थन करने के लिए

खडा हुआ हू । यी बात ठीक है कि जो इन्सान इस संसार में आता है वह एक दिन जाता जरूर है । अपनी आयु पूरी करेंने के पश्चात् कोई अगर चला जाए तो इतने दुख की बात नहीं होती । लेकिन इस प्रकार की घटना हे–। जाने से, जो उसके परिवार के ऊपर अचानक ही दुख का पहाड़ टूट जाता है, उसका अन्दाजा नहीं लगाया जा सकता और उस दुख को सहन करने की शक्ति उस परिवार में नही रहती है । स्पीकर साहब बहु देश वह है जहां भगवान राम हुए, जहां गुरू नानकदेव हुए और दूसरे संत हुए और जिनका कोई सिद्धात था और जिन्होनें अपने जीवन में यह प्रचार किया कि स्वयं जीयो और दूसरों कों भी जीने दो । लेकिन जिस प्रकार का वायु मण्डल इस देश में अब पैदा हो रहा हए उसको देखकर बड़ा दुख होता है । अध्यक्ष महोदय, जहां भगवान से हम यह प्रार्थना करें कि श्री मनचन्दा के इस संसार को छोड़ जाने से उनके परिवार को जो दुख सहन करना पड़ा है, भगवान इस दुख कौ सहन करंने की शक्ति उस परिवार को दे वहां साथ ही मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार भी इस प्रकार के वातावरण को गम्भीरता सें ले और इस बात पर विचार करे कि जौ घटनाएं हमारे बराबर के प्रदेश में हो रही है वे अब हमारे देश की राजधानी में पहुंच गई हैं और अगर इसी तरह से देश के दूसरे हिस्सों में ये घटनाएं घटने लगी तो देश का वातावरण बड़ा भय–कर हो जाएगा । हमें भगवान से प्रार्थना करनी चाहिए कि वह लोगों को सद्बुद्धि दे । मैं अपनी ओर से ओर अपनी पार्टी की ओर से इस शोक में शामिल होता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह श्री मनचन्दा के परिवार को हुस महान दुख को सहन करने की शक्ति दे ।

डा ० औम प्रकाश शर्मा (जगाधरी) : स्पीकर साहब, सदन में मुख्य मन्त्री जी की तरफ से श्री मनचन्दा की नागाहानी मौत पर जो रैजोल्यूशन. आया है मैं उसके समर्थन में बोलने कें लिए खड़ा हुआ हूं । स्पीकर साहब, बड़ी बदकिस्मती है कि 1947 में हम लोग आजाद हुए और जब आजाद हुए उस वक्त भी फिरकापरस्ती, कम्युनिजम ने अपना नंगा नाच दिखाया था । उस वक्त इंसानियत कांप उठी थी और आज फिर वैसे ही हालात पैदा होते जा रहे हैं । आज फिर कुछ फरकापरस्त पार्टियां, इतने महान देश में, कलर करोड़ जनता के इस देश में अपने प्रचार से और अपनी तालीम के द्वारा, कुछ ऐसे हालात पैदा कर रही है जिससे कि जहां नफरत को बढ़ावा मिल रहा है उसके साथ ही साथ जुदाई को भी बढ़ावा मिल रहा है । स्पीकर साहब, अगर यही हालात चलते रहे तो हमें डर है कि कहीं यह देश बिखर न जाए । मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि इनफिरकापरस्त पार्टियों की तलाश की जाए और यह देखा जाए कि इनकी रूटस कहां हैं । स्पीकर साहब, हमें उन रूट्स को जो देश में इस प्रकार का वातावरण फैला रही हैं, काट देना चाहिए । अध्यक्ष महोदय, अगर हमने इन फिरकापरस्त लोगों को इस तरह से खुला छोड़ दिया और इनके खिलाफ कोई एक्शन नही लिया तो देश बिखर जाएगा । मैं यह मानता हूं कि यह बड़ा सैन्सेटिव इशु है । यह कोई मामूली बात नहीं है । बड़ा गम्भीर मसला है और इसका हल भी बहुत गहराई से निकाला जाना चाहिए इसका ऐसा सोलूशन निकालना चाहिए, कि यह जो नफरत फैल रही है, इंसान का इंसान दुश्मन हो रहा है भाई का भाई दुश्मन हो रहा है, खून अपना रंग । वइल रहा है, जिससे पहले बाला सद्भाव का वातावरण फिर से

हमारे देश में पैदा हो जाए । हमें सोचना होगा कि इस नफरत के वातावरण को कैसे खत्म करें । आज जो एक भाई दूसरे भाई का दुश्मन हो रहा है इस वातावरण को कैसे खत्म करें यह हमें सोचना पडेगा ।

मैं मुख्य मन्त्री जी से एक बार फिर प्रार्थना करूंगा कि जो बच्चे हैं जिनके दिमाग अभी मैच्योर नहीं हुए हैं उन बच्चों के दिमाग के अन्दर नफरत का जहर फैलाया जा रहा है, लिहाजा हमें अपनी ऐजूकेशन की जितनी भी संस्थाएं हैं चाहे वे सरकारी हैं, चाहे गैर सरकारी हैं उन पर कड़ी नजर रखनी होगी और यह देखना होगा कि किस जगह पर फिरकापरस्ती की जड़ें पनप रही हैं और वहां से उन जड़ों को उखाड़ फैकना होगा । चाहे हिन्दुओं के इंस्टीट्यूशज है, चाहे मुसलमानों के इंस्टीट्यूशज हैं और चाहे सिखों के इंस्टीट्यूशंज है और चाहे ईसाइयों के इंस्टीट्यूशंज हैं अगर किसी इंस्टीट्यूशन में फिरकापरस्ती की तालीम बच्चों को दी जोती है तो मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह उस जहरीली संस्था को उसी वक्त खत्म कर दे और इस जहर को आगे न बढ़ने दे नहीं तो यह हालात इतने खराब हो जाएंगे कि इनको सम्भालना मुश्किल हो जाएगा ।

आज सरकार को दोष दिया जाता है, श्रीमती इंदिरा गांधी को दोष दिया जाता है कि वह कोई एक्शन नहीं लेती । अध्यक्ष महोदय, इंदिरा गांधी कोई एसा एक्शन नहीं लेना चाहतीं जिससे कि तवाही का वातावरण पैदा हो–

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, अगर ये शोक प्रस्ताव पर ही बोलें तो ठीक रहेगा ।

डा ० ओम प्रकाश शर्मा : स्पीकर साहब, मैं मुख्य मस्ती जी के साथ सहमत हूं और श्री मनचंदा जी के परिवार को जो सदमा और तकलीफ पहुंची है मैं अपने आपको उसमें शामिल करता हूं और इसके साथ ही इस रेजोल्यूशन का समर्थन करता हूं ।

श्री प्यारा सिंह (पहेवा): आदरनीय अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय ने जो शोक प्रस्ताव, श्री मन्चन्दा को मृत्यु के सम्बन्ध में रखा हैं, मैं उनके साथ सहमित प्रकट करता हूं । मन्चन्दा साहब को मिलने का मुझे कई बार मौका मिला । वे एक नेक और धार्मिक प्रवृति के इन्सान थे । उन्होने अपना सारा जीवन गुरुद्वारों की सेवा और भक्ति में ही व्यतीत किया ' वे दिल्ली गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान तथा अकाली दल मास्टर तारा सिह ग्रुप के उप–प्रधान भी थे । इसके साथ साथ वें और भी कई संस्थाओं के चेयरमैन थे । उनका जीवन भक्ति, प्यार और धार्मिक विचारों से भरा हुआ था । कल जब मैंने रेडियों परे यह सुना कि कुछ हत्यारों ने उगेको गोली मार दी है और आज अखबारों में पढ़ा और रेडियों पर भी सुना कि उनकी मृत्यु भी हो गई है तो मुझे बड़ा ही सदमा पहुंचा । वे कितंने ही अच्छे और उच्च विचारों के आदमी थे । दिल्ली में रहते हुए वे सिक्खो की पूरी तरह से निगरानी करते थे और हमारी पूजनीय प्रधानमन्त्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी के कफी नजदीक थे और उनका भारत सरकार के साथ काफी तालमेल था । मेरी हार्दिक सहानुभूति उनकी दुखी फैमिली के साथ है

और मेरी आपसे गुजारिश है कि हमारी भावनाए उनकी फैमिली तक अवश्य पहुंचा देवें । धन्यावाद ।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, मैं इस हाउस के सेन्टीमैन्टस के साथ अपनी फीलिंगज को भी शामिल करता हूं । जहां तक श्री मनचन्दा जी का सम्बन्ध है, उनके साथ पिछले दो सालों से मेरे आपस में काफी तबादले ख्यालात होते रहें है और वे यह कहा करते थे कि आज जो कुछ भी हमारे भाई कर रहे हैं, गुरुओं ने हमें ऐसी बातें नहीं बतायी थीं आज वे भाई कहते हें कि हम गुरुओं के सिख हैं, लेकिन आज उनके बताये हुए रास्तों से उलटे जा रहे है । मन्चन्दा जी के बारे क्हा जाता है कि वे धार्मिक विचारों के आदमी थे और राष्ट्रीयता (नेशनलिजम) में विश्वास रखते थे और गुरुओं के बताये हुए रास्तों पर चलने वाले एक सज्जन पुरुष थे । जब हम उनके चेहरे की तरफ देखते थे तो वे हमें कहाँ करते थे कि हमें शर्म आ रही है कि आज यह सब कुछ कौन कर रहे हैं और फिर यी सब कुछ गुरुओ के चेले बनकर ही कर रहे हैं । मैं ऐसी और बातें यहां पर नहीं कहना चाहता क्योंकि मैं यहां एक महत्वपूर्ण स्थान पर बैठा हूं । इसलिये और ज्यादा न कहता हुआ मैं आपकी भावनाओं और फीलिंगज को श्री मनचन्दा जी की बीरीवड फैमिली तक पहुंचा दू गा । अब मैं सदन से दरखास्त करूंगा कि दो मिनट के लिये खड़े होकर मौन धारण करें ।

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, आज हिन्दी के पंजाब केसरी अखबार ने मुख्यमन्त्री महोदय का बखान छापा है कि मुख्ग मंत्री महोदय हिसार के कनकास्ट, हरियाणा टेनरीज, जीन्द और स्पिनिंग मिल, हांसी, इन तीन कंसर्नज को बेचने के लिये भारत सरकार से अनुमति मांग रहे है कि भारत सरकार इन तीनों कंसर्नज को बेचने की उन्हे अनुमति दे दे ताकि' वे इनकों बेच सकें । स्पीकर साहब, राह एक ऐसा मैटर है जोकि पालिसी डिसीजन से सम्बन्ध रखता है और आज जब कि यह हाउस सेशन में है औट मुख्यमन्त्री महोदय ने हाउस मैं अपना बयान न दे । सदन के मैम्बर्ज को कांफी– डैन्स मैं न लेकर, बाहर जो बयान दिया है, वह एक बड़ा ही सीरियस मैटर है, ब्रीचें आफ प्रिवी लब आफ दा हाउस बनता है, बल्कि जो मैम्बर्ज का हक है, उसका भी ब्रीच आफ प्रिवलिज बना है । इसलियो मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि आप सूओ मोटो इस पर एक्शन लें और इस मैटर को प्रिवलिज कमेटी को रैफर करे ।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, हें इसको कंसिडर करूंगा ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरा एक और काल अटैन्शन मोशन जोकि पैस्टसिंसाइड की डील के बारे में था, वह अमी तक पैडिंग हैं । उसके बारे' में भी बता दीजियेगा ।

कई अध्यक्ष : चौधरी साहब, मैं ने उस पर सरकार से 24 घण्टे के अन्दर–अन्दर कमैन्ट्स मांगे हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंहः तीसरी वात मैंने रूल्ज 57 के तहत आधे घण्टे की डिस्कशन की परमिशन मांगी है कि जो संज्य मैमोरियल पोलिटेकनिक, भिवानी का सवाल था, उस बारे में मुख्य मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में कहा कि मैं यह तो नहीं कह सत्ता कि वे 16 कमरे कहां बने हैं परन्तु बने अवश्य है, जहा पर वे हाथी पर चढ़कर ठाकुर बीर सिंह जी के साथ. पत्थर रखने के लिये गये थे, उस बारे में उसकी केट जानना चाहता हू ।

श्री अध्यक्ष : मुझे अभी मिला नहीं, मैं इसे कंसिडर करूंगा ।

प्रो ० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैंने दो तीन दिन पहले एक काल अटैन्शन मोशन का नोटिस दिया था कि हिसार की टैकसटाईल मिल में दो या ढाई हजार लेबर को काम नही दिया जा रहा है पर उस बारे मैं अभी मुझे कोई जवाब नही मिला है कि वह एडमिट हुआ है कि नहीं?

श्री अध्यक्ष : इस पर मैंने सरकार से कमैन्ट्स मंगवाये हैं ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, द्हरी बात मैं यह कहना चाहता हू कि सिवानी और मीरान में दो डाक्टर्ज से पुलिस ने बन्दूक की नोक पर सर्टीफिकेट बनवाएं हैं ।

श्री अध्यक्ष : इस पर भीं मैंने सरकार के कमैन्ट्स मंगवाये हैं ।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

जिला रोहतक के बेरी टाऊन में गन्दे पानी की सप्लाई सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष : साहेवान, मुझे चौधरी ओम प्रकार एम ०एल ०ए ० की ओर से एक काल अटैन्शन मोशन का नोटिस प्राप्त हुआ है जो जिला रोहतक के बेरी टाऊन में गन्दे पानी की सप्लाई के बारे में है । मैं उसे एडमिट करता हूं । श्री ओम प्रकाश जी अपना नोटिस पढ़ दें ।

(इस समय माननीय सदस्य चौधरी ओम प्रकाश सदन में उपस्थित नही थे ।)

Mr. Speaker : The hon. Member is not present in the House. The notice, therefore, stands lapsed.

कमेटीज की रिपोर्टस पेश करना

(1) पब्लिक अकाऊंट्स कमेटी की 21वी रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब पब्लिक अंकाऊट्स कमेटी के चेयरमैन, सेठ राम दास धमी जा, कमेटी की 21 वीं रिपोर्ट पेश करेगे ।

Seth Ram Dass Dhamija (Chairman, Committee on Public Accounts): Sir, I beg to present the. Twenty First Report of the Committee on Public Accounts for the year 1983-84 on the Report of the Comptroller & Auditor General of India for the year 1978-79 (Civil & Revenue rceceipts).

(2) एस्टीमेटस कमेटी की 16वी रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब ऐस्टीमेट्स कमेटी के चेयरमैन, श्री विजय बीर सिंह कमेटी की 16 वीं रिपोर्ट पेश करेगे ।

Rao Vijai Vir Singh (Chairman, Committee on Estimates) : Sir I beg to present the Sixteenth Report of the Committee on Estimates for the year 1983-84 in respect of Health Department, Haryana,

(3) पब्लिक अन्डरटीकंगज कमेटी की 12 वीं, 13 वीं, 14 वीं, 15 वीं तथा 16वीं रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब श्री सागर राम गुप्ता, चेयरमैन, पब्लिक अन्डरटेकिंग्ज कमेटी की 12वी, 13 वीं, 14 वीं, 15 वीं और 16 वीं रिपोर्ट पेश करेंगे ।

Shri Sagar Ram Gupta (Chairman, Committee on Public Undertakings): Sir, I beg to present the Twelfth, Thirteenth, Fourteenth Fifteenth & Sixteenth Reports of the Committtee on Public Undertakings for the year 1983-84, on the

(i) General Working of Haryana Television Limited, Faridabad;

(ii) General Working of Haryana Concast Limited, Hissar;

(iii) General Working of Haryana State Minor Irrigation (Tube, wells) Corporation, Chandigarh;

(iv) General Working of Haryann State Agricultural Marketing Board; and

(v) Reports of the Comptroller and Auditor General of India for the years 1976-77 to 1980-81; respectively.

(4) कमेटी आन दी वैलफेयर आफ शैड्यूल कास्ट्स एण्ड शैड्यूल ट्राईब्ज की 9वीं रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान अब चौधरी नेकी राम, चेयरमैन कमेटी आन दी वैलफैयर आफ दि शेडूल्ड कास्ट एण्ड शैड्ल्ड ट्राईब्ज कमेटी की 9 वीं रिपोर्ट पेश करेंगे ।

Shri Neki Ram (Chairman, Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes) : Sir, I beg to present the Ninth Report of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the year 1983-84, on the General working of the Cooperation Department, Haryana, the Harijan Kalyan Nigam and the action taken by the Government on the recommendations contained in its 7th Report.

(5) कमेटी आन गवर्नमैन्ट अश्योरैन्सिज की 15 वो रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब श्री रोशन लाल तिवारी, मैंम्बर, कमेटी आन गवर्नमैन्ट अश्योरैनिसज, श्री फतेहचन्द विज, चेयरमैन, के बिहाफ पर, कमेटी की 15 वीं रिपोर्ट पेश करेंगे ।

Shri Roshan Lal Tiwari (Member, Committee on Government Assurances) : Sir, I beg to present a typed copy of Fifteenth Report of the Committee on Government Assurances for the year 1983-84.

वैयक्तिक स्पष्टीकरण –

स्वास्थ्य मन्त्री द्वारा

श्री अध्यक्षः कुछ मैम्बर साहेबान ने पिछले दिनों बोलते वक्त आमरेबल हैल्थ मिनिस्टर के मुत्तलिक कुछ कहा था । अब हैल्थ मिनिस्टर अपनी एक्सालेनेशन देना चाहेंगी ।

स्वास्थ्य मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी) : स्पीकर साहब, वैसे तो यह पर्सनल बात नहीं लेकिन इसलिए हो जाती है कि यहां पर मेरे हल्के का नाम बार बार आता रहा । आदरणीय मुख्य मन्त्री मेरे और हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अनुरोध पर 8 तारीख को नांलथा गये । वहां पर कांग्रेस के कार्यकर्त्ताओं ने पैसों की शक्ल में उमके गले में मालाएं डाली और कुल 1,93,400 रुपया इस शक्ल में इकट्ठा हुआ । वहां पर पांच–पांच रुपए का हिसाब तक भी सभी को सुनाया गया और उसी वक्त वह सारा पैसा मुख्य मंत्री जी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी को दे दिया ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है । स्पीकर साहब, इस बारे में तो मुख्य मन्त्री जी ने सदन में आश्वासन दिया था कि अगर कोई फरदर एलीनेशन सबस्टाशिएट होता है या रिटन कम्पलेंट आती है तो उसकी बाकायदा इन्क्वायरी करवाएंगे । हमने वे कागज मुख्य मन्त्री को दे दिए थे और वे उस बारे में इन्क्वायरी करवाएंगे । अगर इन्होंने कोई बात कहनी हो तो इन्क्वायरी के वक्त कह सकती कुछ ।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, अगर किसी के खिलाफ कोई एलीगेशन लगता है तो वह भी अपनी बात कह सकता है ।

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, में इनकों बताना चाहती हूं कि मैं इस हाउस में पहली बार चुनकर नहीं आई हूं बल्कि पांचवी बार चुनकर आई हूं मुझे पंजाब असैम्बली में भी पांच साल रहने का मौका मिला है अगर कोई आदमी किसी के बारे में कुछ लिख कर भेज दे तो केवल उसी से बात नहीं बनतीं । इसलिए मैं भी इस बारे में कुछ कहना चाहती हूं । चन्द्रावती जी ने सतवीर कुंडू का जिक्र किया था । सतवीर कुंडू ने मेरे खिलाफ 1982 में इलैक्शन लड़ा था । वीरेन्द्र सिंह जी ने धर्म सिंह राठी का जिक्र किया । धर्म सिंह राठी जी ने मेरे चाचा के मुकाबले में तीन बार इलैक्शन लडा था । मेरे चाचा जी उनके खिलाफ दो बार जीते थे । राजनीतिक बातें कुछ और होती हैं लेकिन हमारी पार्टी की कुछ परम्परायें हें । हम छुप कर कुछ नही करते । ठीक है पार्टी के लिए चन्दे की जरूरत होती है और आगे भी पड़ेगी । हम इनकी (विपक्ष की) तरह नहीं करते कि इनकी पार्टी ने चौधरी चरण सिंह को 77 लाख रुपए की थैली भेंट करनी थी और उसमें से 13 लाख रुपए के कूपन चन्द्रावती जी ने गायब कर दिए थे । हम कोई काम छुप कर नहीं करते, हमारे पास एक एक नए पैसे का हिसाब है । मैं चौलेन्ज करती हूं कि हमारे हिसाब में किसी तरह की गडबड़ नही है ।

गैर–सरकारी प्रस्ताव–

एस ० वाई० एल ० महर के निर्माण संबंधी (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब श्री फतेह चन्द विज, एम० एल ०ए ० के रजोल्यूशन पर जो 15 सितम्बर, 1983 को श्री. देवी दास ने मूव किया था और जिस पर 15—3—84 को भी डिस्कशन हुई थी, पर फिर डिस्कशन शुरू होगी । 15— 3— 1984 को पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर इन्टरवीन करते हुए बोल रहे थे, अब वे अपनी स्पीच रिज्यूम करेंगे ।

सिचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब अगर आपकी परमिशन हो तो मुझे बाद में किसी स्टेज पर टाइम दे दें । पहले दूसरे मैम्बर्ज बोल लें ताकि जो नये प्वांयट्स रेज होंगे मैं उनका भी उत्तर दे सकूं ।

श्री अध्यक्ष : ठीक हैं । श्री भले राम ।

श्री भले राम (बड़ौदा, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, जैसे कि हम सभी जानते हैं कि हरियाणा सरकार की पूरी लगन है और पूरी मन्शा है कि हरियाणा के खेतों को और एक एक खुड को पानी मिले । इस सरकार ने उन इलाकों के लिए, जहां नहर भी नही जाती थी और ट्यूबवैल्ज भी कामयाब नही थे, एक बहुत बडा प्रोजैक्ट बनाया है । पंजाब के साथ इस बारे में एक समझौता हुआ और उसमें प्रधान मंत्री जी ने हरियाणा को 35 एम ० ए ० एफ ० पानी अलाट करके पूरा न्याय दिया । (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) इसमें कोई शक नहीं कि हरियाणा सरकार का भरसक प्रयत्न है कि जितनी जल्दी हो मके इस

नहर की खुदाई करवाई जाए । लेकिन आप और हम सब जानते हैं कि कई बार ऐसे हालात पैदा हो जाते हें जिनसे सरकार को वह काम करने में अड़चन आ जाती है । सभी को पता है कि हमारे पड़ौसी प्रदेश पंजाब में किस तरह का वातावरण बना हुआ है । किसी भी काम को चलाने के लिए और किसी भी प्रौजैक्ट को सिरे चढ़ाने के लिए यह अति आवश्यक है कि उसमें जो अड़चनें आती हैं उनको पहले दूर किया जाए ।

एक बार नहीं बल्कि कई बार हमारे मुख्य मन्त्री जी ने प्रधान मन्त्री जी को कहा है कि एस ० वाई ० एल० का पानी हरियाणा में आने के बाद, हरियाणा दु तना अनाज' पैदा कर सकता हे कि वह दूसरे राज्यों को भी अनाज दे सकेगा । लेकिन ये विपक्ष के हमारे साथी कहते हैं कि हरियाणा सरकार नहर को खुदवाना नहीं चाहती । डिप्टी स्पीकर साहब, आप भी थे मुख्य मन्त्री जी ने कुरुक्षेत्र में भी रहा था कि 35 एम ० ए ० एफ ० से हम एक इंच भी कम पानी नहीं लेगे । आप देखे कि जो पानी हरियाणा में आना था वह ओज पाकिस्तान में जा रहा है । ये पंजाब के भाईयों की भी और हमारी भी बदकिस्मती है । आप देखे' कि हरियाणा की जमीन तो खुशक पड़ी है और पंजाब के भाई उस पानी को दूसरे देश को दे रहे हैं । ये भाई कहते है कि इस बार भी एस ० वाई ० एल० के लिए बजट में कुछ नहीं रखा है । मैं इनको बताना चाहता हूं कि सरकार ने इस काम के लिए 1 5 करोड़ रुपए रखे हैं और पांच करोड़ रुपए हरियाणा सरकार ने भारत सरकार के जरिए पिछले दिनों पंजाब को दिया है । मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारे प्रयत्न

सफल होंगे । मैं दोनों तरफ के माननीय सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि वे कोई ऐसी बात न कहे जिस से नहर की खुदाई में रुकावट पैदा हो । हमारे उधर के साथी कई तरह की बात कह देते हैं और अखबारों मे भी ध्यान दे देते है जिससे इस काम में रुकावट आती है । इसलिए मैं रिकवैस्ट करूंगा कि ये ऐसी कोई बात न क्हे । इसमें सारे हरियाणा के इन्ट्रैस्ट की बात है । हमें चाहिए हम इस नहर को खोदने में पूरा सहयोग दें । हमें उम्मीद है कि सरकार ने जो वायदा किया हे उससे पहले नहर जरूर खुदेगी । हमें तो इस बारे में पूरी चिन्ता है, इनको चाहे न हो । इन्हें यह तो चिन्ता है कि इन्हें यह राज कब मिले । ये चाहते हैं कि पावर ग्रेड कर ले, ताकत ले लें । (विध्न) मैं मानता हूं कि मैं भी जनता पार्टी के टाइम में था । उस समय चौधरी देवी लाल जी ने तो दिन भी फिक्स कर लिया था कि फलां दिन इस नहर का उद्घाटन करवाएंगे । उनकी बादल साहब के साथ दोस्ती खराब कर गई । उस समय सैटर में भी जनता पार्टी का राज था और न उस समय कोई एजीटेशन भी, तो फिर उस समय ये नहर क्यों नही खुदा सके? डिप्टी स्पीकर साहब, ज्यादा न कहते हुए मैं सभी से यही प्रार्थना करूंगा कि माहौल को हम ठीक रखे । हरियाणा सरकार तो चाहती है कि किसानों का फायदा हो । यह किसान और गरीबों की सरकार है इसलिए दम सब इसको सहयोग दें । धन्यवाद ।

11.00 बजे

मास्टर शिव प्रशाद (अम्बाला शहर): उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा बनने से पहले जब पंजाव था तो उस समय सैट्रस गवर्नमेंट

की तरफ से एक कमिशन बनाया गया था कि हिन्दी भाषी इलाके कौन से है और पंजाबी भाषी इलाके कौन से हैं । उस समय वह कहा गया था कि इस बारे में लोग अपना–अपना केस कमिशन के सामने प्रस्तुत करेंगे । उस समय सभी तरफ से शाह कमिशन के सामने अपने अपने केस प्रस्तुत किए नए । शाह कमिशन की जो रिपोर्ट आई थी तो जहां आज हम बैठे हैं यानि विधान भवन चण्डीगढ भे यह सारे का सारा चण्डीगढ का इलाका, राजपुरा, लालडू, डेरा बस्सी, तहसील खरड और रोपड जिले के कुछ कानूनगो सर्कल ऐसे थे जिनमें हिन्दी भाषा लागू घोषित की गई थी । अगर शाह कमिशन के उस फैसले को उस समय' सैंटल गवर्नमैंट की मोहर लग जाती तो आज न चण्डीगढ का मसला खड़ा होता और न ही एस ० वार्ड ० एल० का झगड़ा खड़ा होता, सारी की सारी नहर उस फैसले के मुताबिक खुद सकती थी लेकिन बडे आदमियों की गलती के कारण हुयें बहुत बडी सजा भुगतनी पड़ी है । अगर उस समय शाह कमिशन की रिपोर्ट पर केन्द्रीय सरकार की मोहर लग जाती तो मैं समझता हूं कि आज जिस प्रकार के हालात पैदा हो रहे है तो यह हालात पैदा न होते । उस समय ऐसा वायुमण्डल था कि कुछ लोग ऐसा चाहते थे कि पंजाबी सूबा हमारे कब्जे में आए ताकि हम अपनी सरकार चला सकें और अपने विचारों के मुताबिक काम कर सकें । जिस समय श्रीमती इंदिरा गांधी जी देश की प्रधान मंत्री बनी थीं उन्होंने भी अपना अवार्ड दिया था । उस समय देश की सत्ता उनके हाथ में थी और यदि वे अपने दिए हुए अवार्ड को लागू कर देती तो मैं समझता हूं कि आज ऐसी समस्या पैदा नही होती और पंजाब तथा हरियाणा का भाई– चारा बना रहता । आज हमें यह दिखाई देता है कि

भाई का भाई दुश्मन बना हुआ है किसी के साथ चलने पर भी विश्वास नहीं किया जा रहा है । सब लोग एक दूसरे से डरे हुए हैं, आजकल इस प्रकार के हालात पैदा हो गए हैं । डिप्टी स्पीकर साहब आज हमारे सामने जो एस ० वाई ० एल ० का झगड़ा है यह बहुत बड़ी दिक्कत है । हमारे देश के अन्दर इस प्रकार के' विचारो के लोग हैं जो अपने आपको देशभक्त भी कहते हैं और देश से लगाव भी रखते हैं वे ही आज इस तरह की समस्या पैदा कर रहे हैं । उस नहर का पानी चाहे पाकिस्तान में चला जाए लेकिन हरियाणा को देने के लिए तयार नहीं हैं । हरियाणा प्रांत पंजाब का छोटा भाई है जोकि आज से लगभग 15–16 साल पहले ही अलग प्रांत बना था अगर एस ० वाई ० एल ० नहर का पानी हरियाणा को मिल जाए तो उसके लिए पंजाब वाले तैयार नहीं है । हरियाणा प्रदेश का वास्तव में खेती पर दारोमदार है । जिस समय हरियाणा बना था उस समय हरियाणा के अन्दर एक ही शहर हुआ करता था जिसकी आबादी एक लाख थी और बाकी के छोटे छोटे कस्बे होते थे । इसके अलावा 80–85 पर सैंट आबादी देहातों में थी । डिप्टी स्पीकर साहब, आज हरियाणा की धरती प्यासी है उसको पानी चाहिए । हरियाणा की डिवैल्पमैंट भी एस ०वाई ०एल ० नहर के साथ जुड़ी हुई है । हरियाणा सरकार ने भीं इस नहर पर आधारित अपनी स्टेट की डिवैल्पमैंट के लिए काफी योजनाएं बनाई थी लेकिन इस नहर का पानी न आने के कारण वे सारी की सारी । योजनाएं धरी रह गई और उस नहर की खुदाई पर हरियाणा का करोड़ों रुपया बर्बाद हो गया और पंजाब के अन्दर एक इंच नहर नही खोदी गई है । यह सरकार पंजाब के अन्दर एस ०वाई०एल ० नहर को एक इन्च भी नही खोद पाई है ।

डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने एक बहुत बड़ा प्रोग्राम बनाया और कहा गया कि हमारे देश की प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी पंजाब के कपूरी गांव में एस ०वाई ०एल ० नहर की खुदाई के लिए उद्घाटन करने आ रही हैं, अब उस नहर की खुदाई में कोई देर नहीं होगी, और न ही कोई अड़चन आएगी । डिप्टी स्पीकर साहब, प्रधान मंत्री द्वारा अवार्ड दिया जाने के बाद और उस नहर की खुदाई के लिए प्रधान मंत्री के हाथों से पहली कस्सी मार उद्घाटन करने के बाद केन्द्रीय सरकार और हरियाणा, सरकार पंजाब की टैरीटरी में एक इंच भी नहर को नें खोद पाए तो इससे ज्यादा बुरी बात और क्या हो सकती है । डिप्टी स्पीकर साहब, आप अंदाजा लगाएं कि देश की प्रधान मत्री द्वारा अवार्ड देने के बाद, उनके हाथों से नहर की खुदाई के लिए पहली कस्सी लगाने के बाद, उस नहर की खुदाई न हो तो इस बारे में इन्हेंने आखिर क्या सोचा है? खुदाई ऐसा तो नहीं है कि आजकल जो इस प्रकार के झगड़े फैल रहे हैं जिसके कारण उस नहर की खुदाई नही हो पा रही है

इसमें केन्द्रीय सरकार हरियाणा सरकार के ऊपर अपना प्रैशर डाल कर पंजाब को तो स्पोर्ट नहीं करना चाहती है और क्या इसके पीछे को ई राजनैतिक मोटिव तो नही है? मेरी समझ में नहीं आता कि प्रधान मंत्री जी ने जो अवार्ड दिया था उसको लागू करने में उनको क्या दिक्कत आ रही है? उनको यह सोचना चाहिए कि एस० वाई० एल ० नहर के साथ हरियाणा का भविष्य जुड़ा हुआ है इसलिए एस० वाई० एल ० नहर को जल्दी से जल्दी खुदवाया जाना चाहिए लेकिन पता नही

इस तरफ क्यो ध्यान नहीं दिया जा रहा है? डिप्टी स्पीकर साहब, इस नहर का पानी हरियाणा को न मिलने के कारण हमें तो हरियाणा का भविष्य धूमिल होता हुआ दिखाई दे रहा है । उस नहर की खुदाई के लिए पंजाब को जो पैसा दिया गया था वह सारे का सीरा पैसा पंजाब के कर्मचारियों को वेतन के रूप में दे दिया गय । यदि पंजाब वाले हमारे से और पैसे की डिमांड करे तो हम उनको और भी पैसा देने के लिए तैयार हैं लेकिन कम से कम उस नहर की खुदाई तो शुरु करें । डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं सरकार को एक बात और कहना चाहूंगा कि यदि हरियाणा सरकार उस नहर की खुदाई नहीं कर सकती तो केन्द्रीय सरकार उे नहर की खुदाई का काम अपने हाथ में ले और उसको खुदवाए ताकि हरियाणा की जनता को उसका पानी जल्दी से जल्दी 'मिल सके । केन्द्रीय सरकार को उस नहर की खुदाई का काम अन्यने हाथों में लेना चाहिए क्योंकि प्रधान मंत्री द्वारा स्कूल अवार्ड दिया हुआ है और उस नहर की खुदाई के लिए अपने हाथों से कस्सी मार कर उद्घाटन किया हुआ है । हरियाणा के अन्दर पानी की कमी के कारण फसल की काफी बर्बादी हो जाती है । यदि इस नहर की खुदाई जल्दी से जल्दी हो जाए तो हरियाणा की जनता का भविष्य उज्ज्वल होगा और हरियाणा की प्यासी धरती को पानी मिलेगा । इस के साथ–साथ हरियाणा की डिवैल्पमेंट भी काफी होगी । आखिर में मैं यही कहना चाहता हूं कि एस ० वाई ० एल ० नहर की खुदाई का काम केन्द्रीय सरकार अपने हाथ में ले और नहर को जल्दी से जल्दी खुदवाए । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं ।

श्री अमर सिंह (बवानी खेड़ा अनुसूचित जाति) : डिप्टी स्पीकर साहब, पिछली दफा भी और इस बार भी सदन में एस ० वाई ० एल ० नहर के बारे में रेजोल्यूशन आया है जिस पर सदन में बहस चल रही है । एस ० वाई एल ० नहर हरियाणा की लाइफ लाइन है । आप सभी जानते हैं कि हिन्दुस्तान एक कृषि प्रधान देश है और हरियाणा प्रान्त भी कृषि प्र धान प्रान्त है । देहात में रहने वाले लोगों की जिंदगी का दारोमदार पानी पर हे । अगर पानी खेतों में नहीं जाएगा तो किसान लोग अपनी पैदावार नही बढ़ा सकते । एस ० कई ० एस ० नहर के पानी के सिवाए हरियाणा में सिचाई के साधन बहुत कम हैं । एस ० वाई ० एल ० का चेनल 112 किलोमीटर लम्बा है जिसके द्वारा रावी व्यास का पानी हरियाणा के खेतों में आना है । इसी मुद्दे को लेकर हरियाणा में 100 करोड़ रुपया लगा कर यह चौनल बनने से पहले, नहरें बनाने पर लगाया गया था कि इस चौनल से हरियाणा के अन्दर रावी व्यास का पानी आएगा । पंजाब के अन्दर नहर की खुदाई न होने के कारण हरियाणा मे हर साल 100 करोड़ रुपए की फसलों का नुकसान हो जाता है । यदि इस नहर का पशि हरियाणा मे आ जाता तो वह पानी हरियाणा के खेतों में आ गया होता और 190 करोड़ रुपए की फसल हर साल और पैदा होत। । अनाज की पैदावार बढ़ाने में जितना नुकसान हो रहा है वह केवल इस चौनल के न बनने के कारण हो रहा है । डिप्टी स्पीकर साहब, आपको अच्छी तरह से पता है कि 1960 में भारत सरकार ने ''इन्डस वाटर ट्रीटी एक्ट'' के तहत पाकिस्तान को 110 करोड़ रुपया दिया था और यह पैसा इसलिए दिया गया था कि रावी व्यास का पानी पंजाब में आए और पाकिस्तान में न

जाए लेकिन रावी व्यास का पानी आज भी पाकिस्तान में जा रहा है । इसके अलावा रावी ब्यास का जो पानी पंजाब की धरती को मिले रहा है उस पानी से पंजाब की धरती दलदल हो जाती है और उस दलदल को निकालने के लिए पंजाब सरकार अपना आधा बजट खर्च कर देती है और हरियाणा को उस नहर का पानी न मिलने की बजह से हर साल भुखमरी और कहत का सामना करना पड़ता है जिसके कारण हरियाणा सरकार का आधा बजट खर्च हो जाता है । यदि उस नहर का पानी हरियाणा को मिल जाए तो पंजाब की धरती भी दलदल होने से बच जाएगी और उसको दलदल दूर करने के लिए पैसा भी खर्च नही करना पड़े गा । इसके साथ –साथ हरियाणा को भी कहत का और भुखमरी का सामना करने के लिए खर्च नही करना पड़ेगा । डिप्टी स्पीकर साहब, यह बहुत गम्भीर समस्या है जो कई सालों से चली आ रही है । जब 1 नवम्बर 1968 को हरियाणा बना था उस समय पंजाब, हरियाणा इकटठे थे उस समय मैं ज्वायंट पंजाब का मैम्बर था । उस समय पंजाब और हरियाणा दो सुबे अलग–अलग बने थे । डिप्टी स्पीकर साहब, 15 अगस्त, 1947 को हिन्दुस्तान आजाद हुआ था और 1 नवम्बर 1966 को हरियाणा वर्गो था परन्तु बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि 15 अगस्त, 1947 से लेकर 1 नवम्बर 1966 तक हम दूसरे दर्जे के शहरी गिने जाते थे और हमें वे फैसीलिटीज भी अवेलेबल नहीं थी, न किसानों को, न दस्तकारों को, न गरीब मजदूरो को और न हरिजनों को जो पंजाब के भाईयों को मुहैया थी । जिस समय हरियाणा बना उसके बाद यह उम्मीद ही नही की गई बल्कि वह सपना साकार हो गया कि हरियाणा आज सारे हिन्दुस्तान में बहुत सी बातों में दूसरी स्टेटों के

मुकाबिले में नम्बर एक पर है । जैसे हरियाणा का हर गांव सड्कों से जुड़ा हुआ है, हर गांव में स्कूल है, हर गांव में बिजली पहुंचाई हुई है, हर गांव के किसानों के खेतों में पानी पहुंचने लगेगा क्योंकि पानी का जरिया एस ० वाई ० एल ० नहर ही है जो हरियाणा की प्यासी धरती को सैलाब कर सकतों है । लेकिन भरसक प्रयत्न करने के बाद भी हरियाणा सरकार अभी तक पानी नहीं ले सकी जबकि इस मामले में सर कार ने कोई कमी नहीं छोड़ी । इसी बीच में 1977 में दो अढाई साल के अर्से के लिए जनता पार्टी की सरकार आई थी । जनता पार्टी की सरकार के दौरान हरियाणा के मुख्य–मंत्री चौधरी देवीलाल जी थे और पंजाब के मुख्य मंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल जी थे । इन दोनों का आपस में बहुत भाईचारा था । हम समझते थे कि इस भाईचारे की वजह से हरियाणा की प्यासी धरती को पानी अवश्य मिल जाये गा । मास्टर शिव प्रशाद जी ने बोलते हुए अपने समय की बात की चर्चा नहीं की । उस वक्त की चर्चा को छोड़ कर हमारी ही चर्चा करते रहे । मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि दो–अढ़ाई साल के असे के दौरान यानि 1977–79 के दौरान यदि हमारी सरकार बनी रहती तो यह नहर आज से 2–3 साल पहले बन कर तैयार हो गयी होती ।

मास्टर शिव प्रशादः आन ए प्वाय्ट आफ आर्डर सर । डिप्टी स्पीकर साहब, क्या ये बताएंगे कि 1977 से पहले किस पार्टी की सरकार थी?

श्री अमर सिंह : आनरेबल मैम्बर जानते होंगे कि इस नहर का काम कब शुरू हुआ. था । डिप्टी स्पीकर साहब, आज यदि इस नहर

का पानी हरियाणा के खेतों में आ जाता तो 100 करोड़ रुपये की ज्यादा फसल हर साल अपने प्रदेश में पदा होती । वह पानी उस समय आ सकता था लेकिन कोई फैसला करने की बजाये या यू कहिए कि नहर की खुदाई करने की बजाये मामले को सुप्रिम कोर्ट में ले गए । वहां पर कोई फैसला न हो पाया जिस कारण आज तक गाड़ी यूं ही चल रही है जिस की वजह से खेतों को आज तक पानी नहीं मिल सका । अब भारत सरकार ने 5 करोड़ रुपया पंजाब सरकार को इस नहर की खुदाई के लिए दिया है । खासतौर से जिन किसानों की जमीन इस काम के लिए ली गयी हो उनको मुआवजा देने के लिए यह राशि दी गयी है । पंजाब सरकार को हरियाणा सरकार ने अब तक 20 करोड़ 50 लाख रुपया दिया है । वह पैसे पंजाब सरकार ने नहर की खुदाई करने की बजाये अपनी बेरोजगारी दूर करने में लगा दिया । इस पैसे से उन्होंने अपने प्रदेश के 5 हजार एम्पलाइज को सर्विस दी और चौनल पर कोई काम शुरु न किया । न तो पं जाब सरकार ने इस पैसे से नहर को पूरा किया और न ही ‘ किसानों को मुआवजा दिया । इतना पैसा देने के बावजूद भो वे 112 किलोमीटर नहर जो बननी थी, उसका कुछ भी हिस्सा नहीं बना सके । जब भी इस नहर को बनाने का समय आता है और और कोई यत्न किया जाता है । तो पंजाब में कोई न कोई झमेला खड़ा कर दिया जाता है । पंजाब के लोग हमारे बड़े भाई कुंए और हम पंजाब के छोटे भाई हैं । बड़ा भाई होने के नाते पंजाब को छोटे भाई हरियाणा का ध्यान रखना चाहिए था ताकि हमारे खेतों में पानी आ गया होता । लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा है कि जब भी नहर की खुदाई का काम शुरु होता है तो वहां कोई न कोई मोर्चा

लग जाता है । दों–अढाई साल से पंजाब के अन्दर तनाव की वातावरण बना हुआ है । आज गम्भीर स्थिति हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब कीं बनी हुई है । जैसा वातावरण वहां पर आज बना हुआ है । उस को आप भी अच्छी तरह जानते हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, परमेश्वर का लाख लाख शुक्र है कि आप भी दुर्घटना से बच गये । क्योंकि जिस तरह से आप पर हमला किया गया था, उससे तो भगवान का प्यारा या किसी संत का प्यारा ही बच सकता है । जो पांच करोड़ रुपया अब भारत सरकार ने पंजाब सरकार को दिया है, उसके बारे में मैं – ज्यादा गहराई में न जाते हुए इतना ही कहना चाहूंगा कि सेन्टर्ल वाटर एण्ड पावर कमीशन इस बात की देख रेख रखे ताकि अब काम ठीक प्रकार से हो सके । मेरे कहने का मतलब यह है कि जिस तरह से उन्होंने हमारे 20 करोड़ 50 लाख रुपये से अपनी बेरोजगारी दूर करने की कोशिश की है, वैसा ही न हो । उन्होने हमारे पैसे से अपनी बैरोजगारी दूर करने के लिए अनेक चीफ इन्जीनियर, एस० ईजी ० एक्सीयनज, एस०डी०ओज० और दूसरा स्टाफ रखा हुआ है लेकिन इस चौनल की खुदाई के लिए कोई कारगुजारी नहीं की । अब सरकार ने इस बात की तरफ पूरा ध्यान लगाया हुआ है और भरसक कोशिश है कि यह एस० वाई०एल० जल्दी से जल्दी पूरी की जाए । जब तक' यह चौनल नहीं बन पायेगा तब तक हमारे खेतों में पानी नहीं आ सक्ता । आज पंजाब में एक तरफ तो दलदल बढ़ रहा है दूसरी तरफ हरियाणा के खेतों में पानी नहीं आ रहा जिस कारण यहां पर सूखे का सामना करना पड़ता हैं । यदि वह पानी हमें मिलने लग जाये तो हमारी खेती की पैदावार बढ सकती है और उसे सूखे से बचा सकते हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, जब भी इस नहर

की बात होती हैं तो उस वक्त कोई न कोई सन्त वहां पर उलझ कर खड़ा हो जाता हैं । पहले भी जब हरियाणा बनने लगा उस समय एक सन्त उलझ क्या था । उसने अपने पास मिट्टी के तेल का थोपा रखो हुआ था, पता नहीं उस में मिट्टी का तेल था भी या नहीं । उसने एलान कर दिया कि पंजाब अलग से सुबा बनाया जाए नहीं तो मैं मिट्टी का तेल छिड़क कर आत्म हत्या करुंगा । उसकी मांग से पंजाब एक अलग सूबा बन गया और हम लोगों को बिन्दी मांगे हरियाणा मिल गया । हिमाचल प्रदेश वालों को अपना हिमाचल मिल गया और फौरस्ट की दौलत मिल गयी । आज पंजाब के भाई न तो चन्दीगढ का मसला हल करना चाहने हैं और न ही अबोहर फाजिल्का का मसला हल करना चाहते हैं । उनका सवाल इस मसले को हल करने का नहीं है । आज पंजाब कें कुछ मुटठी भर भाई इस बात पर उतारु हैं कि हम इस देश की कड़ी को तोड़ देंगे।

मैं उन्हें बताया चाहूंगा कि ग्रस उनका एक बहम हैं । जब भी नहर की खुदाई शुरु होती हैं तो वे ला एरण्ड आर्डर की स्थिति खड़ी कर देते हैं जिससे भारत सरकार का ध्यान और हमारा ध्यान ला एण्ड आर्डर की तरफ हो जाता है । हम चाहते हैं कि आपस में कोई मतभेद न हो । आज पंजाब के अन्दर को माहोल हूं और वहां पर जो सन्त–मन्त बैठे हे वे सब कुर्सी के लिए लड़ रहे हैं उनको अबोहर और फाजिल्का से प्यार नहीं है और न ही वे चण्डीगढ लेना चाहते हैं और न ही एस०वाई०एल० सें कोई ताल्लुक रखते हैं । वे तो कुर्सी के पीछे दौड़ रहे है । डिप्टी स्पीकर साहब किसान की कितनी बडी समस्या है,

यह आप अच्छी तरह से जानते हैं लेकिन वें इस बात को भूल जाते हैं । वे चाहते है कि जब तक उनका राज नही होगा वे इस बात पर उतारु हैं कि अमन नहीं रहने दिया जाये । मैं आपके माध्यम से वह कहना चाहता हूं कि हम नही चाहते कि पंजाब में गडबड हो लेकिन उसका असर हम हरियाणा पर भी पड़ते हुए देखना नहीं चाहते । यहां लोग शान्ति प्रिय हैं । इसका मतलब यह भी नहीं हैं कि हरियाणा के लोग कमजोर हैं । हरियाणा किसी से डरता नहीं । अगर कोई इसे छेडता है तो यहां की यह परम्परा है कि फिर हरियाणा भी किसी को छोड़ेगा नहीं । हम यह चाहते हैं कि त्याग ओर प्रेम से इस मसले को हल किया जाये । पता नहीं कि पंजाब के लोगों के दिमाग में कता बात है । वहां से पाकिस्तान को पानी बदस्तूर जा रहा है लेकिन मैं उन्हे यह बताना चाहूंगा कि हरियाणा भी इस पानी को ज्यादा देर तक जाने नहीं देगा । झगड़ा तो केवल कुर्सी के लिए उठाया जा रहा हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, यइ पंजाब के लोगों पर निर्भर करता है कि किस को वोट दें, कसको मुख्य मन्त्री बनाना चाहते हैं, इस चीज को पंजाब की जनता ज्यादा जानती है । कुर्सी के लिए वे हमारा पानी रोकते हैं, झगडा करते हैं, हमारे रास्ते में रुकावट पैदा करते हें और हरियाणा के लोग इस बात को बरदाश्त किय जा रहे हैं । लेकिन ' डिप्टी स्पीकर साहब, सबर का तकाजा होता है । आज हरियाणा की जनता के सब का प्याला लबरेज हो चुका हें । हम चाहते हैं कि किसी किस्म की बदमगजी पैदा न हो, शान्ति के साथ हमारी चौनल बनाई जाए जिससे हरियाणा के खेटों में पानी आये । डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा में बहुत सारी जगह 50—50 फीट ऊंचे रेत के टिब्बे है, जहां नहर बनाई हुई हैं और

नहर इस लिए बनाई गई हैं कि कब रावी व्यास का पानी जाये और प्यासी भूमि की प्यास बुझे । एस ० वाई ० एल० का मसला सिर्फ उधर बैठने वाले भाईयों का ही नहीं, यह हम सब का, हरियाणा की समस्त जनता का सांझा मामला है । हर मैम्बर को सीरियस होकर इस प्रोब्लम का हल करवाने की बात करनी है, क्रिटीसीजम फार दी संक आफ क्रिटिसजिम वाली बात नही होनी चाहिए । यह हमारे भविष्य का सवाल है हमारी खुशहाली का सवाल है । हमारी खुशहाली इस बात पर निर्भर करती है कि नहर बने । आने वाली नस्लें हमसे यह सवाल पूछेंगी कि हम अपने समय में रावी व्यास का पानी हरियाणा में क्यों नहीं ला पाये? उपाध्यक्ष महोदय इसमें कोई शक नहीं कि हरियाणा सरकार ने पैदावार काफी हद तक बढ़ाई है । जो पैदावार 1 नवम्बर, 1966 को थी, अभि हरियाणा की इससे तिगुनी पैदावार बढ़ गई है, लेकिन अगर इस नहर का और पानी मिल जाता तो पांच गुना पैदावार होती । इसलिए हमें हुस मुश्कलात का सोच समझकर हल करना चाहिए । भारत सरकार ने 5 करोड़ रुपया और 1 करोड़ रुपया हरियाणा प्रांत ने खर्च करने की बात कही है । इससे बहत सारे किसानों को उनकी जमीन का मुआवजा दिया जाएगा । उपाध्यक्ष महोदय, हम चाहते है कि यह चौनल जल्दी से जल्दी बने । यह 112 किलोमीटर की चौनल है, इसके बनने से 35 लाख एकड़. भूमि को नया पानी मिलेगा और इस भूमि में ज्यादा पैदावार बढ़ाने का मौका मिलेगा लेकिन आज किसान जौ दिन–रात खेतों में मेहनत करता है वह बिना पानी के मजबूर है । हरियाणा का किसान मेहनती है, अधेरी रात को सांप के मूड पर पांव रखकर खेत में पानी लगाता है और धरती की छाती चीर कर अनाज पैदा करता है,

लेकिन पूरे पानी के बिना बेबस है । कभी इसको फ्लड की मार, कभी ओलों की मार पड़ती हए । इस बार सारे प्रान्त में चने की फसल तबाह हो गई, पता नहीं किस बिमारी से तबाह हुई । एक्दम चने की फसल सारे हरियाणा में तबाह हो गई । पिछले दिनों कपास की फसल पता नही क्या बिमारी लग गई । डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा का नि सान दिल से मेहनत करता है, बच्चों की तरह अपनी फसल को पात्रता है, लेकिन जय कुदरत मार देती है तो उसका बस नही चलता । हरियाणा सरकार ने 17 करोड़ रुपया औलों की वजह से फसल खराब होने का उनका मुआवजा दिया है और चने की फसल की स्पैशल जिरदवारी करवा रही हए, शायद इस में भी आबियाना व माल मुआफ करेगी, लेकिन इस मुआफी से कुछ नहीं होता । जब किसान पर कुदरत की मार पड़ती है तो वह लचार हो जाता है । डिप्टी स्पीकर साहब गेहूं की फसल को पकाने के लिए किसान को 5 पानी की जरूरत है और गन्ने की फसल के लिए 10– 12 पानी की जरुरत पडती है । एक पानी मिलने के बाद फसल बीजी जाती है, इस के बा द अपार खेत में पानी न लगे तो वह फसल बेकार हो जा ती है । इस प्रकार किसान को बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ता है ओर उनकी यह तकलीफ तब दूर होगी जब एस ० वाई ० तू ० का पानी मिल जाएगा । इस वक्त जो कोशिश की जा रही है इस से हमें उम्मीद है कि पानी अवश्य मिलेगा । भारत सरकार की पूरी कोशिश है क्योंकि भारत सरकार ने यह समझ लिया है कि हरियाणा के पास एस० वाई ० एल ० के सिवाय और कोई पानी का प्रबन्ध नही है । हरियाणा में तीन किस्म की भूमि है । कुएं हिस्सा भूमि ऐसी है जिसमें टिब्बे है, वहां नहरी पानी नही लगता।

टयूबवैल्ज नहीं लग सकते और इसी भूमि में नहरे बनाई गई है जिन नहरों में सिफै एस ० वाई ० एल ० का ही पानी जा सकता है । 1/3 हिस्सा जमीन फलड की चपेट में आ जॉता हैं जि से हजारों एकड जमीन तबाह हो जाती है । इस जमीन का मुआवजा देने लेंगें तो नहीं दिया जा सकता क्योंकि कुदरत का मुकाबला नहीं किया जा । 1/3 हिस्सा भूमि ऐसी है जिसमें अच्छी फसत होती हे, पानी मिलता है, लेकिन इस 1/3 भूमि 'से 2/3 भूमि की कमी पूरी नहीं जा सकती, इसलिए एस० वाई० एल ० का पानी अवश्य आना चाहिए । एस० वाई ०एल ० हरियाणा की लाईफ लाईन है । इसलिए मैं गुरओं के प्यारों की जो गुरु के सिख हैं इनको कहना चाहता हूं कि वे सोच समझ कर चलें, इस काम में कोई रुकावट ने डालें, हम उनके ही भाई है और उन्हें हमरे खेतों में पानी आने देना लिए । पंजाब के खेतों में इतना पानी लगता है कि खेत दल–दल बने हुए हैं । उनको इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि हरियाणा में जो पानी आयेगा वह किसा दूसरे देश में नहीं बल्कि उनके आपने भाईयों के खेतों में ही जा रहा है । हरियाणा भी पंजाब का एक अंग है, इमका छोटा भाई है । हम इकट्ठे मिल कर रहे है और आगे भी मिलकर रहना चाहते हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले दिनों 20 करोड़ 50 लाख रुपये जो पंजाब को दिए गए उसका खिलवाड़ हुआ है, यह आगे रिपोर्ट नहीं होनी चाहिए । हम लोग जनता के सामने आनसरेबल है । वे नह र बना ने में हमारी भद्द करें ताकि हम लोगों के सामने फख्र के साथ कह सकें कि हमने वह नहर बनवाई है इससे 35 लाख एकड भूमि में पानी आया है जिसकी वजह से हरियाणा की पैदावार बढी है । डिप्टी स्पीकर साहब, हमे उम्मीद है कि

हरियाणा सरकार इस बात पर निगाह रखेगा कि नहर बनाने के लिए आगे जो भी कार्यवाही की जाए, उसका दारोमदार पंजाब पर न छोड़ कर सैन्ट्रल वाटर कमीशन अपने ऊपर ले और सैन्ट्रल वाटर कमीशन पूरी निगाह रखेगा । डिप्टी स्पीकर साहब, पानी तो इन्सान की जिन्दगी है । पानी के बगैर कोई काम नही चल सकता । हवा और पानी ऐसी चीजें है जिनसे आदमी को जीवन मिलता है । इसकी बदौलत मनुष्य अपनी मेहनत से ज्यादा पैदावार कर सकता है । उपाध्यक्ष महोदय अगर पीने का पानी न हो, बे तों में पानी न हो तो आप ही बताए कि कैसे हम जिन्दा रह सकते है और वीर तथा बहादुर सन्तान पैदा कैसे कर सकते है? इसलिए हम कहते है कि एस० वाई० एल० का मसला हरियाणा के जीवन और भी भविष्य से सम्बन्धित है । मेरा यह ख्याल है कि पंजाब के इंटीरियर में रहने वाले लोगों को, पंजाब के विलेजिज और देहात में रहने वाले लोगों को इस बारे में कोई आपत्ति नहीं है । आपत्ति तो कुर्सी के काटे हुए मूट्ठी भर लोगों को हे । उनको सिर्फ इस बात की आपत्ति है कि पंजाब उन्होंने इसलिए नहीं बनवाया था कि इसमें उनका राज न हो । उनको केवल यह आपत्ति है जिस की वजह से वहां इस किस्म का उपद्रव खड़ा किय गया है या तरह तरह की बातें की जाती है । डिप्टी स्वीका साहब अगर मोर्चा इस बात के लिए लगे कि एस० वाई० एल० नहर खोदने के लिए एक कस्सी नही मारने देंगे तो यह कोई अच्छी बात नहीं है । वे मोची लगा एं प जाब का और विकास करने के लिए । पड़ौसी भाई को पानी न देने के लिंए मोर्चा लगाना अच्छी बा ढ नही हे । उनका मोर्चा अगर इस बा ढ के लए लगे कि वार फुटिंग पर इस चौनल को बनवाएंगे और छोटे भाईयों के खेतों

में पानी पहुंचाएंगे तो वह शाबासी का बा यस बन सकता है । डिप्टी स्पीकर साहब, चण्डीगढ के बारे में शाह कमीशन ने जो फैसला दिया था उसे मानने के लिए पहलें तो वे रजामन्द हो गए थे लोइ कन बाद में इन्कार कर गए । इसके बाद देश की महान नेता श्रीमती गांधी जी ने फैसला किया कि चण्डीगढ पंजाब को दे दें फाजिल्का अबोहर तथा उससे लगते हुए 118 गांव ही रयाणा को दे दें, एस० वाई० एल० कैनाल पंजाब बनाएगा तथा हरियाणा उस के लिए पैसा देगा । इस फैसले पर पंजाब सरकार ने और– पंजाब के लोगों ने खुशी मनाई कि यर बहुत अच्छा हो गया, हम इस फैसले को मानने के लिए तैयार है ले किन जब इम्पलीमेंटेशन की बात आई । एस० वाई० एल० नहर खोदने की बात आई तो वे मोर्चे के लिए तैयार हौ गए । डिप्टी स्पीकर साहब, आपको अच्छी तरह से पता है कि पंजाब के पास चण्डीगढ जैसे बहुत शहर हैं । पटियाला पैप्सू की राजधानी रही है । इसके अलावा उनके पास जालन्धर और अमृतसर जैसे बहुत अच्छे अच्छे शहर है । हरियाणा में कोई ऐसा शहर नही है जिसमें हरियाणा की कैपिटल बन सके । हमारा कैपिटल तो चण्डीगढ ही रहेगा । अगर उन्होंने चण्डीगढ लेना है तो वे फाजिल्का, अबोहर और साथ लगते हुए 118 गांव हरियाणा को दे दें तथा चण्डीगढ में आबाद हो जाएं । परन्तु डिप्टी स्पीकर साहब, न तो उन्हें चण्डीगढ से प्यार है, न फाजिल्का अबोहर से प्यार है और न ही एऊस०वाई०एल० नहर से प्यार है । अगर उन्हें प्यार है तो इस बात से है कि चन्द मुट्ठी भर लोग आतंक फैला कर अपनी मन मानी करना चाहते है और मनमानी यह करना चाहते हैं कि किसी तरह से देश की अखंडता और प्रभुसता भंग हो जाए । वे चाहते हैं कि आज सारी

दुनियां में जो इस देश की मान्यता है वह न हो । हरियाणा के लोगों के बारे में उनका विचार है कि वे अमन पसन्द हैं और किसी बात में वे झगड़ा नहीं करेगे । इसलिए इनकी लाईफ लाईन को काटो, एस० वाई०एल० में पानी न जाने दो जिसकी वजह से वे लगडे रहेंगे, खुशहाल नहीं हो सकेंगे क्योंकि अपने खेतों में वे ज्यादा अनाज पैदा नहीं कर सकेंगे । (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, यह तो दूसरे के लिए कुंआ खोदने वाली बात हो गई । (विघ्न) इसमें न उनका भला हैं और न हमारा ही भला है । (घंटी) इन शब्दों के साथ आपका धन्यावाद करते हुए स्थान लेता हू कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया और मैं सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि इस चौनल को सैन्ट्रल वाटर एण्ड पावर कमीशन की देख रेख में खुदवाना चाहिए था तथा इसे खोदने के लिए टाईम बाउन्ड प्रोग्राम रखना चाहिए ।

चौधरी हुकम सिंह फोगट (दादरी) : डिप्टी स्पीकर साहब, एस ० वाई ० एल० नहर की खुदाई के बारे में हाउस के सामने जो रैजोल्यूशन है, यह तकरीबन रोज ही सदन में डिसकस होता हे । डिसकस क्यों न हो? हरियाणा के सवा करोड लोगों की किस्मत इससे जुड़ी हुई है । डिप्टी स्पीकर साहब, खास तौर पर हमारे जिला भिवानी और महेन्द्रगढ़ जिले के लोगों की किम्मत इसके साथ जुड़ी हुई है क्योंकि जवाहर लाल नेहरू कैनाल और लोहारू कनाल में पानी तभी आ सकता है जब यह पानी हमें मिल जाए । डिप्टी स्पीकर साहब, रूलिंग पार्टी के भाई स्वयं कह रहे है कि पंजाब कौ जो साढ़े बीस करोड़ रु पश दिया गया उसके साथ खिलवाड हो गई । उससे तो केवल पंजाब

की बैरोजगारी की समस्या हल हुई लेकिन इसके बावजूद आप 5– 6 करोड़ रुपये उनके और दे रहे हैं । सरदार लछमन सिंह ने तो यहां तक कहा कि इस हाउस के टैन्योर तक भी वह नहर बनने वाली नहीं है । (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब अभी चौधरी अमर सिंह जी कह रहे थे कि दो अढाई साल तक जब चौधरी देवी लाल चीफ मिनिस्टर रहे तो इस नहर की खुदाई क्यों नही हुई? डिप्टी स्पीकर साहब सन 1971 में अवार्ड हुआ था । उसके बाद बीच में केवल दो अढाई साल जनता पार्टी का राज रहा, बाकी सारे अर्से में पंजाब, हरियाणा और सैन्टर में कॉंग्रेस पार्टी का ही राज रहा है । लेकिन फिर भी ये इस नहर को खुदवा नही सके और न खुदवा सकेगे । आज तक जो पैसा हरियाणा सरकार ने पंजाब सरकार को दिया है वह' व्यर्थ ही गया है । अगर वह हरियाणा की डिवैल्पमैंट पर लगता तो हरियाणा कें लोगों का कुछ भला होता । (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, सन 1982 में कर्पूरी में एक बहुत बड़ा ड्रामा रचाया गया । सारे हरियाणा से ट्रकों में लोगों का भर कर वहां ले जाया गया, प्रधान मंत्रो जी ने उद्घाटन किया और कहा कि दो साल– में नहर बन जाएगी । हरियाणा के लोगों ने बहुत खुशी मनाई थी लेकिन वे दो साल पूरे होने को हैं और एक कस्सी भी वहां पर नहीं लगी । आज हरियाणा के लोगों को यह शक है कि कांग्रेस पार्टी की सरकार रहते हुए यह नहर नही बन सकती । पता नहीं क्यों जान बूझ कर इस काम को लटकाया जा रहा है । सैन्टर में कांग्रेस की सरकार है, हरियाणा में कांग्रेस की सरकार है और कुछ दिन पहले पंजाब मेंभी काग्रेंस की सरकार थी । फिर भी क्या अड़चन है ? नहर क्यों नही बन रहीं? खामखाह हरियाणा का पैसा जाया जा रहा है । डिप्टी स्पीकर

साहब, हरियाणा के लोगो कों कैसे विश्वास हो कि यह नहर खुदेगी जब स्वयं प्रधान मंत्री के यह कहने के बावजूद भी कि इसका काम दो साल में पूरा हो जाएगा, वह पूरा नही हुआ । अब भी ये कहते है कि यह नहर बन जाएगी क्योंकि हरियाणा सा हित प्रधान मैली के हाथों में सुरक्षित है । मैं तो एक ही बात जानता हूं कि हमें पानी चाहिए लेकिन वह पानी कब मिलेगा इसकी गारंटी इनके पास नहीं है । डिप्टी स्पीक' साहब, जब संक यह पानी नहीं मिलेगा तब तक हरियाणा की प्यासी धरती खासतौर पर भिवानी, महेन्द्रगढ़, और रोहतक की झज्जर तहसील यों ही प्यासी रहेगीं । हरियाणा को बैस्ट जमना कैनाल और भाखडा का पानी मिलता है और हरियाणा मे पानी का कोई प्रबन्ध नही है । अगर हरियाणा को यह पानी मिल जाता है तो लोहारू कैनाल और जवाहर लाल नेहरू कैनाल चल सकती हैं । हम चाहते हैं कि यह नहर जल्द से जल्द बने । हम हमेशा इस मामले में इनका साथ देने के लिए तैयार है । सैन्टर की सरकार में हिम्मत नहीं है कि इस नहर को खुदवाये । हमारी समझ में यह बात नहीं आ रही है कि इस नहर– को क्यों नहीं खुदवाया जा रहा हैं? हम इन से बार–बार पूछते हैं और आश्वासन चाहते हैं कि यह नहर कब छेंक पूरी हो जायेगी? ये बार–बार यही कहते है कि प्रधान मंत्री के हाथों में हमारे हित सुरक्षित हैं और दूसरे कोई लफ्ज कहने के लिए ये तैयार मेंही । हम विरोधी दल के सारे लोग तैयार है और यह सभी लोगों के हित में हैं कि हरियाणा को पानी मिले लेकिन मैं इस सरकार से पूछना चाहता हूं कि यह सरकार क्या ठोस कदम उठा रही है? यह सरकार उस ठोस कदम को नही बता रही है कि क्या उठाने जा रही है? अब पांच–छ करोड़ रुपया दे दिया

और पहले 20 करोड़ दे दिया । इस तरह से 25 करोड रुपया हरियाणा का जाया गया है । अब जो पांच छः करोड़ दिया है वह भी जाया ही जायेगा, यह पैसा हरियाणा की डिवैल्पमेंट पर खर्च होना च।हिए था लेकिन वहां खर्च नहीं किया । अगर वहाँ पर नहर बनवायें तो चाहे पैसा दूसरी मदों से ले कर एसण्वाई ०एल० को दे दें हम उसका समर्थन करेगे लेकिन डिप्टी स्पीकर साहब हमें शक है कि यह सरकार नहर नहीं बनवा सकती । इसलिए जल्द से जल्द हरियाणा के लोगों को विश्वास दिलायें कि कब तक यह नहर पूरी हो जायेगी? इस बारे में आप टाईम फिस्स करें कि यह नहर एक साल में या दो साल में पूरी हो जायेगी । आप दिल्ली की सरकार पर जोर डालें कि यह नहर पूरी हो । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए स्थान लेता हूं ।

श्री होरा नन्द आर्य (लोहारू) : उपाध्यक्ष महोदय, सतलुज यमुना लिंक नहर बनाने के सम्बन्ध में कई हफ्तों से चर्चा चलें रहा है । इसमें कोई सन्देह नहीं कि हरियाणा का भाग्य इस नहर के साथ जुड़ा हुओं हैं लेकिन इसके लिए जितना प्रयत्न किया गया उतनी ही नहर बनने मे कठिनाई आ रही है । अब देखना यह है कि इसके पीछे क्या कारण है? जब इसके कारणों में जीयेंगे तो और भी कई बातें नजर आयेगी? हरियाणा और पंजाब के लोग हमेशा एक होते हुए भी इतनी बात क्यों बढ़ गई? अगर गहराई में जायेगे तो इसका कारण केवल अकाली ही नही बल्कि और भी हो सकते है भारतसरकार को पता है कि पंजाब को कितने पानी की आवश्यकता है और हरियाणा को कितने पानी की आवश्यकता है । जब मी कोई फैसला हुआ है या कोई कमेटी

बनीं है, आर्बीटेरशन हुआ है उसे मा ना नही गया । जो पहले फैसले हुए हैं उन के बाद भी पाच–छः बार फैसले हुए हैं, सब में हरियाणा का हिस्सा कम होता चला गया । इसके पीछे कारण है । जिस प्रकार हरियाणा के हितों की पकड़ मजबूत होनी चाहिए उस प्रकार से मजबूत नही दिखाई । जिन लोगों के हक वे बात नहीं जाती थी उन लोगों ने विरोध किया और केन्द्रीय सरकार औरे हरियाणा की सरकार नर्मी दिखाती चली गई । उस नर्मी का नतीजा यह हुआ कि आज यह वातावरण बना । यह वातावरण हरियाणा और पंजाब का ही नही बल्कि हिन्दुस्तान के टूकडे होते नजर आ रहे हैं । जिस प्रकार से पहले देश का विभाजन हुआ और पाकिस्तान तथा हिन्दुस्तान बना । उस पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के बंटवारे में कम्युनल राइटस हुए । आज भी उसी प्रकार की दुर्भावना का प्रचार किया जा रहा है । प्रजातंत्र देश में हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है । आज के दिन पोजीशन यह हो रही है। जब जब भी के ई इस साइड पर उलट यति होती है तो वह हरियाणा के जिम्मे डाल दी जाती है । पिछले दिनों अकाली दिल्ली जा कर प्रदर्शन करना चहते थे लेकिन उन्हें हरियाणा में रोका गया । अगर इस सरकार ने केन्द्रीय सरकार की कोई बात माननी थी तो सोच समझ कर मानते । जिस वक्त पंजाब के लोगों को हरियाणा में रोकने की जिम्मेदारी लगाई गई तो इस सरकार को सोचना चाहिए था कि प्रजातंत्र में लोगों के क्या अधिकार हैं? सरकार ने प्रजातंत्र के. अधिकारों को कुचलने के लिए मन मर्जी के अधिकार दे दिये गये । इस झगड़े का यह भी कारण है कि प्रजातंत्र में उन लोगों के अधिकारों को कुचला गया । मैं इस सरकार से पूछना चाहता हूं जब पंजाब में सरकार

है तो उन्होंने अकालियों को क्यों नहीं रोका । पंजाब की सरकार अकालिंयों को अपने बार्डर पर रोकती, हरियाणा की सरकार ने क्यों रोका? हरियाणा में जो ० टी ० रोड है । जी ० टी ० रोड केवल हरियाणा का हिस्सा नही है । इस रोड पर सारे देश का अधिकार है । इतना ही अधिकार पंजाब को है और इतना ही अधिकार हरियाणा को है । अगर हम राजनैतिक पहलू से विचार करें तो जिस पानी के बंटबारे को वजह से यह कटूता पैदा हुई है उसके साथ–साथ दूसरी बातें भी हैं । उनकी वजह से भो कटूता पैदा हुई है । अनेक बार. फैसले हुए लेकिन उन फैसलों को लागू नहीं किया गया । आप लोगों को पता है कि जब सन्त फत्तेह सिंह ने चण्डीगढ के लिए आमरण अनशन रखा उससे पहले शाह कमीशन ने फैसला दिया था कि चण्डीगढ हरियाणा को दिया जाये । शाह कमीशन के फैसले के बावजूद भी चण्डीगढ पंजाब को दिया गया । जो फैसला शुरू में किया गया था अगर वह ईमानदारी से त्नागू कर दिया गया होता तो आज यह समस्या इतना भयंकर रूप धारण करके खड़ी न होती । जहां तक पानी का ताल्लुक है वह केवल 35 मिलियन एकड़ फीट का है । पंजाब वाले कहते हैं कि ये हरियाणा वाले पहले से ही 19 मिलियन एकड़ फीट पानी ले रहे हैं और 1 6 मिलियन पकड़ फीट का झगडा कर रहे है 18 मिलियन एकड़ फीट पानी हमारा पंजाब वाले इस्तेमाल कर रहे हैं और 8 मिलियन एकड़ फीट पानी पाकिस्तान को जा रहा है । उस पानी का हमने यानी हिन्दु – स्तान सरकार ने 110 करोड़ रुपया पाकिस्तान को दे दिया है । यह पानी तब तक नही रोका जा सकता जब तक थीन डैम न बने । (इस समय सभापतियों की सूचि में से एक सदस्य, श्री सागर राम गुप्ता,

पदासीन हुए) चेयरमैन साहब, मैं आपके जरिए हाउस को यह भी बताना चाहूंगा कि सरकार ने जितना बाद रोकने का प्रयत्न किया है उतना ही बाढ़ से हरियाणा को नुक्सान होता चला गया है । मैं समझता हूं कि बाढ़ से सब से अधिक नुक्सान हरियाणा को हुआ है । यह सब गलत प्लानिंग का कारण है । जो भी डिवैल्पमैंट के काम चाहे वह नहरों का था या सड्कों का था उसकी ठीक ढग से प्लानिंग नहीं की गई । जो नहरों का या सड्कों का काम किया गया है वह पानी के नैचूरल फलो को रोक रेता है नैचूरल फलो का पानी एक नीची जगह जाता है लेकिन गलत प्लानिंग के कारण उस बहाव को रोक लिया जाता है । आज भी हरियाणा का काफी पानी समुद्र में फैका जाता हे । हरियाणा की फसल की 80 लाख एकड़ फीट पानी बाढ़ का बर्बाद करता है अगर उस पानी का ठीक तरीके से प्रयोग कर लिया जाए तो हरियाणा का भला हो सकतें? है । उस बाहु के पानी को ठीक प्रकार से यूटेलाइज करने के लिए आप कोई स्कीम बनायें लेकिन अम्मी तक कोई स्कीम ही नही बनाई गई जिससे उस पानी कौ कन्ट्रोल किया जा सके । हरियाणा के किसानों की बाढ से जिस तरह फसल बरबाद हुई उसी प्रकार शीत– लहर से भी बरबाद हुई है । आज वहां के किसान धरना दिये हुए हैं कि शीत लहर से बरबाद फसलों का मुआवजा दिया जाये लेकिन सरकार इस ओर कोई ध्यान नही दे रही है । दूसरी बात मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जो बाढ़ से हर साल हरियाणा की काफी फसलें बरबाद होतीं हैं उस बाढ़ के 8 मिलियन एकड फीट पानी को जो समुद्र में जाता है, रोककर भिवानी औरं महेन्द्रगढ के रेतीले इलाकों को दे दिया जाये तो एस ० बांई ० एल ० के जिस पानी को लेने का प्रबन्ध

किया गया है, यह पानी उस कमी को पूरा कर सकता है । अगर किसी स्टेज पर यह फैसला हो जाये तो सारी बातें सुलझ जायेंगी । इरीगेशन के लिये जो खर्चा इस बजट में 8 करोड़ रुपया रखा गया है, वह मेरे ख्याल से अकेले एस ० वाई ० एल ० के लिये ही नहीं है । वह दूसरे प्रोजैक्ट्स के लिये भी है । बजट में इसके लिये अगर अलग से पैसा रखा गया हो, तो यह मुझे बता दें । मैं यह मान सकता हूं कि मुझे पता नहीं लगा होगा, आप बता दें कि कितना इच्छा है और बजट में कहां पर रखा है? शायद इनको यहै काम्पलैक्स है कि हमें यह एस० वाई० एल ० नहीं बनवा पायेंगे । अगर इनको यकीन होता कि यह नहर बन जायेगी तो उसके लिये कोई न कोई अलग से या इसी मद में और ज्यादा रुपया रखते । मैं मान सकता हूं कि यह मेरी आंख से ओझल हो गया होगा । लेकिन मेरा कहना यह है कि इनको यह पता है कि यह नहर बननी नही है इसीलिये इन्होंने इसके लिये इस बजट में कोई पैसा नही रखा है । अगर यह नहर पूरी बन जाये तो यह घाटा 47 करोड़ से बढ़ कर 100 करोड़ के करीब पहुंच जायेगा । इनके दिमाग में यह बात है कि अभी यह नहर बननी नहीं है इसलिये इन्होंने इसके जिये अत्री कोई पैसा नही रखा है, जब बनेगी उस वक्त उस का ख्याल यह होगा, हम चाहे कहीं से भी ले आयेगें, खर्च पूरा कर लेगे । मेरा विश्वास है कि अगर यह नहर बननी शुरू हो जाये तो यह घाटा 100 करोड़ से कम नही होगा । मैं यह बताना चाहता हूं कि एस ० वाई० एल ० का जब तक कोई राजनैतिक लैवल पर हल नहीं ढूंढा जाता तब तक इस समस्या का कोई समाधान नही हो सकता । उस वक्त तक यह समस्या ज्यों की त्यो खड़ी रहेगी । चाहे पंजाब हो, दिल्ली हो या

हरियाणा हो, कोई भी पार्टी हो, जब तक सभी पार्टीज एक साथ बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर इस बात का फैसला नहीं करते तब तक किसी प्रान्त का भला होने वाला नहीं है। आज देश में कोई भी ऐसा प्रान्त नही है जिसका पडौसी या साथ वाले प्राप्त से किसी न किसी प्रकार का झगड़ा न चल रहा हो । आज हरेक प्रान्त का दूसरे प्रांत के साथ पानी पर, टैरीटरी परं या किसी और इशू पर झगड़ा है । अग्रेजों की नीति यह थी डिवाईड एण्ड रूल' उसी नीति पर आज भी हमारे देश की सरकार चल रही है । आज भी जाति पाति के अधार पर बंटवारे की नीति लागू है । अंग्रेज बेशक हिन्दुस्तान से चले गये लेकिन आज भी दूसरे हिन्दुस्तानी अंग्रेज हिन्दुस्तान में मौजूद हैं । जब तक हम इस बात से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों की बात नहीं सोचेंगे तब तक देश का भला नही हो सकता । जब केंक हम किसी एक या दूसरे व्यक्ति कां या स्टेट का ही हित सोचेंगे संब ल–क हम किसी भी समस्या का हल नहीं निकाल सकते । हिन्दुस्तान की सरकार को हरियाणा के पानी के विये कोई चिन्ता नहीं है बेशक पंजाब वह पानी पूरी तरह से यूज नहीं कर– रहा है और वह पानी पाकिस्तान में जा रहा है । एक– डे ढ मिलियन एकड़ फीट के करीब पानी हमारा पाकिस्तान में बे कार में जा रहा है । मेरा कहना यह बुश किं यह पानी जिसके लिये हमने आलरेडी पाकिस्तान को 110 करोड़ रपया दिया हुआ है, वहां पर नहीं जाने देना चहिये । पंजाब भी इस देश का एक हिस्सा है और हरियाणा भी इस देश का एक हिस्सा है । दिल्ली में हुई खेलों के ऊपर तो दो सौ करोड़ रुपया खर्च किया जा उकसा है लेकिन थी डैम जो कि 1962 में केवल 8 धै करोड़ रुपये में पूरा हो जाना था अब 800 करोड़ रुपये

करीब में पूरा होगा । यह भी तभी सम्भव है जब पंजाब इसकी आवश्यकता महसूस करे कि यह जरूर जल्दी से जल्दी बनना चाहिये । उससे बिजली पैदा की जा सकती है । जिस वक्त इस का पानी का बंटवारा किया गया तो उस वक्त नीड बेस्ड बंटवारा किया गया था । हरियाणा और पंजाब की आवश्यकताओं के आधार पर फैसला किया गया था । आंख उनको भी ज्यादा बिजली की आवश्यकता है । आज वहां पर राश्ट्रपति शासन लागू है । वहां पर जितने भी प्रोजैक्ट्स हैं वे जल्दी से कम्पलीट किये जा सकते है । हमारी सरकार भी इस बात को मानती है कि हरियाणा के गाढ़े खून पसीने की कमाई ठीक तरीके से इस्तेमाल होनी चाहिये । वे यह कहूंगा कि केन्द्रीय सरकार हमारे खून पसीने की कमाई को लूटने दे रही है । मैं हरियाणा सरकार को यह बताना चाहूंगा कि केन्द्रीय सरकार इसके लिये पूरी तरह से असमर्थ है, नाकामयाब है, और असफल है कि वह वहां पर नहर– बनवा सके । इस असफलता के लिये उसको अपने अन्दर झांक कर देखना चाहिये कि हम इस बारे में क्या करें? इस देश के लोग और हरियाणा के लोग जो इस वक्त उसके ऊपर नजरें लगाये हुए बैठे हैं कि वह कैसे यह नहर बनवाती है, किस प्रकार से काम करती है, यह देखने बाली बात है । वे अपनी पार्टी के हितों की खातिर देश के हितों को नुक्सान न पहुंचाये । जब तक यह नहर कम्पलीट नहीं होगी तब तक न हरियाणा को, न दिल्ली को, न पंजाब को, न किसान को और न ही मजदूर को इसका पूरा फायदा हो सकेगा और न पानी मिलेगा । इसलिये आज देश के हर नागरिक का भविष्य इससे जुड़ा हुआ है । अभार यह पानी– देश के कुछ और भागों में जायेगा तो मैं नहीं समझता कि उससे तरक्की नहीं

होगी । उससे तरक्की होगी । इसके साथ ही मैं यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार को इसके बनवाने के लिये मजबूती के साथ पे श आना चाहिये । पहले भी हमने साढे इक्कीस करोड़ रुपया पंजाब को दिया था और 5 करोड़ रुपया पिछले दिनों और दिया गया है । इस पैसे का ठीक प्रकार से हिसाब–किताब नहीं रखा गया है । इन्दिरा गांधी को ये देश की नेता, संसार की नेता और पना नहीं क्या–क्या कहते हैं य कहते हैं कि हरियाणा के हित उनके हाथों में सुरक्षित हें । किसी के हाथों में सुरक्षित एक कोने में रखकर कैसे काम चलेगा? इससे बड़ी एक नेता की और क्या तौहीन हो सकती है कि उसके फैसले को इम्पलीमैंट न किया जा सके? वहां पर एक इंच भी जमीन की खुदाई नहीं हुई है । चाहे शाह कमीशन के बाद चंडीगढ़ का फैसला हो या पानी का फैसला हो, बार–बार फैसला करने के बाद भी उस फैसले को लागू नहीं किया गया । हरियाणा सरकार ने इस बात की रट लगा रखी है कि प्रधान मंत्री के हाथों में हरियाणा के हित सुरक्षित हैं । जब शाह कमीशन के चंडीगढ़ अवार्ड को उलट कर पंजाब को दिया गया था तब भी हम उस अवार्ड को इम्पलीमैंट नहीं करा पाये । ईससे. बड़ी अयोग्यता किसी सरकार की नहीं हो सकती है । हमें इस सरकार की नीयत पर संदेह है! इन दोनों चीजों में से एक' बात अवश्य है या तो यह सरकार अयोग्य है या इस की नीयत ठीक नहीं है । जब तक सभी राजनीतिक पार्टियों से राजनैतिक मूददो पर एक साथ बैठकर बातचीत द्वारा हल नही किया जायेगा तब तक इस देश की और प्रदेश की प्रगति नहीं हो पायेगी और हमारे हित इसी तरह पिसते रहेंगे । एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि जितने भी कदम अब तक हरियाणा सरकार ने

उठाये हैं । वे केवल बातों के ही उठाये हैं बातों के अलावा और कुछ नहीं कर पीवी है । हम बातें करने के अलावा एक ईन्च भी आगे नहीं बढ़ पाये हैं । प्रधान मंत्री ने पत्थर रखा और जगह पर आज तक एक ईन्च भी खुदाई न हो, यह बहुत बुरी बात हे । उनका यह अपमान है अगर उनमें थोड़ा बहुत भी समझ का मादा है और मानवता है तो उसको पूरा कराने के लिये भाई चारे से पंजाब के लोगों को, दिल्ली के लोगों को और हरियाणा के लोगों को आपस में बैठाकर फैसला कराएं ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला: आन ए प्वायट आफ आर्डर, सर चेयरमैन साहब, आर्य साहब ने प्रधानमंत्री जी के बारे में कहा है कि अगर उनमें थोड़ी सी भी समझ का मादा है और मानवता है । ये शब्द एक्सपंज होने चाहियें ।

श्री सभापति : यह कोई अनपार्लियामैंट्री नहीं है । (अपोजीशन की तरफ से थम्पिग) इसमें मेजे थपथपाने की कोई बात नहीं है । It is only the unparliamentary portion which is to be expunged. Since there is nothing unparliamentary in it, this will not be expunged.

12.00 बजे

श्री हीरा नन्द आर्य: सभापति जी, सुरजेवाला जी से मैं यह पूछना चाहूंगा कि अब तक मासिवाये इसके कि हरियाणा के गाढे खून पसीने की कमाई से पंजाब सरकार ने 3400 इंजीनियरों को लगा दिया और आश्वासन देने के अलावा आप क्या कर पाये हो । आप केवल

बातों–बातों में ही रह गये, आप कुछ भी नही कर पाये । अब भी समय है, अब भी आप कुछ कर दिखाओ । हम इस बात से आगे नहीं बढ पाये हैं । लातों के भूत बातों से नहीं मानते । उनक। क्या बिगडेगा । बिगडेगा हरियाणा के लोंगों का । हरियाणा के लोगों को अगर जिन्दा रखना है तो इसको जल्दी कम्पलीट करवायें । अगर जल्दी ही न बनाया गया तो आने वाली पीड़ियां, हमें कभी माफ नहीं करेगी । इसलिए अगर हम कुछ बनना चाहते हैं, देश के अच्छे नागरिक बनना चाहते हैं और हरियाणा के हितों की रक्षा करना चाहते हैं तो हमें अपनी कुर्सियों से अस्तीफा देकर प्रधान मन्त्री के पास, केन्द्रीय सरकार के पास चलना चाहिए 'और वहां जाकर उनको मजबूर कर देना चाहिए कि इस नहर को जल्दी से जल्दी बनवाए । पिछले दिनों पंजाब में धारा 144 लगाई गई लेकिन क्या उस का पालन किया गया? सरकार की तरफ से इस धारा का उलघंन करने वालों के खिलाफ क्या कोई ऐक्शन लिया? जब हरियाणा में आन्दोलन हुआ था तो उस वक्त लौगों के साथ कितनी ज्यादती की गई । लोगों के टैरक्टर खत्म कर दिए। यह सब कुछ पंजाब में भी हो सकता था अगर सरकार कुछ करना चाहती । अगर हम वाकई ईमानदारी से काम करना चाहते हैं तो आइए सब मिलकर वहां चलें और केन्द्रीय सरकार को मजबूर करें कि हमारा हक हमें दिया जाए । देश की सरकार ने एक फैसला किया है तो उस फैसले को लागू करें । अगर सरकार नहीं करती तो इसका मतलब यह हु किं केन्द्रीय सरकार धोखा करती है । इन शब्दों के साथ मैं अपनी स्पीच खत्म करता हूं और निवेदन करता हूं कि एक कमेटी बनाकर जन आन्दोलन तैयार करें जिससे कि हरियाणा का कल्याण हो ।

पशुपालन राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह): चौयरमैन साहब, अभी हमारे दोस्त बोलते हुए कह रहे थे कि पंजाब से जो नहर हरियाणा में आनी हैं इसकी हमारी सरकार नहीं ला सकती । मैं सदन को बताना चाहता हूं कि अगर भजन लाल की सरकार इस पानी को नहीं ला सकती तो कोई और सरकार भी नहीं रग सकती । जितनी मेहनत और कोशिश हर लेवल पर भजन लाल की सरकार ने की है उतनी कोई और सरकार नही कर सकती । इस कोशिश में हमारे अपोजीशन के भाई भी शामिल थे इसके लिए मैं इनकी दाद देता हूं लेकिन आप समझ सकते हैं कि पंजाब के हालात ऐसे हैं जिनमे कोई भीं भाई कुछ नहीं कर सकता । चेयरमैन साहब, चौधरी देवी लाल ने कहा था कि मैं बादल साहब से मिलकर इस नहर को लाऊंगा लेकिन वे नहीं ला सके ।

चौधरी नरसिंह ढांडा: आन ए प्वाएंट आफ आर्डर सर । चेयरमैन साहब, माधौ जी बता रहे हैं षि. चौधरी देवी जलि ने इस नहर को हरियाणा में लाने का कम क्यों नही किया । चौधरी देवी लाल जी इस नहर के केस को सुप्रीम कोर्ट में ले गए लेकिन मौजूदा सरकार ने उस केस को सुप्रीम कोर्ट से वापिस लिया और कपुरी गांव में इसका उद्घाटन करवाया । अगर यह सब न होता तो कोई न कोई फैसला जरूर होता ।

श्री सभापति: यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है ।

चौधरी लाल सिंह : चौयरमैन साहब, मैं कह रहा था कि भजन लाल की सरकार ने इस नहर के लिए बेहद कोशिश की है और लोगों को पूरा विश्वास है कि सिर्फ भजन लाल की ही सरकार किसान के खेतो में पानी दिला सकती है । मेरी यह दरखास्त है कि जब भी यह नहर चालू हो तो इस नहर को अम्बाला, नारायणगढ और कालका के साथ जरूर जोड़ा जाए । क्योंकि इस इलाके में गहरे ट्यूबवैल्ज लगते है और गरीब किसान गहरे ट्यूबवैल नहीं लगा सकता । इस इलाके में पानी का औंर कोई साधन नहीं है । इसलिए मुझे आशा है कि श्रीमती इंदिरा गांधी, भजन लाल और आप सब की मेहरबानी से यह पानी जरूर आएगा ।

श्री मनफूल सिंह : आन ए प्वायंट आफ आर्डर चौयरमैन साहब, मन्त्री जी प्रधान मत्री का नाम ले रहे हैं जो ड़ि हाउस में मौजूद नहीं हैं । मन्त्री जी पानी के मसले पर बोल रहे हैं । चेयरमैन साहब, भे कहना चाहता हूं कि पानी का मसला इस तरह से पूरा नहीं हो सत्ता । अगर ये चौधरों चरण सिंह के साथ रहें और उनके गुण गाएं तो पानी ही पानी हो जाएगा ।

श्री सभापति : यह प्यायंट आफ आर्डर नहीं है ।

चौधरी लाल सिंह : चौयरमैन साहब, इस देश के अन्दर जो कुछ हो रहा है वह इनको भी पता है और आपसे भी कोई बात छुपी हुई नहीं है । क् इनको एक बात बताना चाहता हूं कि जो पानी पाकिस्तान जा रहा है उस पानी को अगर ये हरियाणा में लाना चाहते

हैं और अगर इनको हरियाणा के साथ हमदर्दी है तो ये भाई मेरे साथ चलें जहां नहर खुद रही है ता कि इनको पता लग जाए कि कौन सी सरकार क्या कर रहा है । चौधरी साहब ने भारत सरकार से मिलकर प्रधान मन्त्री से उसका उद्घाटन करा दिया है । काम चालू करा दिया है लेकिन पंजाब के हालात ने उस काम को आगे बढ़ने से रोक दिया है । अगर पंजाब के हमारे दोस्त, पंजाब के हमारे भाई यह सोच लें कि जो पानी पाकिस्तान को जां रहा है अगर वह पानी अपने छोटे भाई ' हरियाणा के पास आ जाए तो इसमें क्या हर्ज है । चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा पंजाब के भाईयो से दरखास्त करता हूं कि जो पाकिस्तान को पानी जा रहा वह पानी अपने छोटे भाई को दे दें । अगर मेरे वे भाई चाहें तो यह नहर कम्पलीट हो सकती है इसके लिए हमारी सरकार रात दिन काम कर रही है । हमारे मन्त्री और मुख्य मन्दी । भारत सरकार के पास जाकर अपना केस बड़ी मजबूती के साथ रखते हें और इसका नतीजा यह है कि भारत सरकार इस मामले पर गौर कर रही है । सुरजेवाला साहब भी ओर मु क्य मन्डी जो प्री कोशिश कर रहे हैं कि किसी भीं तरह से यह पानी हरियाणा को मिलना चाहिए । चेयरमैन साहब, जब यह पानी हरियाणा में आ जार गा तो यही अपोजीशन के भाई कहेंगे कि लाल सिंह जो कह रहा था वह सच था और हम जो कह रहे थे वह गल्त था । चेयरमैन साहब, आप तो वकील है, सुलझे हुए आदमी हैं । आप तो जानते हैं कि पानी न लाने में इस सरकार का क्या कसूर है । पानी लाने के लिए सरकार पुरजोर कोशिश कर रही है । हम अपने हक के लिए लड़ रहे हैं । मैं अपने विरोधी पक्ष के भाईयों से कहना चाहता हू कि बजाए विधान सभा में समय वैस्ट करने के अगर

उनके पास किसी किस्म की ताकत है तो उस ताकत को इस नहर के लाने में लगाए । अगर अपोजीशन के भाईयों के पास कोई ठोस सुझाव है कि इस तरीके से हरियाणा के अन्दर पानी आ सकता है तो वे अपना सुझाव दें । अगर हमारी कोशिश में कोई कसर बाकी है तो बताएं कि कौन सी कसर है जिसको पूरा करने से पानी हरियाणा में आ सकता है । कोई सुझाव दें, कोई रास्ता निकाले जिससे कि कोई हल निकल सके । हम इनकी बात को मानेंगे । मैं सदन का ज्यादा समय न लेता हुआ यही अर्ज करना चाहूंगा कि चाहे विरोधी पक्ष के भाई हैं या इधर के भाई हैं सब को मिलकर इस काम में हाथ बटाना चाहिए । यह सब का काम है । इससे हर आदमी का जो हरियाणा में रहता है, भला होने वाला है । इसमें ये भाई जितनी नुक्ताचीनी करेंगे उतना ही काम खराब होगा । चेयरमैन साहब, रावण कभी नही मरता अगर विभीक्षण ने उसका भेद न बताया होता । जब उसने भेद बताया तभी गड़बड़ हुई । इसलिए इस नहर का भेद खोलने की कोशिश न करें और इस नहर को हरियाणा में लाने के लिए कोशिश करें । चेयरमैन साहब, ऐसी बातें करने से विरोधी दल के भाईयों को मेरे विचार में कोई फायदा होने वाला नहीं है । इसका कोई रिजल्ट नहीं निकलेगा । इन सब बातों को छोड़कर विरोधी पक्ष के लोगों को भजन लाल सरकार के हाथ मजबूत करने चाहिए ताकि इस नहर को हरियाणा की तरफ लाया जा सके और इस नहर के पानी से हरियाणा के लोगों को भी फायदा हो सके । हमारे हरियाणा में बहुत से इलाके ऐसे हैं जैसे कि महेन्द्रगढ़ और अम्बाला जिलों का इलाका है, जिसको इस पानी की काफी जरूरत है, ये इलाके वैसे ही पिछड़े हुए हैं । इसलिए मैं आपके माध्यम से इनको

यह कहना चाहता हूं कि ये इस तरह की नुक्ताचीनी को। छोडे कीचड़ न उछाले. .....

श्री सभापतिः चौधरी लाल जी ऐसे। बात न को । झूठ वाली बात कार्यवाही में से निकाल दी जाए तथा रिकार्ड न की जाए ।

चौधरी लाल सिंहः ठीक है जी, झूठ न सही, मैं गला नहीं कहता इन्हें गल्त बात यहां सरकार के खिलाफ नहीं करनी चाहिएं । आप इन्हें समझाएं कि इन्हें इस तरह की बातें नही करनी चाहियें और ये सरकार का इस मामले में साथ देवें । अगर चेयरमैन साहब, यह नहर हरियाणा में आ जाए तो मैं दावे के साथ यह कह सकता हूं कि जो लोग रोजगार के लिये अमरीका और कनेडा में जाना चाहते हैं और पासपोर्ट उठा–उठा कर फिर रहें हैं, वे बाहर जाने का अपना ख्याल बिल्कुल त्याग देंगे कि अब हमें बाहर जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि अब हमारा हरियाणा खुशहाल हो गया है बल्कि और लोग बाहर से भी हरियाणा में आएंगे कि चलो भाई हरियाणा में चलें । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं और अपना स्थान लेता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया । अन्त में मैं फिर यही कहूंगा कि इस पानी को अगर कोई सरकार हरियाणा में ला सकती है तो वह केवल भजन लाल सरकार ही है । धन्यवाद ।

श्री मंगल सैन (रोहतक) : सभापति जी, मस्ती जी ने अपने भाषण में बोलते हुए काफी कुछ कहा । ऐसा लग रहा था कि जैसे लोग कहा करते थे कि 1947 के बाद ऐसे सभी लोग चले गये लेकिन

ऐसा लगता है कि कुछ लोग यहां रह गये जो कि लोगों का मन बहलाया करते थे । (हंसी)

श्री सभापति : डाक्टर साहब, हयूमर तो आप क्रिएट करें लेकिन थोड़ा सा ठीक ढंग से शब्दों का प्रयोग कीजियेगा ।

श्री मंगल सैन : चेयरमैन साहब, स्पीकर साहब के कहने पर हमने आज का एम०एल०ए ० पिक्चर देखी और शायद चौधरी शमशेर सिंह द्वारा आयोजित क्वालियों का प्रोग्राम भी हुआ लेकिन हमे अफसोस है कि हम उस प्रोग्राम को सुनने के लिये नहीं आ सके । ऐसा एकाध और प्रोग्राम हो जाता तो अच्छा होता और उसमें थोड़ा बहुत रोल चौधरी लाल सिंह का भी हो जाता तो और अच्छा होता (हंसी एवं शोर) बात बिल्कुल स्पष्ट कहनी चाहिए चेयरमैन साहब, मैं गलत नही कह रहा हूं, सही बात कहने में किसी बात का संकोच नहीं करना चाहिये ।

चेयरमैन साहब, एक बड़ा ही महत्वपूर्ण विषय सितम्बर सैशन से अब तक यहां चल रहा है । इस एस ०वाई ०एल ० के विषय पर ट्रेजरी बैन्चिज और अपोजीशन बैन्चिज की तरफ से हमें बड़े अच्छे–अच्छे विचार सुनने को मिले । अच्छी–अच्छी युक्तियां सुनने को मिलीं और सभी दृष्टियों से यहां सदन को समझाया भी गया । सभी ने अपना अपना दृष्टिकोण यहां सदन में रखा । बटवारे के बाद सबसे पहले पाकिस्तान से नेगोशीएशन करके 'इंडोवाटर ट्रीटी' के तहत 110 करोड़ रुपया हिन्दुस्तान ने पाकिस्तान की सरकार को देना था और वह पानी काट कर नये चौनल से होकर इधर आना था लेकिन अब तक वह

पानी इधर नहीं मिला है । चेयरमैन साहब, आप भी जानते हैं किं इस काम में आज तक डिले होती रही और इसी सम्बन्ध में कई कमेटियां भी बैठीं । पंडित श्रीराम शर्मा की कमेटी व फूड कमेटी इस काम के लिये बनाई गयीं लेकिन सब व्यर्थ । चेयरमैन साहब, जो मौजूदा पंजाब है, इसका तो इस पान से कोई सम्बन्ध ही नहीं था । पानी तो महेन्द्रगढ़, भिवानी और झज्जर के एरिया में लाने के लिये यह सब कुछ किया गया था क्योंकि इस तरफ हमारे पास कोई ऐसे साधन नही थे । उस वक्त यह ऐग्रीमैन्ट हुआ और जब यह केस वर्त बैंक के सामने गया तो पंजाब वालों का उसमें जिकर ही नही था लेकिन साहब, 'माईट इज राईट', यानि जिसकी लाठी उसकी भैस वाली कहावत सुना करते थे कि कभी ऐसा हो भी सकता है लेकिन आज तो यह देख भी रहे हैं और यह हो भी रहा है । आपको सभापति जी पता होगा कि 1976 में इस तरह का एक ऐग्रीमैन्ट चौधरी बंसी लाल जी के राज में हुआ था, हम तो उस समय, चेयरमैन साहब भिवानी के मुख्यमन्त्री जी की नजरे इनायत्त पर करनाल जेल में बंद थे । ऐसी गन्दी जेल थी वह कि कुछ न पूछो । आपके गहरे दोस्त भी हमारे साथ जेल में थे । उस समय इन्होंने समझौता कर लिया, पंजाब में उस समय ज्ञानी जैल सिंह जी मुख्यमन्त्री थे और श्रीमति इन्दिरा गांधी देश की प्रधानमन्त्री थी और पानी का जो 3.5 एम ०ए ०एफ० हिस्सा हरियाणा के लिये तय हुआ था, वह फैसला आज तक भी लागू नहीं हुआ है । इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया । यह बात ठीक हैं कि हमारा जनता पार्टी का राज थोड़े समय के लिये रहा । अगर हम भी कांग्रेस की तरह 30 साल सता में रहते तो शायद यह नौबत न आती, कुछ हमारे में भी

कमियां थीं । चार पांच पाटियों को मिलाकर एक पाटी बनायी गई थी । उनकी आपस में न बन सकी क्योंकि अलग अलग मिजाज के आदमी इकट्ठे हो गये थे तो यह काम सिरे न चढ़ सका । अगर हमें काफी साल रहने का मौका मिलता तो शायद हम इस काम को सिरे चढ़ा देते । फिर उसके बाद आज की रूलिंग पाटी की ओर से इलैक्शन स्टंट रचा गया । सभापति जी आप तो अच्छी तरह से जानते हैं कि रूंलिग पाटी हर मौसम में चुनाव करवाती है 1972 में इन्होंने कहा था कि हम गरीबी हटाएंगे, लोगों को गुमराह किया गया और वोट हासिल किये गये । यह कहा गया कि सरकार लोगों की भलाई के, लोगों की बहबूदी के काम कर रही है और फिर उसके बाद 1978 में गरीब लोगों की झोपड़ियों पर बुलडोजर फिरवा दिया तभी हम सत्ता में आये । उसके बाद 1982 में फिर इलैक्शन करवा दिये गये और कहा कि इस बार ऐसी सरकार होगी जो कि लोगों के लिये काम करेगी सभापति जी, काम तो हो रहे हैं, लोग दिन दहाड़े गोलियों से भूने जा रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान) दिल्ली गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान श्री मनचन्दा जी की दिन दहाड़े' गोली गार कर हत्या कर दी गयी

श्री सभापति : डाक्टर साहब, आप कृपया एस० वाई ०एल० के सबजैक्ट पर ही बोले । आप इस सबजैक्ट से बाहर जा रहे हैं ।

श्री मंगल सेनः सर, मैं बिल्कुल सबजैक्ट पर ही बोल रहा हूं । मैं बिल्कुल ही रेल वैन्ट हूं, सर । चेयरमैन साहब, जिन लोगों की गल्त नीतियों के कारण आज हमारे काम में बाधा आ रही है, जिस कारण से आज हमें इस नहर का पानी अपने हिस्से का पानी नहीं मिल

रहा है, कम से कम उन को तो मूझे कन्डम करने दीजिएगा । जिन जालिमों के जुल्मों के कारण आज ऐसा वातावरण सारे देश में फैल गया है, कम से कम उनके बारे में तो मुझे अपनी बात कहने दीजियेगा । चेयरमैन साहब, अगर मैं अपनी बात न कहूंगा तो मैं अपने फर्क से कोताही करूंगा और आने वाली जनता के सामने मैं मुजरिम हूंगा, गुनाहगार हूंगा । इसलिए मुझे अपनी बात वस्ने का पूरा पूरा हक है । उन लोगों के खिलाफ जिनके कारण आज यह नहर नही ' खुद रही है, क्या मैं पूछ सकता हूं कि आज हरियाणा को पानी विस लिये नही मिल रहा है, क्या हमने किसी की भैंस चुरा ली है? वह पानी पाकिस्तान में जिया के रिश्तेदारों को जा रहा है । हरियाणा में रहने वोले ढिल्लों, मान और उनकी बरा दरी के लोगों को पंजाब वाले खुश तथा मालोमाल नहीं करना चाहते । चेयरमैन साहब, इस आतंकवाद ने ही वास्तव में यह समस्या खड़ी कर रखी है । आज कुछ लोग बेगुनाहों को मारने में बहुत अश्वस्त हो चुके हैं । पहले कभी अगर खबर छपती थी कि फलां जगह लाठी चार्ज हुआ है तो बडा अचम्भा होता था लेकिन आज अगर गोलियों से 6 आदमी मार दिये जाते हैं तो लोग कहते हैं कि आज का स्कोर तो 6 का ही है आगे की खबर पढ़ो । मै जानना चाहता हूं कि क्या कारण है नहर क्यों नहीं खुद रही? दो साल हो गये प्रधान मन्त्री जी ने इस नहर का खुद शिलान्यास रखा था । उस समय भजन लाल और शमशेर सिंह जी ने कहा था कि अगर दो सालों में नहर न खुदी तो हम अस्तीफा दे देंगे । कहां गया वह अस्तीफा? यह उनके मुंह पर. एक' तमाचा लगा हे । एक मैम्बर ने तो यहां तक कहा कि यह नहर तो बन ही नहीं सकती । पता नहीं वे ऐसा क्यों कहते हैं?

क्या वे हरियाणा सरकार को कमजोर समझते हैं या हरियाणा के आवाहन पर अकालियों की प्रोटैक्शन करते हैं? वे तो लम्बे रास्ते पर चल पड़े । अगर अकाली यह समझते हैं कि हरियाणा के लोग कायर हैं, बुजदिल हैं या उनमें शक्ति नहीं है तो मैं उनको बताना चाहता हूं कि अगर पंजाब का आदमी फौज में भर्ती होकर देश की रक्षा करता है तो हरियाणा के लोग भी फौज में भरती होकर देश की सेवा करते हैं । अगर पंजाब के लोग खेती करके अनाज पैदा करते हैं तो हरियाणा के लोग भी इस मामले में कम मेहनती नहीं हैं । मैं बताना चाहता हूं कि इस मामले में रुकावट कौन डाल रहा है।

मेरा इल्जाम यह है कि सैटर में भी कांग्रेस की सरकार है, पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार है और यहां तो भजन लाल जी अलट्रा कांग्रेसी हैं ही । तो तीनों जगह जब कांग्रेस की सरकारें हों और फिर भी नहर न खुदे । इसका मतलब यह हुआ कि तीनों सरकारें कमजोर हैं जिनमें किसी तरह का साहस और दम नहीं है और या फिर इनकी नीयत खराब है । इन दोनों बातों में से एक बात यह डिमांड करती है कि इनको गद्दी छोड़ देनी चाहिए । इनको गद्दी पर बैठने का कोई अधिकार नहीं है । इन्होंने आवाम से यह कह कर वोट मांगे थे कि हम तुम्हारे खेतों को पानी लाकर देंगे लेकिन उस वायदे को यह पूरा नहीं कर सके । आखिर किसी चीज की कोई लिमिट होती है सभी ने भगवान के सोमने जाकर जान देनी है, क्यों ये गलत बात बोल रहे है (विध्न) चेयरमैन साहब, आखिर वह कौन सी रूकावट है कि नहर नहीं खुद रही है । जिस जगह पर हिन्दुस्तान की वजीरे आजम ने पत्थर

रखा हो उस पत्थर को आज गधे अपनी खाज मिटाने के लिये रगड़ रहे हो, क्या यह शोभा की बात है? चाहिए तो यह था कि अश्व तक नहर खुद कर तैयार हो जाती । सुरजेवाला जी ने कहा कि हम अब तक 25 करोड़ रुपया पंजाब को दे चुके हैं लेकिन अब तक काम कुछ भाई नहीं हुआ है । तो हें उनसे जानना चाहता हूं कि इसका कारण क्या है? सुरजेवाला जी आपकी बात प्राइम मिनिस्टर क्यों नहीं मानती हैं । जब ये बोलते हैं तो कहते हैं कि प्राइम मिनिस्टर के हाथों में हरियाणा के हक महफूज हैं । चेयरमैन साहब, शाह कमिशन ने चण्डीगढ हमको दिया था लेकिन चण्डीगढ हमें मिलने की बजाये हरियाणा के नौजवानों के सीनों पर गोलियां चलीं । तो क्या मैं पूछ. सकता हूं कि प्रधान मन्त्री श्रीमति इन्दिरा गांधी के हाथों हरियाणा के हितों की सुरक्षा का यही सबूत है? उन्होंने खुद अपने हाथों से नहर की नींव डाली लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ । आज भारत सरकार में बेगुनाहों का काल करने वाले और इनोसैट लोगों को मौत के घाट उतारने वाले लोगों को पकड़ने की हिम्मत नहीं है । चेयरमैन साहब, आज का विषय लग एंड आर्डर का नही है लेकिन शर्म के मारे हमारा सिर झुक जाता है कि इस देश का क्या होगा । पानी, सड़क । मकान और जायदाद तो आते जाएंगे लकिन जो लोग देश की प्रभुसत्ता पर हमला करते हैं उसे हम हरगिज बर्दाश्त नहीं करेगे । अकाली अब पंथ अजाद सप्ताह मनाने जा रहे हैं कि हम हिन्दुस्तान से अलग होना चाहते हैं । सभापति महोदय, इस मामले पर विपक्ष और सत्तारूढ दल की एक राय होनी चाहिए । यह 1947 नहीं हे बल्कि वर्ष 1984 के मार्च महीने की 29 तारीख है । अब दुनिया की कोई बड़ी से बडी ताकत भी इस प्यारे भारत का बंटवारा

नहीं कर सकती । चेयरमैन साहब, मैं इस फोर्म से यह भी कहना चाहता हूं कि इन बदहवस लोगों का, जिनको बासी कढी का स्वाद आया हुआ है, मुकाबिला करने के लिये बड़ी से बड़ी कुर्बानी दी जाएगी । उनका ऐसा मनहूस इरादा पूरा नहीं होने दिया जाएगा । सरकार को हिम्मत करनी चाहिए । चेयरमैन साहब, हमारे डिप्टी स्पीकर साहब के ऊपर हमला हो और मुलजिमों को अभी तक नहीं ढूढा गया हो और फिर ये कह रहे थे कि हम इज कर देंगे उंज कर देंगे । आज जी०टी रोड पर चलने वाले की जान सुरक्षित नहीं है । चेयरमैन साहब, क्या कहें और कहां कहें, यह हमारी समझ में नहीं आता । आज की स्टाइल चल रहा है । चेयरमैन साहब, मै बड़े अरब के साथ प्रार्थना करना चाहता हू कि कई हमारे मित्र बड़ी गलती कर जाते हें जब वे कहते है कि साहब उनके साथ बैठ कर कुछ समझौता करना चाहिए औररू मेज पर बैठ कर कुछ लेन देन कर लेना चाहिए । चेयरमैन साहब, मैं इस प्वायंट पर बड़ा क्लीयर हूं कि देश की सौवरनिटी, इंडीपैडैसं और लिब्रिटी नैगोशिएबल नही है, इस पर वार्ता हैं, इस पर वार्ता नहीं हो सकती । चेयरमैन साहब, मां का रिश्ता ऐसा है कि उसको घर वाली बनाने का मसला नहीं हो सकता, उस पर कोई नैगोशिएशन नहीं हो सकती गांव तो इधर उधर हो सकते हैं लेकिन देश की आजादी और प्रभुसत्ता पर हमला हो, यह नहीं हो सकता । हिन्दुस्तान की प्रधान मली को हम कहना चाहते हैं कि सौवरनिटी को नैगोशिएट मत कीजिए और जो लोग अण्डरमाइन करना चाहते हैं उनको कहो कि तुम्हारी जगह सलाखों के पीछे है । देश से बगावत करने वाले. और देश को मिट्टी में मिलाने वालों का हिन्दुस्तान में मु ह नहीं दिखना चाहिए । मै निवेदन करना चाहता हूं

कि अगर हमारे मुश्तिकल इरादे होंगे तो बहिन इन्दिरा गांधी को पता. लगेगा कि हरियाणा की असैम्बली में जोर शोर से यह बात कही गई है कि सैंटर खुद नहर खुदवाए, हम पंजाब सरकार पर भरोसा नहीं करते । पंजाब ने हमारा कितना दीवाल।' पीटा है । इस नहर को हमारे सामने केन्द्र की सरकार बनाए । ठीक ढंग से बनाए और खर्चा भी ठीक ढंग से करे । यह नहीं कि माले मुक्त, दिले बेरहम । हरियाणा के गरीब मजदूर, गरीब आवाम के गाढे खून पसीने की कमाई के पैसे को मगर–मच्छ डकार जाएं और सिंचाई मन्त्री जी बड़े बेबस हो कर यह कहें कि हमारी बड़ी मजबूरी है इसमें कोई मजबूरी की बात नहीं है यह हिस्टोरीकल इवन्ट है । चेयरमैन सहाब, हम सब का फर्ज बनता है और आज हम इस जमाने में अपना फर्ज निभाते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए यह मिसाल कायम कर जाए कि देश में डिसइन्टीग्रेशन की फोर्सिज ने सिर उठाया था, सब ने आपस में मिलकर के उनको कुचल डाला । यह देश एक है, एक रहेगा, अखण्ड रहेगा और इसको तोड़ने का सवाल ही पैदा नहीं होता । हमारे जोहक हैं वे हमें मिलने चाहिएं, हर हालत में मिलने चाहिएं । इन शब्दों के साथ चेयरमैन साहब मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं । धन्यवाद ।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी) : चेयरमैन साहब, सदन के अन्दर एस ० वाई ० एल ० नहर के बारे में चर्चा चल रही है इस सिलसिले में मैं यह कहना चाहूंगा कि इस नहर का पानी हरियाणा में आना है उस पानी में अम्बाला के लोगों का भी हिस्सा है । अम्बाला की धरती भी उसी तरह से प्यासी है जिस तरह से बाकी हरियाणा की

धरती प्यासी है । चयरमैन साहब, अम्बाला के इल। के से जितनी भी नहरें गुजरती है उनका पानी अम्बाला के इलाके को नहीं मिलता लेकिन इस शहर के मुकम्मल होने पर हमें पानी का हिस्सा जरुर मिलेगा । यहां पर बार–बार यह कहा जातें। है कि पंजाब को पांच करोड रुपया दे दिया और कभी साढ़े 20 करोड़ रुपए देने का जिक्र आता है । मैं इस बारे में यह कहना चाहूंगा कि जो पांच करोड रुपया इस नहर केलिए दिया गया है वह जो जमीन एक्वायर की गई है उसके लिए दिया गय? है । यदि जमीन एक्वायर नही होगी तो नहर कैसे खुदवाए गे । चेयरमैन साहब, मैं यह कहना चाहूंगा कि एस० वाई ०एल ० नहर की खुदाई का काम भारत सरकार अपने हाथ में लें ले ताकि नहर की खुदाई का काम मुकम्मल हो सके । रावी व्यास दरिया का जो 35 लाख एकड़ फीट पानी हरियाणा को मिलने वाला था उसके लिए हरियाणा ने अपनी टैरीटरी में चौनल तैयार कर लिया है और उस पर भी काफी पैसा खर्च हुआ है लेकिन जब तक एस० वाई ० एल० नहर का चौनल पंजाब में मुकम्मल नही होगा तब तब तक हरियाणा में वह पानी नहीं आएगा । जब तक हरियाणा में पानी नहीं आएगा तब तक जो चौनल हरियाणा में बनाया गया है वह भी बेकार पड़ा, रहेगा । इस बारे में हमें सोचना चाहिए कि कौन से ऐसे हालात हैं जिनके कारण इस नहर की खुदाई का काम शुरू नही रहा हो है । लडाई झगड़ा करने से नहर की खुदाई का काम शुरू नही हो सकता । हमें इस नहर की खुदाई के लिए ऐसा सोच विचार करना चाहिए जिससे इसकी. खुदाई शुरू हो जाए और हरियाणामें इसका पानी आ जाए । चेयरमैन साहब, पंजाब में रावी व्यास के पानी की वजह से. धरती दलदल हो रही है और

हरियाणा में पानी की कमी के का श्य कहत और सूखा पड रहा है तथा वह पानी पाकिस्तान को जा रहा है । इसलिये मैं कहना चहता हूं कि पंजाब वालों को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए, यदि उसके छोटे भाई हरियाणा को वह पानी मिल जाए । चेयरमैन साहब, इस बारे में में एक बात और कहना चाहता हूं कि जब दोभाइयों का बंटवारा होता है तो बड़े भाई को किसी चीज केबारे में तकलीफ नहीं होनी चाहिए । यह नही होना चाहिए कि एक भाई को रुपए में से 48 पैसे मिल गए और दूसरे को 52 पैसे मिल गए तो वे अपनी सारी जिन्दगी मुकद्दमें बाजी में गुजार दें । ऐसा नहीं होना चाहिए । यदि किसी को थोडा बहुत फायदा न हो तो उसको इस तरह से नहीं करना चाहिए । एस० वाई ० एल ० नहर के मामले में भी ऐसा ही हो रहा है क्योंकि पंजाब वाले इस नहर का पानी हरियाणा को नही देना चाहते हैं । वे यह नहीं चाहते हैं कि इसका पानी हरियाणा को मिले और उसको थोड़ा बहुत फायदा हो । चेयरमैन साहब, मैं समझता हूं हरियाणा सरकार ने अब तक इस नहर की अपनी टेरीटरी में खुदाई के लिए 140 करोड़ रुपया खर्च किया है और हरियाणा के अन्दर एक एक ईन्च चौनल तैयार हे लेकिन पंजाब की टैरीटरी में अब तक नहर की खुदाई का काम शुरू नहीं हुआ है । एल ०वाई० एल ० यह के बारे में जितने भी ब्यान हमारे मुख्य मन्त्री चौधरी भजन लाल जी ने दिए हैं उन्होंने उनमें कभी भी कमजोरी नहीं दिखाई है और हम आयंदा आशावादी हैं कि हरियाणा के हितों के लिए कभी भी ऐसे कमजोर ब्यान नहीं देंगे जिससे हरियाणा का नुक्सान हो । एस० वाई० एल० नहर का पानी हरियाणा की जिन्दगी है और हरियाणा की जनता को यह उम्मीद है कि उस नहर का पानी जब भो हरियाणा

में आएगा हमारी उपज बढेगी और उससे हरियाणा को काफी लाभ होगा । हरियाणा एक कृाइ ब प्रधान प्रदेश है इसमें कोई दो राय नहीं है । हरिंयाणा में पानी की जरूरत भी बहुत ज्यादा है । पंजाब के मुकाबिले में हरियाणा एक छोटा सा बच्चा है । यह 1 नवम्बर, 1966 को बना था और आज 1984 आ गया है इस थोड़े से अन्हें में हरियाणा ने जो प्रगति की है उसमें कोई दो राय नहीं है । हरियाणा प्रगति करने में हिन्दुस्तान में नम्बर– एक पर है । (शोर)

श्री हीरा कर आर्यः यह भी कह दो कि ....(शोर एवं विध्न)

श्री सभापतिः यह रिंकार्ड न किया जाए ।

सेठ राम दास धमीजा : चेयरमैन साहब, जिस समय आर्य साहब शिक्षा मन्त्री थे उस समय अम्बाला छावनी की एक दुकान से स्कूलों के लिए 35 रुपये की कीमत वाला इंक 165 रुपये में बरोदा गया । इंक खरीदने वाले कर्मचारी को इन्होंने सस्पैंड किया और बाद में मजबूर हो कर उसको बहाल कर दिया ।

श्री हीरा नन्द आर्य : चेयरमन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हें । अभी धमीजा साहब ने क्हा है कि एक दुकान से 35 रुपये कीमत वाला ट्रंक 185 रुपए में खरीदा गया । मैं इनको बताना चाहूगा कि उन ट्रंकों का एक्चुअल मोल ही 35 रुपए प्रति ट्रंक था । यह बिल्कुल ठीक बीत है । (शोर)

श्री सभापति : आर्य साहब, क्या आपका यह प्यायंट आफ आर्डर है?

श्री हीरा नन्द आर्य : चेयरमैन साहब, अगर यह प्वायंट आफ आर्डर नही है तो आप मुझे पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने के लिए समय दें ।

श्री सभापतिः आपको बाद मे टाईम दिया जाएगा ।

सेठ रामदास धमीजा : चेयरमैन साहब, हरियाणा के हित हमेशा प्रधान मंत्री जी और हरियाणा के मुख्य मन्त्री चौधरी भजन लाल जी के हाथों में महफूज पे हैं और मैं आपदा के लिए भी आशा करता हूं कि हमारे हरियाणा के हित इन दोनों महानुभावों के हाथों में सुरक्षित रहेगे इसमें कोई दो राय नहीं है । चेयरमैंन साहब, 1977 से लेकर 1979 तक भारत सरकार में भी और हरियाणा प्रदेश में भी अपोजीशन भाइयों की सरकार थी उन दो सालों में ये मेरे भाई कुछ नहीं कर सके । इनके पास तीन टांगों की कुर्सी थी उस कुर्सी की चौथी टांग ही नहीं थी जिसकी वजह से वह गिर गई । उन्होंने आपस में लड़ झगडू करके देश का सत्यानाश कर दिया और देश को 15 साल पीछे ले गए । चेयरमैन साहब, हमारे हरियाणा की खुशहाली का राज एस ० वाई ० एल ० नहर के पानी में है और सारा प्रदेश उस पानी की तरफ देख रहा है कि कब वह पानी हमारे यहां आए और हमारा विकास हो । हरियाणा की सारी जनता के मन में यह बात है कि एस० वाई ० एल० नहर का पानी हरियाणा में आना चाहिए ताकि हमारी प्यासी धरती

की प्यास मिटे और हरियाणा में उन्नति हो । चेयरमैन साहब, हिन्दू और सिख भाई–भाई हैं ये कभी भी जुदा हो कर रहने वाले नहीं है और न ही जुदा हो सकते हैं । ये एक बाप के दो बेटे हैं उनमें से एक हिन्दू है और दूसरा सिख हे । यह जो नफरत फैलाई जा रही है वह देश के लिए बहुत नुकसानदेय है । जो कुछ पंजाब में हो रहा है वह निन्दा के काबिल हे । पिछले दिनों जो हालात हरियाणा में हुए थे सरकार ने दो दिन के अन्दर पूरे तौर पर उस पर कंट्रोल कर लिया था जोकि बहुत सराहनीय बात है । हमारी सरकार यह चाहती थी कि हरियाणा में किसी भी प्रकार का दंगाफसाद नहीं होना चाहिए । मैं यह आशा करता हूं कि हरियाणा में इस प्रकार के दंगेफसाद नहीं होंगे और जो देहातों में गरीब तबके के लोग बसते हैं उनको कोई नुकसान नहीं होगा तथा वे इस तरह के नुकसान से बच जाएंगे ।

सभापति महोदय, 'ला एण्ड आर्डर' के बारे में मुख्य मंत्री जो ''सूट ऐट साइट'' का आर्डर दिया है वह अपने आप में एक बहुत सराहनीय कदम है । आज अकालियों को न तो चण्डीगढ चाहिए और न उन्हें अबोहर–फाजिलका चाहिए । अकालियों को तो सिर्फ कुर्सी चाहिए । समझौता इसलिए नही होता क्योंकि उनकी कोई सीमा नहीं है । जब भी कोई समझौता होता है वह किसी सीमा के अन्दर ही हो सकता है । उनकी मुनासिब मांगों को मानने के लिए प्रधान मन्त्री जी तैयार हैं और उनकी मुनासिब मांगे मानी भीं जा चुकी हैं लेकिन उनका तो किसी समझौते का इरादा ही नहीं है । उन्हें तो सिर्फ कुर्सी चाहिए । यह सभी को पता है कि दुनियां में कुर्सी का ऐसा चक्र है कि इसे आसानी से

कोई छोड़ता नहीं । हरियाणा पंजाब से किसी बात में कम नहीं है और न ही यह कमजोर है । जहां तक मैं समझता हूं कि हरियाणा के हितों के लिए हम सभी इकट्ठा हो कर चलेंगे और कोई भी इस में कमजोरी नहीं आने देगा । 1947 में इस देश का बंटवारा हुआ था । उस बंटवारे के बाद जो कुछ इस देश में हुआ वह सब को पता है । 14 अगस्त, 1947 की रात तक भारत एक लखपति देश था लेकिन बंटवारे के बाद यानि 15 अगस्त, 1947 को एक दम कमजोर हो गया । बंटवारे की जो कुछ कीमत 3 दी गयी, उसे हम अच्छी तरह जानते हैं कि हमने क्या किया था । यदि आज पंजाब का बंटवारा होगा तो देश का वही हाल होगा जो 1 5 अगस्त, 1947 को हुआ था । मैं चाहता हूं कि हम सब ने मिल कर जो आजादी हासिल की थी, उसको हम बरकरार रखें । यदि आज हरियाणा और पंजाब के झगड़े के बीच में पंजाब का फिर से बंटवारा हो जाता है तो वहां से सिख हिन्दुओं को भगाएंगे और यहां से लोग सिखों को भगाएंने ऐसा होने पर देश कमजोर होगा । हमें अपने इन भाइयों को नाराज नहीं होने देना चाहिए । उनको हमने राजी करना है जिससे इस समस्या का कोई न कोई समाधान निकल सके ।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण–

श्री हीरा नन्द आर्य द्वारा

श्री हीरा नन्द आर्य : आन ए प्यांयट आफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन सर । अभी धमीजा साहब ने बोलते हुए कहा है कि इनके राज में जो सन्दूक 35 रुपए की थी उसकी खरीद 165 रुपए में की गयी

। उस समय मेरे पास यह महकमा था । जब मेरे नोटिस में यह बात आयी तो मैंने उसकी जांच करवाई थी । यह बिल्कुल ठीक बात है कि भाव 35 रुपए का था और खरीद 165 रुपए के हिसाब से की गयी थी । इस सम्बन्ध में मैंने तीन डी० ई ० ओज ०। तीन डिप्टी डी ० ई ० ओज ० और पांच एस० डी ० ई० ओज ० और दूसरे अधिकारी मिलाकर कुल 15–20 आफिसर सस्पैंड किए थे । उस समय जांच के दौरान लाखों रुपए का गबन मिला था । इसलिए मैंने–जहां जहां पर भी सामान को खरीद की गई थी, उस सब सामान को सील करवा दिया था । जहां तक इन्होंने उन आदमियों को बहाल करने की बात क्ही है, उस बारे में भी मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि वे उस समय दहाल हुए थे जब मैं मन्त्री नहीं था ।

गैर–सरकारी प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक (जुलाना) : चेयरमैन साहब, एस ० वाई ० एल० के मामले पर काफी चर्चा हुई है और इस बारे में अब तक काफी कुछ कहा जा चुका है । यह एक बहुत ही अहम मसला है इसलिए दूसरी बातों को छोड़ कर इस पर हम सब को पूरी गहराई से गौर करना चाहिए । सभी विधायकों को चाहे वे किसी भी पार्टी से ताल्लुक रखते हों, एकजुट हो कर इस मामले को उठाना चाहिए । हरियाणा सरकार ने पंजाब सरकार को 20 करोड़ 50 लाख रुपया हरियाणा की गरीब जनखा का खून चूस कर दिया । 31– 12– 1981 को यह फैसला हो गया था कि 31– 12– 1983 तक' यह नहर बन कर तैयार हो जाएगी लेकिन आज तक एक फुट भी नहर नहीं निकल सकी

। इसी तरह से सैडल गवर्नमैंट ने अब पंजाब सरकार को 5 करोड़ रुपया और दे दिया है जो कि फिजूल में वेस्ट किया जायेगा । आज. एस० वाई ० एल ० आर्गनाईजेशन में काम करने व। ले अधिकारियों के आफिसिज डैकोरेटिड है और उनमें बाकायदा कारपेट्स लगे हुए. है । इसके अ लावा हमारे पैसे से पंजाब सरका र ने वहां पर काम करने वाले स्टाफ के लिए 3 करोड़ रुपये के क्वार्टर बना दिए । इस नहर पर पंजाब सरकार ने चार चीफ इन्तीनियर्ज 40 एक्सीयन्ज और एक हजार दूसरे इन्जीनियर्ज भर्ती किए हुए हैं । जो पैसा हमारी त रफ से उनके पास गया है, उसका आज तक कोई आडिट नहीं हुआ । कपूरी गांव में श्रीमती इन्दिरा गाधी ने अपने हाथों से नहर का काम शुरू करने का उद्घाटन किया लेकिन फिर भी नहर का काम चालू नही हुआ । इसके अलावा पंजाब के अन्दर कांग्रेस सरकार का भेजा हुआ गवर्ननर है, हरियाणा में भी कांग्रेस की सरकार है और सैन्टर में श्रीमती इन्दिरा गांधी की सरका र है फिर भी यह काम नहीं हो रहा । पता नहीं क्यों तलवार की तरह इस काम को लटकाया जा रहा है? यदि कांग्रेस सरकार चाहती, श्रीमती इन्दिरा गांधी चाहती तो जो फैसला पहले हो चुका था, उसको अमल में ला सकती थी । आज भाई भाई की यह लडाई कांग्रेस ही करवा रही है । कांग्रेस ने भी अंग्रेजों की तरह फूट डालो, राज करो की नीति अपनाई हुई है । आज हिन्दू और सिख को लडाया जा रहा है और जो हजारों आदमी मौत के घाट उतारे जा रहे है ....

श्री ए ० सी ० चौधरी : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर । मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि जो आदमी इस हाउस में मौजूद नहीं है और अपने आप को हाउस में डिफैंड नहीं कर सकता. उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिए । इन्दिरा गांधी कमजोर साबित हुई है, यह एक्सपंज होना चाहिए ।

श्री सभापतिः यह बात एक्सपंज कर दी जाए ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : वह सरकार अपनी गद्दी कायम रखने के लिए इन्दिरा गांधी के इशारों पर चलती है । मैं समझता हूं कि हरियाणा का हित इन्दिरा गांधी के हाथों में सुरक्षित नहीं है । यदि यह पानी हरियाणा को मिल जाता है तो हरियाणा का किसान बहुत खुशहाल होता लेकिन बजट से यह चीज साफ जाहिर होती है कि हरियाणा सरकार किसानों का हित नहीं चाहती । आज हरियाणा के अन्दर 80 प्रतिशत लोग किसान हैं लेकिन उन पर बजट का सिर्फ 13 प्रतिशत पैसा खर्च किया जा रहा हए । मैं आपको बताना चाहूंगा कि 20–21 करोड रुपये एकसाईज–टैक्सेशन के एरियर्ज के बकाया पड़े है । मैं यह भी कहना चाहता हूं कि पैसे को फिजूल में वस्ट किया जा रहा है । लौसिज को कम करने की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जाता । लगैसज कम न होने का एक कारण यह भी है कि जो टैक्स कैलकुलेट करने होते हैं उसको फिफ्टी फिफ्टी कर लेते हैं । अगर 1 लाख रुपया सरकार को देना हो तो 50 हजार रुपया मंत्री की जेब में और 50 हजार रुपया जिसने देना होता है, वह रख लेता है ।

शिक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदीश नेहरा) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर? चेयरमैन सहिब, पता नही ये किस वे में बाजे –रहे है । कम से कम इनके बोलने का कोई तुक तो होना चाहिए! ये एस ० वाई० एल० के मसले पर बोल रहे थे कि हरियाणा सरकार ने पंजाब सरकार को 20 करोड़ 50 लाख रुपये दिये हैं ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : इसमें मैने आपका नाम नहीं लिया ।

श्री जगदीश नेहराः मेरा नाम हो या न हो, इससे मंत्री का क्या कुनैक्शैन है । (शोर) मेरा प्वायंट आफ ओर्डर यह है कि इसमें से मंत्री का नाम निकलना चाहिए और ये एस० वाई ०एल ० मसले परं ही बोले । मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि वे सरकार पर आरोप प्रत्यारोप लगाने की बजाये एस०वाई०एल० मसले पर कोई सुझाव दें ताकि इस समस्या को सुलझाया जा सके।

श्री सभापति : चौधरी साहब, आप वकील हैं, जो कुछ आप कहना चाहते हैं वह ऐसे शब्दों में कहें जो पूरी सैसं कन्वे कर सकें इसलिए आप ठीक ढंग से बोलें ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : मैं गवर्नमैंट की कमजोरी बता रहा हूं । चेयरमैन साहब, पंजाब में हिंसा की जन्मदाता कांग्रेस सरकार है । जो गद्दार गुरुद्वारों में छुपे हुए हैं, कांग्रेस सरकार इनको निकाल कर सजा दे । अगर सरकार उनको गुरुद्वारों से निकाल देती तौ आज राह हालत न होती जो हो रही है । चेयरमैन साहब, सारे भारत में एक

ही नेता है चौधरी चरण सिंह जो सवा तीन घंटे तक लोक सभा में बोलते रहे । उन्होंने बडे जोरदार शब्दों में क्हा था कि इन गुनाहगार लोगों को गुरुद्वारों से क्उत्तों की तरह निकाल कर सजा दी जानी चाहिए । तमाम नेताओं में से किसी दूसरे नेता की ऐसी बात कहने की हिम्मत नहीं हुई । आज हरियाणा की जनता यह महसूस कर पी है कि चौधरी चरण सिंह ने ठीक ही कहा था । चेयरमैन साहब, हरियाणा सरकार का ध्यान 20 सूत्री कार्यक्रम पर लगा हुआ है । इस कार्यक्रम में यह लिखा हुआ है कि कीमतों को कम किया जाए लेकिन कीमतें दिन ब दिन बढ्ती जा रही है । इसी तरह से इसमें यह भी लिखा है कि भ्रष्टाचार को कम किया जाए लेकिन भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है, एडलट्रेशन बढ़ रही है । इस सरकार ने हिसार और कर गाल के अन्दर किस तरह से ..... बोला है, इसकी मैं एक मिसाल देता हूं । हिसार में एक एग्रीकल्चर फार्म है । इस फार्म के मैनेजर ने फार्म की कनक बाह्ट बेच दी और पैसे अपनी जेब में डाल लिए । वहां भूसा ही भूसा रह गया था । जब डिप्टी डायरैक्टर एग्रीकल्चर वहां पर गये तो उन्होंने उस मैनेजर से पूछा कि कनक कहां गई । उसने कहा कि आंधी आई थी और कनक उड़ा कर ले गई ।

श्री सभापति : झूठ शब्द रिकार्ड न किया जाए ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : चेयरमैन साहब, इस प्रकार का भष्टाचार आज देश में फैला हुआ है । इसलिए जें हरियाणा सरकार से कहना चाहूंगा कि एस ० वाई० एल० नहर को बनाने के लिए हम सब. को एक जुट होकर मेहनत करनी चाहिए । अपोजीशन का हर एक

विधायक आपके साथ है । कोई भी मांग हो मांगने से पूरी नहीं होती, इसके लिए लड़ाई लड़नी पड़ती है और इस लड़ाई के लिए हम सब तैयार हैं । आज हरियाणा में पानी की बड़ी कमी है और मेरे हलके में खास तौर पर यह कमी रहती ही हु । इस बार कुदरती तौर पर बाबू आ गई वरना बरसात के दिनों में भी कमी रहती है ।

चौधरी शमशेर सिंह : सुरजेबाला जी यहां बैठे हैं । पानी और बिजली के दोनों डिपार्टमैंट इन्ही के पास हैं । मैं इनसे रिक्वैस्ट करूंगा कि किसान को पानी और बिजली 'नो प्रोफिट नो लौस' पर मिलना चाहिए और जहां पीने का पानी उपलब्ध नहीं उसका इन्तजाम सबसे पहले करजा चाहिए । इनको पानी लाने की लड़ाई बहादुरी के साथ से लड़नी चाहिए और अगर सरकार नहीं लड सकती तो इस्तीफा दे दे, हम भी इस्तीफा देने के लिए तैयार है । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं ।

श्री हरिचंद हुड्डा (किलोई): चेयरमैन साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया है । चेयरमैन सहिब, आप बड़े सुलझे हुए, पढ़े लिखे व्यक्ति हैं । सदन में एस वाई एल के मसले पर बहुत कुछ कहा गया है, मैं दो तीन बातें हो कहूंगा । चेयरमैन साहब, आप जानते हैं कि पानी और बिजली हरियाणा के लोगों का जीवन है और यह जीवन कुछ इस तरह से उलझ गया है यह बात मैं एक शेयर में कहूंगा–

कैदो हयात वो बन्दोगम, दरअसल दोनों एक हैं,

मौत से पहले आदमी नजात पाये क्यों?

हरियाणा के लोगों की यह हालत है कि उनके पास बिजली भी नहीं और जीवन भी नहीं । हरियाणा का जीवन इस तरह लटक रहा है जिसका फैसला बगैर मौत के होता नजर नहीं आता । इसका एक खास रीजन है । किसी भी झगडे का फैसला दो तरह से किया जाता है, एक पोलिटिकल तौर पर और दूसरा कोर्ट के थ्रू अगर लड़ाई पोलिटिकल है तो पोलिटिकल टीम तगड़ी होनी चाहिए । अगर पोलिटिकल टीम तगड़ी नहीं है तो कोर्ट का सहारा लेना चाहिए । सुप्रीम कोर्ट के सिवाये हिन्दुस्तान में फैसला करने के लिए कोई दूसरी संस्था या कोई दूसरा बड़ा आदमी नहीं है । अगर पोलिटिंकल टीम और सुप्रीम कोर्ट के बीच यह फैसला करने के लिए कोई तीसरा आदमी लिया जाता है तो मैं समझता हूं कि लेने वाले लोगों ने भारी गलती कर दी । बीच में तीसरा आदमी लाने वाले लोगों ने गलती कर दी । हरियाणा के लोगों को धोखा दे दिया या जो आदमी बीच में आया उसकी नीयत में फर्क पड़ गया । उसकी नीयत में फर्क पड़ने से यह मसला उलझ गया । चेयरमैत साहब, आप जानते हैं, महापुरुष वह होता है जो जोड़ता है और जो तोडता है, वह महापुरुष नही होता । अगर कसी देश को निकम्मी लीडरशिप मिल जाती है तो वह लीडरशिप देश को तोड़ती है और अगर देश को जोड़ने वाली लीडरशिप मिल जाती है तो वह देश को जोड़ती हे । मिसाल के तौर पर आप सब ने लिंकन का नाम सुना है । उसने अमेरिका को जोड़ा है । वहां पर गोरे और काले का बड़ा जबरदस्त सवाल था और वह प्रौब्लम देश को खत्म कर रही

थी । लिंकन ने गोरे काले का सवाल खत्म करके अमेरिका को बनाया और अमेरिका ने लिंकन को बनाय है । लिंकन ने अमेरिका को जोड़ा है लेकिन हमारी लीडरशिप की नीति शुरू से ही गन्दी रही है । सर छोटू राम ने एक चीज जोड़ी थी कि हर मुस्लिम, सिक्स और इसाई सारे भाई भाई नए । उन्होंने उन सब को एक जमात बनाया लेकिन बाद में हमारी लीडरशिप ने इसकी तोड़ दिया, जिन्नाह को भगा हइ दया और उसकी कबर पर पाकिस्तान बना । क्योंकि हमारी लीडरशिप की कोई नीति नही थी, हमें महान नेता नही मिल सके और जो नेता मिले वह हिन्दुस्तान को तोडने ऋ के लिए मिले । इन्होने हिन्दुस्तान को तोड़ दिया । इसलिए सबसे पहली भूल एस वाई यूल के मा मले में यह की कि हमने तीसरी पार्टी को मध्यस्थ लिया । हमें यह लड़ाई या तो पक पोलिटिकल जमात बनाकर लड़नी थी या सुप्रीम कोर्ट में जाना चाहिए था । बीच में तीसरा आदमी लेकर अच्छा नहीं किया, जो लोग बीच में लाये गए हें वे इसके जिम्मेदार हैं । एक बात मैं पंजाब वालों से कहूंगा कि करबला के मैदान का एक इतिहास है । वहां हजरत के निवासियों को पानी नहीं दिया था । यह इतिहास है इन्सान और इन्सानियत का । अगर पंजाब के भाई हमको अपना भाई समझते हैं तो उनका पहला फर्ज है कि एस. वाई. एल नहर को खोदकर दें । चेयरमैन साहब, दरअसल पंजाब का हर आदमी, चाहे वह किसी भी कास्ट का हो, किसी भी कास्ट पर पानी नहीं देना चाहता । अगर वे करबला के इतिहास को पढ़ते हों तो उन्हें हरियाणा को पानी देना चाहिए । यह पानी का मामला हरि याणा की जिन्दगी है और 36 जातियों के भविष्य का सवाल हे । इन 36 जातियों में किसान भी आ गया, मजदूर भी आ गया । अगर ये हमारा जीवन

बचाना चाहते हैं तो हर प जाब के रहने वाले का फर्क है कि कांग्रेस (आई) की परवाह न करते हुए एस वाई एल नहर खोदकर दे दें । मैं समझता हूं कि प जाब वालों का यह कदम हिन्दुस्तान का सिर ऊंचा करेगा । उनको चाहिए कि वे नेक नीयति का काम करें और हिन्दुस्तान का सिर ऊंच करें ।

13.00 बजे

अगर वे लिंकन बनना चाहते हैं, अमेरिका बनना चाहते हैं तो पहला फर्ज उनका आता है । दूसरा फर्ज उनका है जिनके हाथ में ला एंड आर्डर है । अगर वे अपना फर्ज नहीं निभा रहे हैं तो मैं कहूंगा कि कांग्रेस जमाएं की नीति और नीयत खराब है । वे देश के इतिहास को बिगाड रहे हैं । आगे आने वाले वक्त के लोग इस इतिहास के नाम पर रोएंने और आज जो लीडर हैं उनकी लाशों को कब्रो में से निकाल कर के फूंका जाएगा, उनके फोंटो तोड़ दिए जाएंगे और मुह काला कर दिया जाएगा । (विघ्न) चेयरमैन साहब 200 करोड़ रुपया जो हरियाणा का गया वह तो गया लेकिन इसके साथ ही हरियाणा को एक और नुक्सान. हैं । (विघन) हरियाणा के अन्दर जो एस. वाई. एल. नहर खुदी हैं, वह कब्रिस्तान सी बन गई है, उसमें चूहों ने बिल बना लिए हैं । वे हमारे अनाज को खाँ जाते हैं । चेयरमैन साहब, एक तो हमें पानी नहीं मिला दूसरे चूहे हमारे अनाज को खा जाते हैं । (विघ्न) चेयरमैन साहब, मैं तो कहूंगा कि अगर इस देश को बड़ा बनाना है तो इसे जोड़ों, तोडो मत । (विघ्न) पंजाब के भाइयों से यह कहूंगा कि वे भी किसान हैं, हम भी किसान हैं । वे हमारे भाई हैं, हम उनके भाई है ।

इन्सानियत के नाते उन्हें चाहिए कि वे पूस वाई एल. के झगड़े. को छोड़े । अगर वे ऐसा करेंगे तो इससे हरियाणा के लोग खुश होंगे । (विघ्न) उनकी लड़ाई तो कांग्रेस (आई) से हैं । अगर वे इस बात में हमारी मदद करें तो हो सकता है कि आने वाले समय में हम उनकी मदद करें । इन शब्दों के साथ. चेयरमैन साहब, मैं आपका शुक्रिया अदा करते हुछ अपनी जगह लेता हूं ।

सहकारिता तथा डेरी विकास मन्त्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह) : चेयरमैन महोदय, जो प्रस्ताव आज सदन के सामने है, इस पर पहले भी कई नौन औफिशियल डेज पर अनेक माननीय सदस्यों ने अपने–अपने विचार रखे और एक बात सामने उभर कर– आई कि प्रत्येक सदस्य की राय, चाहे वह हरियाणा के किसी भी विधान सभा क्षेत्र से चुना हुआ है, किसी भी पार्टी से उसका सम्बन्ध है, किसी भो धर्म से उसका ताल्लुक है, सभी सदस्यों की राय एक साथ है और वह राय यह हैं कि एस० वाई० एल0 का पानी हरियाणा को मिलना चाहिए, जो नहर खोदी जानी है उसको जल्दी' से खोदा जाना चाहिए और उसमें किसी प्रकार की ढील नहीं होनी चाहिए । चेयरमैन महोदय, मैं कुछ आकडे सदन के सामने रखना चाहता हूं । मैं सिर्फ गेहूं की फसल की बात करना चाहूंगा । हरियाणा में एक साल में तकरीबन 100 करोड़ रुपए की सरप्लस फसल हरियाणा का किसान मंडियों में लेकर आता है जबकि पंजाब का किसान तकरीबन 300–350 करोड़ रुपए की फसल पंजाब की मंडियों में लेकर आता है । जहां तक खेती के रकबे का ताल्लुक है वह हरियाणा और पंजाब दोनों में 07 लाख एकड़ का फर्क है । फिर यह

पैदावार में फर्क क्यों है? 1986 में पंजाब में कैनाल इरीगेशन सबसे कम भटिंडा डिस्ट्रिक्ट में थी और उसकी परसैटेज 58 थी । हरियाणा का कैनाल इरीगेशन में सबसे ऊपरी जिला रोहतक था उसकी परसैटेज भी 56 थी । कहने का मतलब यह है कि हरियाणा में जहां सबसे अधिक कैनाल इरीगेशन थी और पंजाब में जहां सबसे कम इरीगेशन थी । दोनों की परसैटेज बराबर थी । इसीलिए हरियाणा–पंजाब बनने से पहले जो लोग हमारे हकों की रक्षा करने के लिए असैम्बली में आते थे, चाहे वे किसी भी पार्टी के थे हमेशा पंजाब के लोगों से, चाहे वे सत्ता में थे या नहीं थे, यही बात कहते थे कि चाहे भटिंडा जिला हो? चाहे फरीदकोट जिला हो चाहे सिरसा जिला हो या हिसार जिला हो या महेन्द्रगढ़ जिला हो, उन जिलों में जहां कैनाल इरीगेशन की फैसिलिटीज नही है, पानी का प्रबन्ध किया जाए । उभ सी बात को देख ते हुए एक समझौरौ के मुताबिक जो पाकिस्तान सरकार को 110 करोड़ रुपए भारत सरकार ने दिया और यह फैसला हुआ कि जो रावी व्यास का पानी है, वह पानी उन इलाकों में जाए जहां पानी की कमी है, कहा फसल 'इसलिए अच्छी नही होती क्योंकि वहां नहर का पानी रही मिलका । वैसे तो आज के युग में, चेयरमैन साहब, भारत सरकार के जैरेगौर ऐसी भी' स्कीम है जिसके तहत, जब कभी वह इम्पलोमैंट होगी, ब्रह्मपुत्र का पानी वापस चलकर गंगा और जमुना में आएगा । 15 हजार करोड़ रुपए की वह स्कीम है । यह एक बहुत बड़ा अजूबा होगा कि पानी नीचे से चलकर ऊपर आएगा । हमारे इंजीनियर्ज और टैक्नोक्रेटस को इस बात का क्रेडिट जाता है कि वे यहा इस किस्म की स्कीम तैयार– कर सके हैं कि ब्रह्मपुत्र का पानी वापस चलकर गया और

जमुना मे आए । वह समय जब आएगा तब देखा जाएगा लेकिन आज हरियाणा में अगर हम कहें कि जब तक एस ० वाई ० एल० का पानी हमें न मिल जाए तब तक हमें दूसरे तरीकों की बात नही करनी चाहिए क्योकि इससे हमारा एस ० वाई० एल ० का केस कमजोर होता है मैं इस बात से सहमत नही हूं । मेरी राय इससे भिन्न है । चेयरमैन साहब, मैं सो चता हूं कि हमें वे सारे साधन ऐक्सप्लोर करने चाहिए जहां से हम और पानी आज के महौल के मुताबिक, आज की सिचुएशन के मुताबिक अपने किसान को मुहैया दर सकें । आज हरियाणा के उस किसान के सामने एक समस्या है जो कुरुक्षेत्र और करनाल की धरती पर बैठे हैं, जो जींद, जगाधरी और यमुनानगर की धरती पर बैठे हैं । उनकीं समस्या यह है कि आगे आने वाले चन्द सालों में उनके ट्यूबवैल्ज काम करना छोड़ देंगे । अन्डर ग्राउन्ड वाटर की ऐक्सप्लायटेशन इस कदर तेजी से बढ़ रही है कि एक समय आ सकता है जब कि ट्यूबवैल्ज फेल हो जाएंगे और हमने जो इंका स्ट्क्चर कृषि के लिए तैयार किया है, हमारे किसान ने तैयार किया है, मेहनत करके, वह सारा इम्बेलेंस हो जाएगा । एक समय था देश के अन्दर जब हमारे भूतपूर्व प्रधान मन्त्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने देश को यह कहा था कि कैमिकल फार्टिलाइजर का इस्तेमाल किया जाए लेकिन उस समय पंजाब और हरियाणा का किसान इस कदर डरता था कि अगर हमने अंग्रेजी खाद को इस्तेमाल करना शुरू कर दिया तो सारी धरती जल जाएगी और उस पर कभी कोई फसल नही होगी । लेकिन आज पोजिशन क्या है? हमारी प्लानिंग ने, हमारे इकोनोमिस्टस ने, जो फ्रेम वर्क तैयार किया था, जिसके तहत हमने अपनी खाद की पैदावार को

बढ़ाना था, वह सारा बिगड़ गया क्योकि आज यहां तक नौबत आ गई है कि फार्टिलाईजर का ब्लैक होता है, आज उस खाद के नाम पर नकली खाद बनाने के अनेकों उदाहरण हमारे सामने आते है । यह इसलिए हुआ कि प्लानर्ज ने तो खाद बनाने की स्कीम को करटेल किया लेकिन किसानों ने इसे एकदम अडोप्ट कर लिया जिसकी वजह से आज यह इम्बैलैसं बन गया । यही आज के दिन पानी की स्थिति है । आज हरियाणा में इस कदर ट्यूबवैल्ज लगाए जा रहे हैं कि एक समय आ सकता है जब हमारे किसान को भूमि से नीचे का पानी मिलना बन्द हो जाएगा । एक समय आ सकता है जब कुरुक्षेत्र और करनाल की धरती जो दुनिया में सबसे ज्यादा पैडी पैदा करती है वे खेत वीरान हो जाएंगे । हमें इन बातों के बारे में सोचना पड़ेगा । विरोधी पक्ष के भाई एस० वाई ० एल ० की बात करते हैं और यहां हाउस में कहते हैं कि हम तुम्हारे साथ हैं लेकिन चेयरमैन साहब मैं एक बात पर जोर देना चाहता हूं कि विरोधी पक्ष के भाई अपनी हमदर्दी केवल लोगों तक पहुंचाने की बात करते हैं । चेयरमैन साहब, मैं यह भी इन भाईयों को बताना चाहूंगा कि जब भी त्रिपक्षीय वार्ता होती है उस समय बार– बार हरियाणा का यह पक्ष आया हैं कि हरियाणा के हक, हरियाणा के पानी का मसला, एस० वाई० एल० और टैरेटरी के मसले पर तब तक बात नहीं होगी जब तक पंजाब में शान्ति न हो, अमन न हो । पंजाब के अन्दर दूसरी भी समस्याएं हैं, उन पर विचार करने के लिए हरियाणा गै हिस्सा लिया । मैं तो यह कहता हूं कि बहुत सी विरोधी पार्टियां ने यह विचार दिए कि अ ड़ाली ही पंजाब के रिप्रेजन्टेटिव नहीं हैं । अकालियों के साथ कांग्रेसी, सी ० पी० आई० और कम्युनिस्ट, जहां तक आयें ।

अन्य सोशल आर्गेनाइजेशन की बात है, उनका भी इसमें हिस्सा हो ताकि सब लोगों के हितों को प्रस्तुत किया जा सके लेकिन हरियाणा की चाहे बी ० जे० पी० लोकदल या जनता पार्टी है, उन्होंने नैशनल लेवल पर जब भी बात हुई है हरियाणा के हितों का ख्याल नहीं किया जिस प्रकार से वे हरियाणा की जनता के सामने अपना पक्ष रखते हैं ।

प्रो० सम्पत सिंह.. : .....

श्री सभापति : क्या यह कोई तरीका हे कि आप बीच में इनइप्ट कर रहे हैं । जो कुछ सम्पत सिंह जी ने कहा है वह रिकार्ड न किया जाये

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : सभापति महोदय मेरा कहने का सीधा सा अभिप्राय यह था कि हम अपोजीशन पार्टी पर कोई शक नहीं करते । वे पूरे दिल से, मन से हमारे साथ है लेकिन जब नेशनल लैवल की बात आती है चाहे कोई भी अपोजीशन पार्टी हो (शोर एवं विघ्न)

श्री सभापति : जब आपके साथियों को बोलने की इजाजत दी तो आपके साथी सब कुछ कह रहे थे लेकिन मैंने उन्हें रोका नहीं और आई० पी ० एम० साहब ने एकसपंज कराने के लिए भी कहा लेकिन मैंने वे शब्द उनके कहने पर भी एकसपंज नही कराये । अब आप क्यों टोक रहे हो?

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर । क्या मंत्री महोदय बताने का कष्ट करेंगें या कोई नेशनल लै वल का

इनस्टान्स कोर्ट कर सकते हैं कि कभी नेशनल लैवल पर अगेजीशन पार्टीज ने विरोध किया हो?

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : सभापति महोदय, दरअसल हरियाणा की अपोजीशन पार्टीज का विधान सभा में या लोकसभा में बोलने का ही रोल नहीं है बल्कि मैं एस ० ई०एल ० के मसले के बारे में तो यह कहता हूं कि वे हरियाणा के अन्दर जनमत तैयार करें । क्या इन्होंने आज तक इस बारे में जनमत तैयार करने के लिए कोई कदम उठाये हैं । जब पंजाब के लोग कपूरी के अन्दर 20 हजार की तौदाद में जा कर डिमान्स्ट्रेशन कर सकते हैं कि नहर नहीं खोदने देंगें तो क्या हरियाणा के अन्दर आपोजीशन के लोग जनमत तैयार नहीं कर सकते । विरोधी पक्ष के लोग सिर्फ यह बात कह कर अपना उल्लू सीधा कर लेते हैं कि यह लोग सरकार के काबिल नही हैं, एस०वाई ० एल ० नहर को आज तक नहीं खुदवा सके । क्या विरोधी दल के भाईयों ने जनमत तैयार करके सौ आदमी या दस हजार आदमी खड़े किये हैं? मुझे आज पंक याद है हरियाणा के विरोधी पक्ष के लोगों ने बार–बार स्टेटमैंट दी कि हम अगले महीने एक बहुत बड़ा जलूस ले कर जायेंगे आन्दोलन करेंगे । मैं इन से पूछना चाहता हूं कि इन्होंने कौन–सा आन्दोलन किया है? (विघन)

श्री सभापति : जब आप बोलें तब अपनी बात कह लें । अब इन्ट्रप्ट न करें । अब आप सुन लें । जिस समय आप बोलें उस समय सारी बातों का जवाब दे देना ।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय मैं बिल्कुल इनकी ही बात कह रहा हूं । अगर ये अपने ट्रैक्टर्ज ले जाते हुए वहां डरते हैं कि ट्रैक्टर टूटू जायेगा या कोई हवा निकाल देगा तो ये हरियाणा जनता के लिए क्या कुछ कर सक्ते हैं? यह जनता को गुमराह कर रहे हैं । ये तो केवल वोट लेने के लिए ही यहां हाउस में बातें कर रहे हें । विरोधी पक्ष वाले जनहित की बात नहीं कर रहे! चेयरमैन साहब, आज हरियाणा का हर बच्चा अपनी जेब से सौ रुपये खा रहा है । अगर हमें आने वाले समय में एस०वाई०एल० का पानी नहीं मिलता है तो हमारी इकोनोमी बुरी तरह शैटर हो सकती है । विरोधी पक्ष के भाई जो यह बात कह रहे हैं कि प्रधान मती कोई फैसला नहीं ले रही है और ढील से काम कर रही है तो ये गलत कह रहे हैं । आज अगर हम यह भी मान लें कि प्रधान मंत्री ने एस ०वाई०एल० का फैसला करने में समय लगाया है तो उनके सामने केवल यही मसला नहीं है । देश के सामने और भी मसला है । हमें ऐसी स्थिति पैदा नहीं करनी है जिससे देश बरबाद हो, देश के टुकड़े हों । मैं इन भाइयों से पूछना चाहता हूं कि आज से चालीस साल पहले क्या कभी किसी ने सोचा था कि एस ० वाई ०एल ० का पानी मिल जायेगा! गांव में स्कूल और हस्पताल बन जायेगे? अगर वे गहराई से न सोचें तो दे श की अखण्डता कैसे रह सकती है । इसलिए हमें इस मुद्दे पैर गम्भीरता से सोचना है । विरोधी पक्ष के भाइयों को इे बात को सोचना चाहिए कि इस देश की अखण्डता कैसे बनी रह सकती है । अगर देश की अखण्डा ही न रहेगी तो न हरियाणा प्रान्त रहेगा और न पंजाब प्रान्त ही रहेगा ।

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला): चेयरमैन, सर, मैं संक्षिप्त में यह कहना चाहूंगा कि यहा पर हाउस में हुक दर्ज न के करीब दोनों पक्ष के माननीय सदस्य बोले हैं और उन्होंने काफी सुझाव दिये हैं । सर, ट्रेजरी बैचिज की तरफ से लाल सिंह जी ने काफी अच्छी तरह से सरकार का मुद्दाये नजर रख दिया था इसलिये मेरे बोलने की कोई खास जरूरत नहीं थी । लेकिन मैं फिर भी दो–तीन बातों पर ही एक–दो मिनट में कुछ कहना चाहता हूं । एक तो यह कि हरियाणा का जो केस है, वह आकडो के बेसिज पर, रीजनिंग के बेसिज पर भी और रिकार्ड के बेसिज पर भी काफी मजबूत हे । मैं इसका डिटेल में जिक्र नही करूंगा क्योंकि टाईम थोडा है । मैं –इस बारे में यह बताना चाहूंगा कि जो मुख्तलिफ कमेटीज की रिपोर्टस है, वे सब हमारे हक में है ' 'फूड कमेटी,'' की रिपोर्ट, ' 'फैक्टस फाइंडिंग कमेटी'' की रिपोर्ट, प्लानिंग कमीशन'' की रिपोर्ट, ''चेयरमैन सैंट्रल वाटर कमीशन' ' की रिपोर्ट वगैरा ये सारी रिपोर्टे यह कहता है कि हरियाणा को 35 मिलियन एकड़ फीट या उससे ज्यादा हिस्सा एलोकेट किय जाए इस बारे में ये स्पोर्ट करती हैं । इसलिये किसी भी सदस्य के मन में यह सन्–देह नही रहना चाहिये कि किसी तरह से हरियाणा का जो शेयर है वह कम हो जायेगा, खत्म हो जायेगा या बिल्कुल नहीं रहेगा । पिछले दिनों सरदार लछमन सिंह जो ने भी यह कहा था कि शायद यह पानी हमें कभी भी नहीं मिलेगा । यह नहर कभी नहीं बनेगी । मैं आपके माध्यम से इस हाउस को यह बताना चाहूंगा कि उन 1981 के बाद इस नहर के बनाने के लिये जो उपाय लिये गये हैं, उससे पहले के सालों में शायद ऐसे उपाय कभी नहीं लिये गये 'हो । मैं इसके

लिये किसी को भी ब्लेम नहीं करता । मैं यह बताना चाहता हूं कि जैंसे सब के पता ही है कि हमने किश्तों में 18–20 करोड़ रुपये इस के बनाने के लिये पंजाब को दिये हैं । भारत सरकार के इरीगेशन सैक्रेट्री के के लैवल पर तकरीबन एक दर्जन मीटिंगे हुई हैं और इसके अफावा सी ० डब्ल्यू ० सी ० लैवल पर भी आधा दर्जन के करीब मीटिंगे हुई हैं । हम इस चीज के पाये तकमील के बहुत नजदीक पहुंच जाते अगर पंजाब में अक्सट्राआर्डीनरी हालात न होते जिनका सब को पता है और जिसके बारे में यहां पर काफी चर्चा भी हुई है । मैं एक बार फिर, अन्त में देह कहूंगा कि हम एक बार फिर नहर की खुदाई के लिये भारत सरकार से प्रयत्न कर रहे ' हैं और मैं यह समझता हूं कि हम उसके नजदीक पहुंच चुके हैं, लेकिन वहां पर हरेक बात की तफसील बताना संभव नही है क्योकि अगर यहां पर कोई बात कहीं जायेगी तो उससे हो सकता है हमारे रास्ते में रुकावट न पड जाये, जिस बात के लिये हम प्रयत्न कर रहे हैं, हो सकता है फिर वह पूरी न हो सके । लेकिन मैं हाउस को इस बात का पूरा विश्वास दिलाता हूं कि हम इस नहर की खुदाई कराने के कदम उठा रहे हैं और हमें आशा है कि यह काम बहुत जल्दी ही शुरू हो जायेगा और यह नहर बनकर तैयार होगी ।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः डैफीनिट पीरियड भी बता दें कि कितने पीरियड में बन जायेगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : सर, डैफीनिट पीरियड तो मैं नही बता सकता । अगर मैं इसकी तफसील में जाऊंगा और डिटेल में बातचीत करूंगा तो हो सकता है हमारे काज को नुक्सान हो और

हम अपनी बात को आगे नही ले जा सकेंगे । शायद उसमें फिर कोई न कोई रुकावट पैदा हो जाए । आज आपको पता ही है कि पंजाब में किस तरह के हालात मौजूद है । एक बात मेरे भाई वीरेन्द्र सिंह जी ने यह कही कि हरियाणा में आज इतने ट्यूबवैल्ज लग चुके हैं और अंडरग्राउन्ड वाटर को इतना एक्सप्लायट किया जा चुका है कि शायद आने वाले समय में ऐसी सिचुएशन आ जाये कि हरियाणा ने और टयूबवैल्ज न लग सकें । हमारे यहां शायद इतना पानी उपलब्ध न हो । मैं उनकी शंका का समाधान करने के लिये यहू कहना चाहूंगा कि हरियाणा के वे इलाके जिनकी चर्चा मैंने सुबह एक सवाल के जवाब में की थी, उनको हम टैक्नीकल तौर पर डार्क एरिया कहते हैं । इन डार्क एरियाज में पिछले सालों में वाटर टेबल तकरीबन स्टैबलाईज हो गया है । एक समय था जब वाटर टेबल 2– 3 मीटर से एकदम 5–6– 7 मीटर तक नीचे चला गया था । कुछ इलाकों में जिनके अन्दर मुख्तलिफ कारणों से 80 प्रतिशत तक पानी, ट्यूबवैल्ज लगाने के कारण या किसी और कारण से, एक्सप्लायट हो चुका है वहां का वाटर टेबल 3–4– 5 मीटर तक आ गया है और स्टैबलाईज हो गया है । हरियाणा में डेरनेज सिस्टम कोई नहीं है । जो भी पानी यहां पर बरसात के अन्दर बरसता है, वह सारा पानी जमीन के अन्दर चला जाता है । मेरा कहना यह हे कि इसलिये खतंरे वाली कोई बात नहीं है । जो मौजूदा ट्यूबवैल्ज है, वह सालो–साल तक काम करते रह सकते हैं और इसके अलावा जरुरत पडने पर एडीशनल टयूबवैल्ज भी लगाये जा सकते हैं । अम्मी भी इस बात की गुजाइश है । जिन एरियाज का नाम डार्क एरिया रखा गया है, वह टैक्नीकली इसलिये रखा गया है क्योंकि नाबार्ड जो कि एग्रीकल्चरल

विकास बैक है वह प्राइवेट लोगों को भी और गवर्नमैंट को भी इस एरिया में ट्यूबवैल लगाने के लिये लोन नहीं देता क्योंकि इस एरिया में 80 प्रतिशत तक पानी की एक्सपलायटेशन हो चुकी है । लेकिन जरुरत पड़ने पर सरकार अपने तौर पर ट्यूबवैल वहां पर लगा सकती है और प्राइवेट आदमें । भी वहां पर ट्यूबवैल्ज लगा सकते हैं । इसलिये कोई अलार्मिंग या खतरे वाली बात नहीं है, हुस के बारे में मैं केवल यही बात कहना चाहता हूं । सर, हाउस का अभी थोड़ा सा समय बाकी है । मैं हाउस का बहुत ज्यादा समय नहीं लेना चाहता । यहां पर इस बात की भी चर्चा की गयी कि रावी व्यास नदियों का पानी पाकिस्तान में जा रहा है । एक दलील जिसके बारे में मैं बताना चाहूंगा वह यह है कि पंजाब के लोग बार–बार यह कहते हैं कि अगर हरियाणा को पानी दिया गया तो उन्हें अपनी जमीनों से पानी विदड्रा करना पड़ेगा, जो आलरैडी इरीगेट हो रही हैं । वास्तव में पंजाब अभी तक भी अपने हिस्से का पूरा पानी यूटेलाईज नहीं कर सका है । मैं आपको 1971–72 से लेकर अब तक की फिगर्ज इस बारे में बताना चाहता हूं । हालांकि पंजाब 1971–72 से रावी व्यास के पानी का इस्तेमाल कर रहा है ।

1971–72	2.430
1972–73	3.081
1973–74	2.640
1974–75	3.389
1975–76	2.400

1976–77 2.264

1977–78 2.692

1978–79 2.478

इसकी एवरेज 2.664 एम०ए०एफ० से फालतू नहीं है । कहने का मतलब यह है कि पंजाब अब तक किसी समय भी 4.2 एम०ए ०एफ० पानी यूटेलाईज नहीं कर सका है । इसीलिये मैंने आपको बताया है कि यह उनकी दलील थोथी है कि अगर हरियाणा को पानी दिया गया तो उनको अपनी जमीनों से पानी विदड्रा करना पड़ेगा । जहां तरु मेरे बाकी साथियों की बातों का ताल्लुक है, उन्होने जो–जो दलीलें दी हैं, सरकार उनकी बातों पर पूरा ध्यान देगी । उनके जो सुझाव हैं, उनसे फायदा उठाने की कोशिश करेगी । अन्त में मैं एक बार फिर यह कहना चाहूंगा कि कोई वजह नहीं है कि हमारे मनों के अन्दर पैनिक हो या मायूसी हो कि यह नहर नहीं बनेगी । इस बात की भी कोई वजह नहीं है कि भारत सरकार किसी तरह से हरियाणा के पानी की एलोकेशन को एडवर्सली चेंज करेगी । यह नहर अवश्य कम्पलीट होगी और इससे हरियाणा को पानी मिलेगा । हां, इस बात में कि हरियाणा को कितने समय में पानी मिलने लगेगा, यह इस चीज पर डिपैडं करता है कि पंजाब के अन्दर किस प्रकार के हालात रहते हैं ।

श्री सभापतिः चौधरी साहब, अब आप बैठिए । आप नैक्स्ट टाईम कंटीन्यू करेंगे ।

13.30 बजे

अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है । (तत्पश्चात सदन शुक्रवार, दिनांक 30 मार्च, 1984 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ) ।